@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 19 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 344 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महाराष्ट्र में नहीं बनने देंगे शिंदे और फडणवीस की सरकार: ओवैसी

हैदराबाद, 18 अक्टूबर। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर ढ्ढरूढ्ढरूप्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि

हम महाराष्ट्र में शिंदे और फडणवीस की सरकार नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हमारे पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने नाना पटोले और शरद पवार को पत्र लिखा है। अब उनको सीटों को लेकर फैसला करना है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हमारी पहले से मजबूत राजनीतिक उपस्थिति है। इसलिए हम चुनाव जरूर लड़ेंगे। महाराष्ट्र के लिए हमने पांच उम्मीदवारों की घोषणा की है। हमारे पास पहले से ही महाराष्ट्र में दो विधायक हैं। हमने चुनाव को लेकर मराठा आरक्षण कार्यकर्ता जारांगे पाटिल से भी बात की। अब उन्हें फैसला करना है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को हरियाणा चुनाव आसानी से जीतना चाहिए था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। उन्हें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। वहीं झारखंड को लेकर ओवैसी बोले कि हमारी पार्टी ने आदिल हसन और रियाज उल हसन इफेन्डी को झारखंड भेजा है। वे वहां जाएंगे और देखेंगे कि हमें क्या करना चाहिए और कितनी सीटें लानी चाहिए। हमें चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। अख्तरुल ईमान देखेंगे कि हमें बिहार उपचुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। उत्तर प्रदेश उपचुनाव को लेकर ओवैसी ने कहा कि हम यहां डॉ. पल्लवी पटेल और अपना दल, कमेरावादी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। हम दो सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं बहराइच मुठभेड़ को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह यूपी के सीएम की पिछले कुछ सालों से चली आ रही ठोक दो नीति का उदाहरण है।

दिल्लीवासियों के लिए मुख्यमंत्री जय भीम और फरिश्ते योजना फिर से की शुरू: सीएम आतिशी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। दिल्ली में मुख्यमंत्री जय भीम योजना को लेकर सीएम आतिशी और अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने का षड्यंत्र रचकर मुख्यमंत्री जय भीम योजना को ठप कर दिया गया था। लेकिन शिक्षा के जरिए गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को आगे बढ़ाने के अरविंद केजरीवाल के विजन के आगे ये सारे षड्यंत्र धराशायी हो गए। आज अरविंद के मार्गदर्शन में दिल्ली कैबिनेट ने मुख्यमंत्री जय भीम योजना के दोबारा शुरुआत को मंजूरी दी है। इस योजना के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग पाकर अब युवा दोबारा अपने सपनों को पूरा कर सकेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, भाजपा वालों ने दिल्लीवालों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिल्ली के लोगों को मैं तकलीफ में नहीं देख सकता, दिल्ली वाले मेरे परिवार का हिस्सा हैं। अब मैं जेल से बाहर आ गया हूं और भाजपा द्वारा रोके गए

सभी कामों को हम दोबारा शुरू करा रहे हैं। इसी क्रम में दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री जय भीम योजना को दोबारा शुरू कर रही है। इस योजना के तहत दलित, स्ष्ट-स्ज्ञ, ह्क्ष्ट और श्ड्ड्स समाज के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी मुफ्त में कराई जाएगी। अब गरीबों के बच्चे भी तरक्की करके देश के विकास में अपना योगदान देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली में पुरानी सरकारों ने कोई काम नहीं किया था और इसलिए उन्हें स्त्र से टकराना नहीं पड़ता था। मनीष सिसोदिया ने स्कूल बनाए और इसलिए उन्हें जेल जाना पड़ा। अगर हम भी कुछ काम ना करें तो हमें भी संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। हमारी किसी पार्टी से दुश्मनी नहीं है, हम व्यवस्था को ठीक करना चाहते हैं। भाजपा वालों ने फरिश्ते योजना भी बंद करा दी थी लेकिन अब हमने इसे दोबारा चालू करा दिया है। इस योजना के तहत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को किसी भी अस्पताल में भर्ती कराया जा सकेगा और भर्ती कराने वाले से कोई सवाल नहीं पूछा जाएगा। इसके साथ घायल व्यक्ति के इलाज में आया पूरा खर्चा दिल्ली सरकार उठाएगी। इस योजना की वजह से अब तक हम लोग 26 हजार से ज्यादा लोगों की जान बचा चुके हैं।

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले मधु कोड़ा को झटका

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कोयला घोटाला मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। कोड़ा ने कोर्ट से अपनी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग इसलिए की थी, ताकि वह आगामी विधानसभा चुनाव लड़ सकें। जस्टिस विभू बाखरू की एकल न्यायाधीश पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा, अपीलकर्ता को किसी भी सार्वजनिक पद पर चुनाव लड़ने की सुविधा देना उचित नहीं होगा, जब तक कि वह पूरी तरह बरी न हो जाए। कोर्ट ने कहा कि कोड़ा पर प्रथम दृष्टया मामला बनता है। लेकिन अदालत यह मानने को राजी नहीं है कि सिर्फ इसी आधार पर उनकी सजा पर रोक लगाई जा सकती है। इसने कहा, मुकदमे के बाद ही अपीलकर्ता को अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। मधु कोड़ा, पूर्व कोयला सचिव एच.सी.गुप्ता, झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव ए.के.बसु और कोड़ा के सहयोगी विजय जोशी को निचली अदालत ने तीन साल की सजा सुनाई थी। उन्हें कोलकाता स्थित कंपनी विनी आयरन एंड स्टील इंडस्ट्री लिमिटेड (वीआईएसयूएल) को राज्य में राजहरा नॉर्थ कोल ब्लॉक के आवंटन में भ्रष्ट आचरण और आपराधिक साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। कोर्ट ने यूपीए काल के कोयला घोटाला मामले में वीआईएसयूएल पर 50 लाख रुपये, कोड़ा पर 25 लाख रुपये और गुप्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

हरियाणा के लोगों को मुख्यमंत्री की सौगात

नरेश मल्होत्रा

चंडीगढ़, 18 अक्टूबर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शपथ ग्रहण के बाद आज शुक्रवार को चंडीग? स्थित हरियाणा सचिवालय में मंत्रीमंडल की पहली बैठक की। बैठक की अध्यक्षता सीएम नायब सैनी ने की। बैठक से पहले नायाब सैनी अपने कार्यालय (सीएम ऑफिस) पहुंचे और कार्यभार संभाला। इसके बाद सभी मंत्रियों को उनके कार्यालय दिए गए। कार्यभार संभालने के बाद सीएम सैनी ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान पराली नहीं जलाएंगे। पराली जलाने वाले किसानों को अधिकारी समझाएंगे। सैनी ने कहा कि किसान हमारे लिए सम्मानित हैं। इसलिए किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया जाएगा। वहीं, कार्यभार संभालते ही मुख्यमंत्री नायब सिंह ने पहला बड़ा फैसला जनता के लिए लिया है। प्रदेश की जनता को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बड़ी सौगात दी है। राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में क्रोनिक किडनी रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सुविधा होगी। भविष्य में सभी मेडिकल कॉलेज में भी मुफ्त डायलिसिस की सुविधा दी जाएगी। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा की तीसरी सरकार है। सरकार को प्रदेश के गरीब लोगों ने चुना है।

इसलिए राज्य के लोगों के लिए सरकारी अस्पतालों में क्रॉनिक किडनी रोगियों को फ्री इलाज की सुविधा दी गई है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने झूठ फैलाने का काम किया। कांग्रेस के प्रदेश की जनता को भ्रमित किया। किसानों को भड़काया और युवाओं को अंधविश्वास में धकेल दिया। इतना ही नहीं कांग्रेस ने खिलाड़ियों को भी इस्तेमाल। इसलिए जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। किसानों का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदेंगे। धान की खरीद का रिव्यू किया जाएगा। 17त्न नमी तक धान की खरीद एमएसपी पर होगी। अब तक 23.21 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। 11 लाख मीट्रिक टन धान की उठान हो चुकी है। 3 हजार 56 करोड़ रुपये किसानों को ट्रांसफर किए गए हैं। 2.70 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद कर चुके हैं। 93 लाख मीट्रिक टन बाजरे की उठान हुई है। बाजरे की खरीद का 331 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है। नायब सैनी ने कहा कि आज से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू किया जा रहा है। अनुसूचित जातियों में वर्गीकरण पर फैसला लागू किया जा रहा है। कांग्रेस की सरकार युवाओं के जीवन में अंधेरा कर रही थी। कांग्रेस राज में पर्ची खर्ची के साथ नौकरी मिल रही थी। युवाओं को रोजगार देना हमारा दायित्व है। कांग्रेस युवाओं के साथ खिलवा? कर रही थी। हमारी सरकार ने बिना पर्ची खर्ची के नौकरी दी है। अगले पांच साल में हरियाणा का और विकास होगा।

विदेशी हैंडलर चला रहे कांग्रेस प्रमुख का फेसबुक अकाउंट: प्रियांक खरगे

बंगलूरू, 18 अक्टूबर। कर्नाटक भाजपा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे का सोशल मीडिया विदेशी हैंडलर प्रबंधित (मैनेज) कर रहे हैं। यह आरोप एक वेरिफाइड फेसबुक पेज को लेकर लगाया गया है। खरगे के बेटे प्रियांक ने इसे फर्जी बताते हुए खारिज कर दिया है। उन्होंने फेसबुक से इस पेज को हटाने का अनुरोध किया है। राज्य भाजपा ने कहा, मल्लिकार्जुन खरगे वक्फ की जमीन हड़पने के मामले में चर्चा में हैं, अब वह विदेशी हैंडलर के नियंत्रण में हैं। हम हमेशा कांग्रेस की जाति-आधारित राजनीति में विदेशी प्रभाव के बारे में चेतावनी देते रहे हैं और यह इस बात को पुष्ट करता है। क्यों खरगे जी? इसने मल्लिकार्जुन खरगे के नाम से बने फेसबुज पेज के पेज इन्फोर्मेशन का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए आगे पूछा, आप अपने लोगों के बजाय विदेशी प्रबंधकों पर क्यों भरोसा कर रहे हैं? भारत ने आपको जो दिया है, उसके बाद यह विश्वासघात क्यों? मल्लिकार्जुन खरगे के नाम वाले फेसबुक पेज की पेज इन्फोर्मेशन में लिखा है- इस पेज का प्रबंधन करने वाले लोगों का प्राथमिक देश/क्षेत्र स्थान नॉर्वे है। मल्लिकार्जुन खरगे राज्य सभा में विपक्ष के नेता भी हैं। भाजपा के पोस्ट पर पलटवार करते हुए कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि भाजपा दावा करती है कि उनके पास भारत के इतिहास

के सबसे प्रभावी गृह मंत्री (अमित शाह) हैं। लेकिन भाजपा यह तय नहीं कर पा रही है कि विपक्ष के नेता का खाता असली है या नहीं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं भाजपा की आईटीसेल के निरंतर प्रयासों की सच्ची सराहना करता हूं। सिर्फ दो रुपये में उन्होंने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ एक दुर्भावनापूर्ण सोशल मीडिया अभियान शुरू किया है। स्पष्ट कर दूं, खरगे के पास केवल दो आधिकारिक सोशल मीडिया खाते हैं। प्रियांक ने कांग्रेस अध्यक्ष के एक्स खाते और व्हाट्सएप चैनल का लिंक भी साझा किया। उन्होंने आगे कहा, जरूरी राष्ट्रीय मुद्दों पर फोकस करने के बजाय भाजपा एक मृत फेसबुक पेज की जांच करने में लगी हुई है, जो 2020 से सक्रिय नहीं है और एक अज्ञात ईमेल से जुड़ा है। उन्होंने आगे कहा, चूंकि हमें नहीं पता कि इसके पीछे कौन है, इसलिए हमने आधिकारिक रूप से फेसबुक से इसे हटाने का अनुरोध किया है।

दिवाली पर योगी सरकार ने दिया बड़ा तोहफा

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 18 अक्टूबर। प्रदेश सरकार ने पिछले वर्ष की तरह इस दीपावली पर भी मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का शासनादेश जारी कर दिया है। योगी सरकार के इस कदम से प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का सीधा लाभ होगा। वहीं सीएम योगी के आदेश के बाद दीपावली से पहले ही मुफ्त एलपीजी सिलेंडर का वितरण शुरू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत प्रदेश में साल में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर निशुल्क एलपीजी सिलेंडर का वितरण किया जाता है। इसी के तहत दीपावली

से पहले एलपीजी सिलेंडर वितरित करने का शासनादेश जारी कर दिया गया है। पिछले वर्ष जहां 1.85 करोड़ लाभार्थी परिवार और 85 लाख से अधिक महिलाओं को इसका लाभ दिया गया था। वहीं इस वर्ष लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 1.86 करोड़ परिवार हो गयी है। इसके लिए सरकार 1,890 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को 300 रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार दे रही है जबकि शेष छूट राज्य सरकार द्वारा दी जाती है। योजना के तहत लाभार्थियों को 14.2 किग्रा. का सिलेंडर रिफिल दिया जाता है।

बाल विवाह निषेध कानून को नहीं रोक सकते पर्सनल लॉ: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली , 18 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि बाल विवाह के खिलाफ बने कानून को पर्नसल लॉ के जरिए बाधित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि बाल विवाह, जीवन साथी अपनी इच्छा से चुनने के अधिकार का भी उल्लंघन करता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा की सदस्यता वाली पीठ ने बाल विवाह रोकने के लिए बने कानून को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए कुछ दिशा निर्देश जारी किए। अपने फैसले में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए बने बाल विवाह निषेध कानून को पर्सनल कानूनों के जरिए बाधित या रोका नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि अधिकारियों को बाल विवाह रोकने और नाबालिगों की सुरक्षा के साथ ही दोषियों को कड़ी सजा दिलाने पर फोकस करना चाहिए। अपने फैसले में पीठ ने ये भी माना कि बाल विवाह निषेध कानून में कुछ खामियां भी हैं। बाल विवाह निषेध कानून, 2006 देश में बाल विवाह रोकने के लिए लागू किया गया था। साल 1929 में यानी कि आजादी से पहले से देश में ये कानून मौजूद है। साल 2006 में तत्कालीन सरकार ने इस कानून में बदलाव कर बाल विवाह निषेध कानून 2006 लागू किया।

बहराइच हिंसा के पांचों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में लिया गया

बहराइच, 18 अक्टूबर। बहराइच की महसी तहसील की महाराजगंज हिंसा के मुख्य आरोपियों को नानपारा के हांडा बसेहरी नहर के पास पुलिस मुठभेड़ में मोहम्मद तालीम उर्फ शब्बू और सरफराज उर्फ रिंकू के पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। वहीं तीन अन्य आरोपियों अब्दुल हमीद, फहीम और मोहम्मद अफजल को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। शुक्रवार को सीजेएम आवास पर आरोपियों की पेशी होने के बाद पांचों आरोपियों को आरआरएफ पीएसी और पुलिस की कड़ी सुरक्षा मे 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इसके पहले, हत्यारोपी मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालिब को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि हत्यारोपियों के मंसूबे खतरनाक थे। तभी तो उन्होंने हत्या में प्रयुक्त बंदूक को लोड कर छिपाया था। उसके साथ एक अन्य अवैध असलहा भी रखा था, ताकि जरूरत पड़ने पर वह फिर से दहशत फैला सकें। इसका प्रमाण भी उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दे दिया। पुलिस के अनुसार महराजगंज में रविवार को जो हुआ वह सुनियोजित था। मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद की छत पर पत्थर व ईंटें रखी थीं। कांच की बोतल भी मिली थीं। हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के दौरान मुठभेड़ के बाद संवेदनशील और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में चौकसी बढ़ा दी गई। डीएम मोनिका रानी व एसपी वृंदा शुक्ला ने शहर में गश्त किया।

सीट बंटवारे में देरी पर संजय राउत निराश

सौरभ र्मा

मुंबई, 18 अक्टूबर। शिवसेना उद्धव के सांसद संजय राउत ने महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे को लेकर हो रही देरी पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि सभी सीटों पर बात हो गई है। कुछ सीटें ऐसी हैं, जिन पर राज्य कांग्रेस के नेता फैसला नहीं ले पा रहे हैं। संजय राउत ने कहा कि मैंने सुबह कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल और मुकुल वासनिक से बात की है। आज मैं राहुल गांधी से भी बात करूंगा। उनसे कहूंगा कि सीट बंटवारे के संबंध में लंबित निर्णय में तेजी लाई जाए। कई सीटों पर फैसले हो चुके हैं। महाराष्ट्र के कुछ नेता फैसले लेने में सक्षम नहीं हैं। उन्हें बार-बार सूची दिल्ली भेजनी पड़ रही है। अब वह समय बीत चुका है। उन्होंने कहा कि शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस में कोई मतभेद नहीं है। लेकिन कुछ सीटें ऐसी हैं, जिन पर तीनों पार्टियों का दावा है। महाराष्ट्र में नाना पटोले हमारे सहयोगी हैं, उनको कुछ सीटों पर दिक्कत है, उसे सुलझा लिया जाएगा। हम इस बारे में जल्द फैसला लेंगे। गठबंधन में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना के साथ ही समाजवादी पार्टी, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया (पीडब्ल्यूपी) भी है। वहीं कांग्रेस नेता अतुल लोंधे पाटिल ने कहा कि कल रात को 260 सीटों को लेकर सहमति बन गई है। पार्टी हाईकमान और राहुल गांधी अन्य सीटों को लेकर भी फंसे मामले को जल्द सुलझा लेंगे। इसे

लेकर आज मीटिंग बुलाई गई है। एमवीए पूरी ताकत से एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा। महाराष्ट्र में भाजपा को सत्ता से हटाना राज्य के हित के लिए आवश्यक है और हम यह करेंगे। सांसद संजय राउत ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मेरे जैसे लोग जेल गए और वापस आ गए। हम जानते हैं कि निशाने पर कौन हैं और बीजेपी कैसे और क्या करेगी। भाजपा में भी बिश्नोई गैंग हैं, लेकिन उनके हाथ में कोई हथियार नहीं है। उनके हथियार सीबीआई और ईडी हैं। इन हथियारों का इस्तेमाल करके वह हमको निशाना बना रहे हैं। यह सब झेलने के बाद बावजूद हम पूरी दृढ़ता से साथ खड़े हैं। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि चुनाव आयोग ने कुछ महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। हमें लगता है कि वे निर्णय महाविकास अघाड़ी के हितों के खिलाफ हैं। जबकि इससे शिंदे और भाजपा को मदद मिलेगी। आज के दौर में चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट भी निष्पक्ष नहीं हैं। वे भाजपा की बी, सी और डी टीमें हैं। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के भाजपा नेता राजन तेली ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि शिवसेना उद्धव का दामन थाम सकते हैं। वह सावंतवाड़ी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रभारी थे। तेली ने दावा किया कि उन्होंने पिछले दस वर्षों में भाजपा के लिए कड़ी मेहनत की है, लेकिन रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और उनके परिवार के पार्टी में शामिल होने के बाद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आरजी कर मामले में बंगाल सरकार ने उठाया बड़ा कदम

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 18 अक्टूबर। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई बर्बरता मामले में पश्चिम बंगाल सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए कोलकाता के सभी अस्पतालों से सिविक वॉलंटियर्स को हटा दिए। जानकारी के अनुसार, अब अस्पतालों में अधिक संख्या में निजी सुरक्षाकर्मियों और अतिरिक्त पुलिस तैनात की जाएगी। बता दें कि आरजी कर कांड में मुख्य आरोपी संजय राय सिविक वॉलंटियर था, जिसके कारण पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट में कई सवाल उठे थे। सुनवाई के दौरान राज्य के सिविक वॉलंटियर्स की नियुक्ति पर लगातार आपत्ति जताते हुए वकील करुणा नंदी ने सवाल उठाया था कि कितने सिविक वॉलंटियर्स नियुक्त किए गए हैं? उनकी योग्यता क्या है? सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को हलफनामा देकर जानकारी देने के लिए कहा था। जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद न्याय की मांग कर रहे अनशन पर बैठे जूनियर डॉक्टरों ने बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर अभियान शुरू किया। इसके तहत आम लोग भी अपनी राय देकर

हस्ताक्षर कर सकेंगे। उधर, धर्मतला में सात जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन बृहस्पतिवार को 13वें दिन भी जारी रहा। इसके अलावा उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित मेडिकल कॉलेज में भी जूनियर डॉक्टर आमरण अनशन कर रहे हैं। उनका यह 11वां दिन है। वहीं, भूख हड़ताल से तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती होने के 6 दिन बाद जूनियर डॉक्टर अनिकेत महतो को बृहस्पतिवार को छुट्टी दे दी गई। ब्यूरो आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की घटना मामले में शीघ्र न्याय की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को सैकड़ों महिलाओं ने कोलकाता में केंद्रीय अंवेषण ब्यूरो (सीबीआइ) के कार्यालय तक मार्च निकाला। पोस्टर और तख्तियां लेकर कार्यकर्ताओं ने जांच में देरी को लेकर सीबीआइ और कार्यस्थलों पर महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए। महिलाएं जागो नारी संगठन के बैनर तले शहर के उत्तरी छोर पर उत्तर 24 परगना के साल्ट लेक स्थित सीबीआइ कार्यालय तक पैदल चलीं। प्रदर्शनकारियों में से एक ने कहा, हमें लगता है कि जांच एजेंसी अपना काम ठीक से नहीं कर रही है, यह मूल रूप से वही दोहरा रही है, जो कोलकाता पुलिस ने पहले कहा था। सीबीआइ को इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए, ताकि मुख्य दोषियों को सजा मिल सके।

वक्फ विधेयक पर बैठक में विपक्षी सांसदों ने जेपीसी अध्यक्ष को धमकी दी

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता तेजस्वी सूर्या ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी सांसदों ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल और एक गवाह को धमकी दी और दस्तावेज भी फाड़ दिए। सूर्या ने बताया कि यह घटना 14 अक्तूबर को हुई जब समिति ने कर्नाटक के राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपड्डी को कर्नाटक में वक्फ भूमि घोटाले पर उनकी राय सुनने के लिए बुलाया था। बंगलूरू दक्षिण से दो बार के सांसद सूर्या ने बिरला को यह पत्र उस समय लिखा है, जब विपक्ष के सांसदों ने भी लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखा है। जिसमें पाल पर समिति की बैठक के दौरान संसदीय आचार संहिता का गंभीर आरोप उल्लंघन का आरोप लगाया है। सूर्या ने अपने पत्र में लिखा, मणिपड्डी ने 2012 की एक रिपोर्ट पर चर्चा की, जिसमें करीब 2,000 एकड़ वक्फ भूमि के बड़े पैमाने पर अतिक्रमण या बिक्री का आरोप लगाया गया है। इस भूमि की अनुमानित कीमत करीब दो लाख करोड़ रुपये है और इसमें कांग्रेस के कुछ नेताओं सहित निजी संस्थाओं को करोड़ों रुपये दिए गए। उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही यह मुद्दा समिति के सामने आया है, विपक्षी सांसदों ने बैठक को बाधित किया और गवाह व समिति के अध्यक्ष (जगदंबिका पाल) को मौखिक रूप से धमकी दी और दस्तावेज फाड़ दिए।

पाकिस्तान विस्फोट में तीन की मौत, दो घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद के राजमार्ग पर हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गयी है जबकि दो अन्य घायल हो गये हैं।यातायात पुलिस ने अपने बयान में बताया कि यह दुर्घटना को एम1 राजमार्ग पर एक टोल प्लाजा के पास हुई, जहां एक यात्री वैन में विस्फोट हुआ। इसमें तीन लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये। बयान में कहा गया प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि दुर्घटना सिलेंडर फटने के कारण हुई।पुलिस ने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बंगलादेश की अंतरिम सरकार ने खत्म की आठ राष्ट्रीय छुट्टियां

ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार ने देश की पिछली शेख हसीना सरकार की ओर से शुरू की गई आठ राष्ट्रीय छुट्टियों को रद्द कर दिया है, जिसमें सात मार्च को बंगबंधु के महत्वपूर्ण भाषण के सम्मान में शुरू की गयी छुट्टी भी शामिल है। 'डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार रद्द की गई छुट्टियों में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण भाषण के सम्मान में ऐतिहासिक सात मार्च का दिन, 17 मार्च को मुजीबुर रहमान का जन्मदिन और राष्ट्रीय बाल दिवस, पांच अगस्त को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के भाई की जयंती, आठ अगस्त को श्रीमती हसीना की मां की जयंती, 15 अगस्त को मुजीबुर रहमान की पुण्यतिथि, 18 अक्टूबर को श्रीमती हसीना के छोटे भाई का जन्मदिन, चार नवंबर को राष्ट्रीय संविधान दिवस और 12 दिसंबर को स्मार्ट बंगलादेश दिवस शामिल हैं। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने सत्यापित फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में इसकी घोषणा की। बाद में कैबिनेट डिवीजन द्वारा जारी एक परिपत्र द्वारा इन राष्ट्रीय दिवसों को रद्द कर दिया गया।

हमास नेता के खात्मे के बाद फ्रांस ने सभी बंधकों की रिहाई की मांग की

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने कहा कि फिलिस्तीनी आंदोलन के नेता याह्या सिनवार की हत्या की खबर के बाद फ्रांस ने हमास द्वारा अभी भी बंधक बनाए गए सभी बंधकों को रिहा करने की मांग की है। श्री मैक्रॉन ने 'एक्स'पर लिखा, याह्या सिनवार 7 अक्टूबर के आतंकवादी हमलों और बर्बर कृत्यों के लिए मुख्य जिम्मेदार व्यक्ति था। आज मैं पीड़ितों की भावनाओं के साथ सोचता हूं, जिसमें हमारे 48 हमवतन और उनके प्रियजन शामिल हैं। फ्रांस अभी भी हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी बंधकों की रिहाई की मांग करता है। इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने पुष्टि की कि दक्षिणी गाजा पट्टी में एक ऑपरेशन में सिनवार को मार गिराया गया है।

सोमाली में आत्मघाती बम विस्फोट में सात की मौत

मोगादिशु। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में एक पुलिस अकादमी के पास एक आत्मघाती बम विस्फोट में सात लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। गारोवे समाचार पोर्टल ने पुलिस के हवाले से यह जानकरी दी।किसी भी आतंकी समूह ने जिम्मेदारी का दावा नहीं किया है, लेकिन समाचार पोर्टल का सुझाव है कि हमले के पीछे कट्टरपंथी इस्लामी समूह अल-शबाब हो सकता है। अल-शबाब एक सोमालिया स्थित जिहादी आतंकवादी समूह है जो अल-कायदा आतंकवादी समूह (रूस में प्रतिबंधित) से जुड़ा हुआ है। यह सोमाली सरकार के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध छेड़ता है और देश में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मिशनों में बाधा डालता है।

लावी में राष्ट्रपति मुर्मू ने की भारतीयों से मुलाकात, कहा- वे दोनों देशों के बीच की कड़ी

एजेंसी

लिलोंग्व। अफ्रीकी देशों की यात्रा की तीसरी कड़ी में मलावी पहुंचीं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय प्रवासियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय दोनों देशों के बेहतर संबंधों के बीच की कड़ी है। मलावी के लिलोंग्वे में एक समारोह में भारतीय समुदाय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जोरदार स्वागत किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मलवाी के समाज और अर्थव्यवस्था में भारतीय समुदाय के योगदान को सराहा और उनसे भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत और मलावी ने राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे कर लिए हैं। ये संबंध ऐतिहासिक हैं। भारत आपसी विश्वास, समानता और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों के आधार पर अफ्रीका महाद्वीप के साथ अपनी

साझेदारी को महत्व देता है। उन्होंने कहा कि देश से बाहर रहने वाले भारतीय नागरिकों का कल्याण भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम भारतीयों की चिंता दूर करने और उनकी सुरक्षा, कल्याण, प्रगति सुनिश्चित करने के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन अफ्रीकी देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में बृहस्पतिवार को मलावी पहुंचीं थीं। यहां वह मलावी के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगी तथा व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं से बातचीत करेंगी। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस अफ्रीकी देश की पहली यात्रा है। मलावी के उप राष्ट्रपति माइकल उसी ने हवाईअड्डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया था। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह भारत से मलावी की पहली राजकीय यात्रा है। मुर्मू मलावी के राष्ट्रपति डॉ. लाजर मैक्कार्थी चकवेरा के निमंत्रण पर 17-19 अक्टूबर तक मलावी का दौरा कर रही हैं। इससे पहले राष्ट्रपति ने अल्जीरिया और मॉरिटानिया देशों का दौरा किया था। मॉरिटानिया में उन्होंने राजनयिक प्रशिक्षण और वीजा छूट समेत चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए। साथ ही द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए अपने-अपने समकक्षों के साथ बातचीत की।

अफगानिस्तान कर रहा है ईरान-पाकिस्तान सीमा पर अफगान प्रवासियों की हत्या की जांच

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ईरान और पाकिस्तान सीमा पर हुयीं अफगानिस्तान के प्रवासियों की संभावित हत्या से जुड़ी एक घटना की जांच कर रही है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने दी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा ईरान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर अफगानों की शहादत और घायल होने के बारे में मीडिया में अस्पष्ट खबरें प्रकाशित हो रही हैं, ऐसे इस संबंध में अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के विभिन्न विभाग और उसके राजनयिक प्रतिनिधि इस घटना की जांच कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ईरानी सीमा रक्षकों ने 13 अक्टूबर की शाम को सरवन सीमा के पास पाकिस्तान से अवैध रूप से ईरान में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे अफगानिस्तान के प्रवासियों पर गोलीबारी की। ईरान के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार इस घटना में लगभग 250 लोग मारे गए।

मुंबई में ताइवान का कार्यालय खोलने पर तिलमिलाया चीन; भारत के सामने उठाया मुद्दा, जताया विरोध

एजेंसी

बीजिंग। मुंबई में ताइवान के ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (टीईसीसी) के नए कार्यालय पर चीन तिलमिला गया है। उन्होंने भारत के सामने इस मुद्दे को उठाते हुए इसपर विरोध जताया। चीन ने बताया कि उन्होंने राजनयिक विरोध दर्ज कराया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ताइवान को चीन का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने भारत से एक-चीन सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का पालन करने की अपील की। यह भारत-चीन संबंध के लिए राजनीतिक आधार के रूप में कार्य करता है।

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, विश्व में केवल एक ही चीन है और ताइवान चीन का अभिन्न अंग है। उन्होंने आगे कहा, चीन ताइवान और अन्य देशों के बीच सभी प्रकार के आधिकारिक संपर्क और बातचीत का विरोध करता है। इसमें दूसरे देशों में प्रतिनिधि कार्यालयों की स्थापना भी शामिल हैं।÷ माओ ने आगे कहा कि एक चीन सिद्धांत भारतीय पक्ष द्वारा की गई एक राजनीतिक प्रतिबद्धता है और उन्होंने भारत से अपनी प्रतिबद्धताओं का सख्ती से पालन

करने की अपील की। माओ ने कहा, चीन भारत से अपनी प्रतिबद्धताओं का सख्ती से पालन करने का आग्रह करता है। ताइवान संबंधित मुद्दों को उचित तरीके से सुलझाएं और ताइवान के साथ किसी भी तरह की आधिकारिक बातचीत न करें।÷ उन्होंने चीन और भारत के संबंधों में खलल डालने से बचने का भी आग्रह किया। बता दें कि टीईसीसी ने बुधवार को मुंबई में एक शाखा खोली। इसके साथ ही भारत में इसके कार्यालयों की संख्या तीन हो गई। इससे पहले दिल्ली और चेन्नई में ही टीईसीसी का कार्यालय था। मुंबई में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र के आधिकारिक संचालन की घोषणा के बाद से चीन ने भारत से ताइवान के मुद्दों पर सावधानी बरतने का आग्रह किया। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे अन्य देशों की ओर से ताइवान के साथ राजनयिक संबंध बनाने, उनके बीच किसी भी प्रकार के आधिकारिक संपर्क व बातचीत पर कड़ा एतराज है।

यूएन अंतरिम बल पर सेना का हमला गलती: इजरायली विदेश मंत्री

एजेंसी

यरूशलम। इजरायली विदेश मंत्री इज़रायल काट्ज़ ने इजरायली सेना की लेबनान के संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में की गयी गोलीबारी को एक गलती बताया और कहा कि देश ऐसी घटनाओं को रोकने का प्रयास करेगा। श्री काट्ज़ ने कहा कि इजरायली सेना की लेबनान में यूएनआईएफआईएल के ठिकानों पर की गई गोलाबारी एक गलती थी और इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) तथा देश का विदेश मंत्रालय इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने अखबार के साथ एक एक साक्षात्कार में कहा यूएनआईएफआईएल पर हमला करना हमारी गलती थी ऐसे हमला करना हमारी नीति नहीं है। हम वर्तमान में इस समस्या के समाधान पर काम कर रहे हैं। आईडीएफ यूएनआईएफआईएल के साथ बातचीत कर रहा है और विदेश मंत्रालय भी इस समस्या के समाधान पर बातचीत कर रहा है। श्री काट्ज़ ने कहा कि मुख्य समस्या यह है कि लेबनानी आंदोलन की गतिविधियां हिज़्बुल्लाह यूएनआईएफआईएल

ठिकानों के करीब संचालित होती हैं। उन्होंने कहा वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि इजरायल यूएनआईएफआईएल के खिलाफ कार्रवाई करे। हालांकि यूएनआईएफआईएल इन जगहों को छोड़ना नहीं चाहता है, इसलिए हम अब समस्या के समाधान पर काम कर रहे हैं। मंत्री का मानना ??है कि दक्षिणी लेबनान में सैन्य कार्रवाई अगले कई हफ्तों तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा हमारे हित लेबनान में राजनीतिक समाधान में नहीं हैं, बल्कि हमारी सुरक्षा और हमारे नागरिकों की सुरक्षित जीवन में वापसी में हैं। यूएनआईएफआईएल ने दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ द्वारा अपने ठिकानों पर बार-बार हमलों की सूचना दी है। कथित तौर पर इज़रायली सेना ने दो इतालवी ठिकानों और मुख्यालय सहित मिशन के गढ़ों पर हमला किया और ब्लू लाइन का उल्लंघन किया।

इज़रायल से गाजा में सभी बच्चों तक टीकाकरण की पहुंच सुनिश्चित हो -डब्ल्यूएचओ

एजेंसी

दोहा। इजरायल विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कर्मचारियों को पोलियो के खिलाफ बच्चों का टीकाकरण करने के लिए उत्तरी गाजा पट्टी में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दे रहा है। यह बात पूर्वी भूमध्य सागर के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय कार्यालय के आपातकालीन निदेशक रिक ब्रेनन ने कही। श्री ब्रेनन ने कतर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डब्ल्यूएचओ ने मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में 10 साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो के खिलाफ सफलतापूर्वक टीका लगाया है और अब संगठन को टीकाकरण का एक नया दौर आयोजित करने की जरूरत है। हालांकि श्री ब्रेनन नेकहा कि डब्ल्यूएचओ को अभी तक कर्मचारियों को उत्तरी गाजा में प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली है।

इज़रायली मीडिया ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने इज़रायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट और रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर को एक पत्र भेजकर एक माह में समाधान नहीं और गाजा पट्टी में मानवीय संकट बढ़ने पर इज़रायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है।'एक्सियोस' समाचार पोर्टल ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि इजरायली अधिकारियों ने गाजा पट्टी में मानवीय स्थिति में शीघ्र सुधार करने की कसम खाई है।

प्रौद्योगिकी के कारण संसद की जानकारियां जन-जन तक पहुंची: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

एजेंसी

जिनेवा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि प्रौद्योगिकी ने सांसदों के लिए अपनी पसंद की भाषा में विचार व्यक्त करना संभव बनाया है, जिससे संसद की जानकारियां जन-जन तक पहुंची है और विश्व समुदाय ने भारत की हरित, तकनीक-संचालित और कागज रहित भारतीय संसद की सराहना की है । अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 149वीं एसेम्बली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे श्री बिरला ने रिकॉर्ड के रखरखाव, संसद में हुई चर्चा और भाषणों के साथ ही अन्य जानकारी लोगों को उपलब्ध कराने और संसद को लोगों के करीब लाने में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धि (एआई) के उपयोगिता का उल्लेख किया और कहा कि प्रौद्योगिकी ने सांसदों के लिए अपनी पसंद की भाषा में विचार व्यक्त करना संभव बनाया है और इसके कारण संसद की जानकारी जन-जन तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय ने भारत की हरित, तकनीक-संचालित और पेपरलेस संसद की सराहना की है । उन्होंने कहा कि संसदीय सहयोग के माध्यम से समावेशी विकास और शांति की स्थापना के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए आईपीयू उपयोगी मंच है और समुचित उपयोग किया जाना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों और अधिकारियों की क्षमता निर्माण के बारे में बात करते हुए कहा कि लगभग 100 से अधिक देशों के अध्यक्षों और सांसदों ने संसदीय प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख वैश्विक संस्थान के रूप में प्राइड को स्वीकार किया है और उसकी सराहना की है। उन्होंने आगे कहा कि प्राइड ने निर्वाचित सदस्यों और संसद सचिवालयों के अधिकारियों को अनेक संसदीय विषयों पर प्रशिक्षण दिया है। श्री बिरला ने आज नेपाल, मालदीव, आर्मेनिया, थाईलैंड, ओमान, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, शेशेल्स, आईपीयू अध्यक्ष, अल्जीरिया, जिम्बाब्वे, भूटान, संयुक्त अरब अमीरात की संसदों के पीठासीन अधिकारियों और प्रतिनिधियों से मुलाकात की और इन्हें प्रौद्योगिकी के उपयोग से डिजिटल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, डीबीटी योजना आदि जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए भारत में समावेशी और सतत विकास की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

श्री बिरला ने संकल्प का प्रारूप तैयार करने में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल के सदस्यों की सक्रिय भूमिका तथा भारत की समावेशी और तकनीक संचालित विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए स्थायी समितियों की बैठकों में उनकी भागीदारी की सराहना की।

दक्षिणी लेबनान की कार्रवाई में इजरायल के 55 लोगों की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में जमीनी अभियान शुरू होने के बाद से इजरायली सेना के नुकसान में 55 लोग मारे गए हैं और 500 से अधिक सैनिक और अधिकारी घायल हुए हैं। लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने एक बयान यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, प्रतिरोध सेनानियों की पुष्टि के अनुसार, शत्रु हताहतों की संख्या 55 तक पहुंच गई है और 500 से अधिक घायल सैनिक और अधिकारी मारे गए हैं। इसके अलावा, 20 मर्कवा टैंक और चार सैन्य बुलडोजर नष्ट कर दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि संख्या में लेबनान के साथ पूरी सीमा पर और इजरायली क्षेत्र के अंदर स्थित गढ़ों और बैरकों पर गोलाबारी के परिणामस्वरूप मारे गए और घायल हुए इजरायली सैनिकों को शामिल नहीं किया गया है।

'खत्म कर देंगे ईरानी आतंक का शासन', सिनवार की मौत के बाद नेतन्याहू का दावा; बंधकों की रिहाई पर भी बोले

एजेंसी

गाजा। गाजा में इस्राइल के सबसे बड़े दुश्मन याह्या सिनवार की मौत के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि याह्या सिनवार मर चुका है। उसे राफा में इस्राइल रक्षा बलों के बहादुर सैनिकों ने मार गिराया। मगर यह गाजा में युद्ध का अंत नहीं है। बल्कि अंत की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि ईरान ने आतंक का जो शासन कायम किया है, हम उसे खत्म कर देंगे। इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा-इस्राइल युद्ध समाप्त हो सकता है, अगर हमास अपने हथियार डाल दे और हमारे बंधकों को लौटा दे। हमास ने गाजा में 23 देशों के 101 लोगों को बंधक बनाया हुआ है। इस्राइल सभी को घर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस्राइल सभी बंधकों की सुरक्षा की गारंटी देता है। लेकिन जो हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाएगा, उनके

लिए मेरे पास संदेश है कि इस्राइल उन्हें खोजेगा और न्याय दिलाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे पास अपने क्षेत्र के लोगों के लिए एक आशा भरा संदेश भी है कि ईरान द्वारा बनाई गई आतंक की धुरी हमारी आंखों के सामने ढह रही है। नरसल्ला चला गया, उसका डिप्टी मोहसिन चला गया, हानिया चला गया है, दईफ चला गया और अब सिनवार चला गया है। आतंक का शासन जो ईरान ने अपने ही लोगों और इराक, सीरिया, लेबनान और यमन के लोगों पर लगाया है, वह भी समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में समृद्धि और शांति का भविष्य चाहने वाले सभी लोगों को बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए एकजुट होना चाहिए। साथ मिलकर हम अंधेरे की ताकतों को पीछे धकेल सकते हैं और हम सभी के लिए प्रकाश और आशा का भविष्य बना सकते हैं। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि हमास का नेता याह्या सिनवार मर गया। वह सात अक्तूबर को हुए नरसंहार के लिए जिम्मेदार था। मगर हमारा काम पूरा नहीं हुआ है। हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक हम अपने सभी बंधकों को किसी भी तरह से घर नहीं ले आते। हम ऐसा करना जारी रखेंगे। जब तक हम इस्राइल के लोगों की रक्षा में अपने सभी मिशन पूरे नहीं कर लेते, तब तक काम करते रहेंगे।

आईसीटी ने हसीना के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ जुलाई-अगस्त में हुए जन विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया। आईसीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तजा मजूमदार की अध्यक्षता वाली पीठ में आज पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे सुनवाई शुरू हुयी।

मुख्य अभियोजक अधिवक्ता मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने पहले दिन श्रीमती हसीना की गिरफ्तारी वारंट के लिए आवेदन किया। न्यायमूर्ति मजूमदार के नेतृत्व में तीन न्यायाधीशों के न्यायाधिकरण ने अभियोजन पक्ष की याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। आईसीटी के मुख्य अभियोजक एडवोकेट मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने कहा, यायाधिकरण समक्ष पेश करने को कहा है। उन्होंने बताया कि न्यायाधिकरण ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि श्रीमती हसीना समेत 45 लोगों को

ने आदेश पारित करते हुए श्रीमती हसीना को गिरफ्तार करने और उसके बाद 18 नवंबर तक अदालत के 18 नवंबर तक गिरफ्तार करने के बाद न्यायाधिकरण के समक्ष पेश किया जाए।

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट का आरोप- रॉ अधिकारी ने रची थी खालिस्तानी अलगाववादी पन्नू की हत्या की साजिश

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने के मामले में संघीय अभियोजकों ने न्यूयॉर्क की अदालत में एक भारतीय रॉ अधिकारी विकास यादव पर हत्या की साजिश रचने और मनी लांड्रिंग के आरोप लगाए हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने कहा कि विकास यादव फरार है। उसके सह-षड्यंत्रकारी निखिल गुप्ता को पिछले साल प्राग में गिरफ्तार किया गया था और प्रत्यर्पण के बाद वह अमेरिकी जेल में बंद है। विकास यादव पहले रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) से जुड़े हुए थे। अमेरिका ने उन पर खालिस्तानी अलगाववादी पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोप लगाया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने उन पर पैसे देकर हत्या की कोशिश और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है। विकास यादव पर पन्नू की हत्या के लिए भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को हायर करने का आरोप है। अभियोग में बताया गया है कि कैसे रॉ एजेंट विकास यादव ने निखिल गुप्ता को पन्नू की

हत्या की साजिश रचने के लिए हायर किया था। विकास यादव फिलहाल भारत में हैं लेकिन अमेरिकी अधिकारी उनके प्रत्यर्पण की मांग कर सकते हैं।

निखिल गुप्ता को पिछले साल जून में प्राग में गिरफ्तार किया गया था और बाद में अमेरिका में उनको प्रत्यर्पित किया गया। हालांकि निखिल ने निर्दोष होने का दावा किया था।एफबीआई डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे ने एक बयान में कहा कि एफबीआई अमेरिका में रहने वालों के खिलाफ हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगी। उनके मुताबिक ये साजिश कथित तौर पर मई 2023 में रचनी शुरू की गई थी और उस समय विकास यादव ने कथित तौर पर हत्या के लिए भारत और विदेशों में रह रहे लोगों की मदद की। उनका टारगेट गुरपतवंत सिंह पन्नू था। इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने इसी मामले की जांच को लेकर बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि हम भारत के सहयोग से संतुष्ट हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। हम सहयोग की सराहना करते हैं।

अमेरिका और यूरोप के साथ परमाणु वार्ता फिर से शुरू करने के लिए तैयार है ईरान

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने कहा कि वह 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के लिए अमेरिका और यूरोप के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है।

ईरानी समाचार एजेंसी ने ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) के प्रवक्ता बेहरोज़ कमालवंदी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा, ईरान संयुक्त व्यापक कार्य योजना को बहाल करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके कार्यान्वयन के लिए गंभीर बातचीत की आवश्यकता है।÷ उल्लेखनीय है कि ईरान अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के साथ 2015 के समझौते के तहत प्रतिबंधों में राहत के बदले में अपने परमाणु अनुसंधान को कम करने का वचन दिया था, लेकिन अमेरिका द्वारा जेसीपीओए से हटने और 2018 में ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगाने के बाद ईरान कुछ प्रतिबद्धताओं से मुकर गया, जिससे यह समझौता समाप्त गया। ईरान ने 2021 में संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था (आईएईए) को करज शहर में एक परमाणु सुविधा में कैमरे बदलने की अनुमति दी, लेकिन कहा कि जब तक अमेरिका अपने प्रतिबंध नहीं हटा लेता, तब तक वह एजेंसी के साथ फुटेज साझा नहीं करेगा।

केजरीवाल को जेल भेजने के पीछे का सच जनसंपर्क अभियान के जरिए बताएगी आआपा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जन संपर्क अभियान की शुरुआत की। इसके तहत आआपा कार्यकर्ता 16 से 29 अक्टूबर तक उनके द्वारा दिल्ली की जनता के नाम लिखे पत्र को लेकर घर-घर जाएंगे और केजरीवाल को जेल भेजने के पीछे का असल सच जनता को बताएंगे। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने दिल्ली में मुफ्त व 24 घंटे बिजली, पानी, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा समेत अन्य सुविधाएं दी हैं लेकिन ये लोग (भाजपा) अपने शासित 22 राज्यों में दिल्ली वाली सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए इन्होंने उन्हें जेल में डाला, ताकि ये दिल्ली में मिल रही सुविधाएं बंद कर अपने शासित राज्यों में उठ रही जनता की मांग को दबा सकें। अब ये किसी भी तरह दिल्ली की सत्ता हासिल करना चाहते हैं। अगर ये सत्ता में आ गए तो सारी सुविधाएं बंद कर देंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आतिशी, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं मंत्री गोपाल राय, मंत्री सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत समेत अन्य मौजूद रहे। केजरीवाल ने पत्र में कहा है कि ये दिल्ली के काम क्यों रोकना चाहते हैं? मैंने दिल्ली में वो काम कर दिए जो आज तक देश में कभी नहीं हुए। इनकी 22 राज्यों में सरकारें हैं।

वेतन वृद्धि व अन्य मांगों को लेकर डीटीसी कर्मचारियों का मुख्यालय पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। आईपी डिपो स्थित दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (डीटीसी) के मुख्यालय पर सैकड़ों कर्मचारीअपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सुबह 10 बजे से शुरू हुआ प्रदर्शन शाम 5 बजे तक चलेगा, जिसमें डीटीसी के चालक-परिचालक व अन्य कर्मचारी शामिल हैं। इन कर्मचारियों ने बताया कि कम वेतन मिलने के कारण वह अपना परिवार नहीं चला पा रहे हैं। वह अपने बच्चों की स्कूल की फीस भी नहीं जमा कर पा रहे हैं। इसके अलावा कर्मचारियों का तबादला दूर-दूर कर दिया जा रहा है, जिससे वह काफी परेशान हैं। डीटीसी कर्मचारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि वह करीब 14 साल से कॉन्ट्रैक्ट बेस पर नौकरी कर रहे हैं। अभी तक उन्हें परमानेंट नहीं किया गया है। उन्हें 816 रुपये प्रतिदिन का वेतन मिलता है, लेकिन इतने पैसों से घर नहीं चलता। हम परमानेंट नौकरी की मांग कर रहे हैं। वहीं डीटीसी में कंडक्टर आशीष ने कहा कि 15 साल से लोग संविदा पर नौकरी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक परमानेंट नहीं किया गया। जो वेतन 816 रुपये प्रतिदिन मिलता है, वह करीब 1500 होना चाहिए। साथ ही टीए और डीए भी मिलना चाहिए।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के विकासपुरी थाना इलाके में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान संजय के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मृतक का कुछ लड़कों से झगड़ा हुआ था और इस झगड़े में मृतक संजय को पहले बुरी तरह पीटा गया और फिर चाकू मारा गया जिसके बाद अस्पताल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। डीसीपी विचित्रवीर के अनुसार मृतक संजय इंदिरा कैंप जोगी में रहता था और कमर्शियल गाड़ी का ड्राइवर था। बीती रात वह अपने दोस्त मनीष के साथ इलाके में ही घूम रहा था। तभी कुछ लड़कों से किसी बात पर उसका झगड़ा हुआ। इसके बाद संजय को पहले उन लड़कों ने पीटा और फिर चाकू मार दिया। इसके बाद फौरन संजय को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ के आधार पर अब तक छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। माना जा रहा है कि यह सभी लोग हत्या की वारदात में शामिल थे। यह जानकारी भी सामने आई है कि कुछ लड़के तो उसी की झुग्गी के रहने वाले हैं जबकि कुछ लड़के बाहर से बुलाए गए थे। पुलिस के अनुसार इनका दशहरे वाले दिन से झगड़ा चल रहा था लेकिन असल में किस बात को लेकर झगड़ा था। इस बारे में अभी पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है। डीसीपी के अनुसार पहले भी इनके बीच झगड़ा हुआ था तब पुलिस ने कार्रवाई भी की थी। फिलहाल पूछताछ कर या पता लगा रही है कि आखिर संजय की हत्या किस बात को लेकर की गई।

भारत की अखंडता को लेकर कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो की कथनी और करनी में अंतरः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो एक तरफ एक भारत नीति का समर्थन करते हैं वहीं दूसरी ओर भारत विरोधी तत्वों पर हमारे अनुरोध के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। यह स्पष्ट रूप से उनकी कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि पिछले एक दशक के दौरान 26 प्रत्यर्पण के अनुरोध कनाडा के पास लंबित पड़े हैं। इसके अलावा कुछ गिरफ्तारियों की मांग भी लंबित हैं। अभी तक कनाडा की सरकार की ओर से हमारे अनुरोधों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इनमें गुरजीत सिंह, गुरजिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, लखबीर सिंह और अर्शदीप सिंह प्रमुख नाम हैं। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से कनाडा को कई मौकों पर सुरक्षा संबंधी जानकारी साझा की गई है। इसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों के बारे में भी जानकारी है लेकिन कनाडा सरकार ने हमारे इन अनुरोधों पर कोई कार्रवाई नहीं की। प्रवक्ता ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि जिन लोगों के प्रत्यर्पण और कार्रवाई की मांग की गई थी अब वहां की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस उन्हीं लोगों के वहां हुए अपराधों के लिए भारत पर आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि कनाडा सरकार सितंबर 2023 से लगातार भारत पर आरोप लगा रही है लेकिन अभी तक उसकी ओर से कोई ठोस सबूत नहीं दिया गया है।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में पहली कोल गैलरी पर प्रदर्शनी का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली।राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में देश की पहली कोल गैलरी की शुरुआत की गई। इस गैलरी का उद्देश्य न केवल आगंतुकों को कोयले के अतीत और वर्तमान के बारे में बताना है, बल्कि ऊर्जा उत्पादन और स्थिरता में भविष्य के नवाचारों को प्रेरित करना भी है। कोयला मंत्रालय की पहली कोल गैलरी पर 'ब्लैक डायमंडः अनवीलिंग द डेप्थ' नामक प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कोल गैलरी को एक शैक्षिक और इंटरैक्टिव स्थान के रूप में डिज़ाइन किया गया है जो आधुनिक ऊर्जा खपत में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए कोयले की यात्रा की खोज के लिए समर्पित है। जैसे-जैसे हम हरित ऊर्जा समाधानों की ओर बढ़ रहे हैं, यह दीर्घा भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास में कोयले की मूलभूत भूमिका की याद दिलाएगी।

संस्कृति मंत्रालय में सचिव अरुणिश चावला, कोयला एवं खान मंत्रालय में अपर सचिव निरुपमा कोटरू, संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव संजय कौल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद थे। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य कोयले की खोज, निष्कर्षण और प्रसंस्करण को प्रदर्शित करना है, जिसमें उन्नत तकनीक को उजागर किया गया है। प्रदर्शनी में एक वॉक-थ्रू सिम्युलेटेड कोयला खदान लिफ्ट शामिल है जिसमें कोयला खादानों में गहराई में जाने का एक आभासी अनुभव भी मिलता है।

नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भाजपा ने बताया ऐतिहासिक

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी है। भारतीय जनता पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक फैसला बताया है।

पूर्व केंद्रीय विधि मंत्री एवं भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6-ए की संवैधानिक वैधता पर एक बहुत ही ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। यह प्रावधान असम समझौते के मद्देनजर भारतीय नागरिकता अधिनियम में जोड़ा गया था।

इस प्रावधान का मूल यह है कि जो लोग 1966 तक असम में आए हैं, उन्हें भारत का नागरिक माना जाएगा और जो लोग 01 जनवरी 1966 और 25 मार्च 1971 के बीच आए हैं, वे सभी आवश्यक नियमों के अनुपालन के अधीन होंगे। उनको निश्चित रूप से अवैध अप्रवासी के रूप में माना

जाएगा। यह प्रावधान तब लाया गया था जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 12 दिसंबर को सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। सीजेआई ने कहा था कि असम समझौता बढ़ते अप्रवासन के मुद्दे का राजनीतिक समाधान था वहीं 6-ए विधायी समाधान था। नागरिकता अधिनियम की धारा 6-ए के मुताबिक जो बांग्लादेशी अप्रवासी 01 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक असम आए, वो भारतीय नागरिक के तौर पर खुद को रजिस्टर करा सकते हैं लेकिन 25 मार्च 1971 के बाद असम आने वाले विदेशी भारतीय नागरिकता के पात्र नहीं हैं।

अवैध शराब रोकने में विफल रही नीतीश सरकार : खरगे–राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाज़ुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सीवान में जहरीली शराब से कई लोगों के मारे जाने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार सरकार अवैध शराब का कारोबार रोकने में विफल साबित हुई है इसलिए राज्य में जहरीली शराब की घटनाएं हो रही हैं।

श्री खरगे ने कहा, बिहार के सीवान और सारण के 16 गांवों में जहरीली शराब से अब तक 36 लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जो बेहद पीड़ादायक और दुःखद है। पीड़ितों के शोकाकुल परिवारजनों को हमारी गहरी संवेदनाएं। सरकार से अनुरोध कि दोषियों को न्यायसंगत कड़ी से कड़ी सज़ा दिलवाई जाए। उन्होंने बिहार सरकार पर अवैध शराब पर रोक लगाने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा, ÷इससे पहले और भी ज़िलों में लगातार अवैध शराब से कई लोगों ने जान गंवाई है, जो बताता

है कि बिहार सरकार अवैध शराब के क़ारोबार को रोकने में कितनी विफ़ल है। बिहार में अवैध शराब के कारण लोगों के मारे जाने की घटनाओं का विवरण देते हुए उन्होंने कहा इससे पहले अप्रैल 2023 में मोतिहारी में ज़हरीली शराब के सेवन से 26 लोगों की मृत्यु हुई थी। दिसंबर 2022 में छपरा में 71 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोगों की आंख की रोशनी चली गई थी जबकि मार्च 2022 बांका में 12 लोगों की मृत्यु हुई। नवम्बर 2021 में गोपालगंज, बेतिया और मुजफ्फरपुर में ज़हरीली शराब पीने से 43 लोगों की मृत्यु हो गई थी।÷ श्री खरगे ने कहा कि ये घटनाएं तब हो रही हैं जब ÷साल 2017 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने कहा था कि 'मेरे ज़िंदा रहते बिहार में नहीं बिकेगी शराब', शराबबंदी तो लागू हो गई, पर अवैध शराब का ग़ैरकानूनी क़ारोबार क्यों चालू है। बिहार में मौकापरस्त डबल इंजन सरकार सैकड़ों लोगों की जान लेने के लिए ज़िम्मेदार है। श्री गांधी ने कहा,÷बिहार में ज़हरीली शराब पीने की वजह से कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोकाकुल परिजनों को मेरी गहरी संवेदनाएं। जो भी इन हादसों में बीमार हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। शराबबंदी होने के बावजूद बिहार निरंतर ऐसी घटनाओं से ग्रस्त है क्योंकि आपराधिक तत्व निर्भीक हो कर अवैध शराब का कारोबार चला रहे हैं। सरकार से अपेक्षा है कि वो ऐसी त्रासदियों और अपराधों की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाएं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में ही रह रही हैं : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत आने के बाद से यहीं रह रही हैं। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि शेख हसीना बहुत ही जल्दबाजी में अनुरोध कर भारत आई थीं और तभी से वह भारत में रह रही हैं। प्रवक्ता ने शेख हसीना के संबंध में इसके अतिरिक्त और कुछ नहीं कहा।उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के एक न्यायालय ने प्रधानमंत्री शेख हसीना और अन्य 45 के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने मानवता के विरुद्ध अपराध किए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की इस्लामाबाद की हालिया यात्रा में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट सहित किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्री की इस्लामाबाद यात्रा में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक से संबंधित वक्तव्य जारी किए हैं। वहां एससीओ के अतिरिक्त विदेश मंत्री की केवल मंगोलिया के साथ द्विपक्षीय बातचीत हुई है।

ऑडिटर-अधिकारियों के लारो में झूल रहे ठेकेदार एवं पेंशनर्स

संजय अरोड़ा

चंडीगढ़ निस चंडीगढ़ शहर वासी जहां दीपावली की खरीदारी में मगन होकर खुशियों को साझा कर रहे हैं , वही चंडीगढ़ नगर निगम के विकास में कई लाख रुपए लगाने के बावजूद, अपने बिलों को क्लियर करवाने के लिए ठेकेदार कई महीनों से चंडीगढ़ सेक्टर 11 ऑफिस के चक्कर पर चक्कर लगा रहे हैं। बेबस एवं लाचार ठेकेदारों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि उन्होंने कई लाख रुपए लगाकर , टेंडर की , एक लंबी प्रक्रिया से गुजरने के बाद, टेंडर की शर्तें एवं नियमों के अनुसार शहर का कार्य तो कर दिया , परंतु यही कार्य ठेकेदारों के लिए एक मुसीबत का सबब बन गया है, आज वे अपने ही पैसों के लिए अधिकारियों एवं ऑडिटरों के पीछे घूम रहे हैं, ठेकेदारों का कहना है कि उन्हें कभी चंडीगढ़ सेक्टर 17, कभी चंडीगढ़ सेक्टर 11 , तो कभी चंडीगढ़ सेक्टर 37, ऐसे ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सुबह शाम उन्हें दौड़ाया जा रहा है , लाखों करोड़ों रुपए में खेलने वाले ठेकेदार आज नगर निगम की ढोल मोल पॉलिसी की भेट चढ़े हुए, आज ठेकेदारों की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि वह आज खुलकर रो भी नहीं सकते, ठेकेदार अगर पेमेंट में विलंब होने का विरोध करने की सोचते भी हैं तो उन्हें भविष्य में निगम से काम न मिलने का भय सताता है, वैसे भी इस समय बेरोजगारी अपने चरम सीमा पर है, जिस कारण उन्हें मजबूरन सब कुछ सहन करना पड़ता है। कई कई महीनो से ठेकेदारों के पेंडिंग पड़े बिल क्लियर न होने के कारण आज ठेकेदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, एक तरफ तो ठेकेदारों पर उन व्यापारियों का दबाव बना हुआ है जिनसे उन्होंने कार्य करने के लिए उधार माल लिया था, दूसरा लेबर धैर्य रखने को तैयार नहीं, अब ठेकेदार अधिकारियों एवं ऑडिटरों के हाथ जोड़ जोड़कर गुहार लगा रहे हैं कि उनका बिल क्लियर कर दिया जाए, क्योंकि लेबर्स एवं व्यापारियों ने उनका जीना हराम कर दिया है। ठेकेदारों का कहना है कि ऐसी स्थिति में वह जाए तो जाए कहां जाए, अगर वह अधिकारियों के पास जाते है तो वह केवल इतना कहते हैं कि देखते हैं.... और मजबूर बेबस ठेकेदार खिसियानी बिल्ली की तरह अपने बाल नोच कर रह जाते हैं, निगम की कार्य प्रणाली से दुखी होकर कई ठेकेदारों ने तो ठेकेदारों से संन्यास लेने का मन तक बना लिया है , फिलहाल वह भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि एक बार उनका बिल जल्द से जल्द क्लियर हो जाए और जिससे उन्होंने काम करने के लिए मटेरियल उधार लिया है उनका कर्जा चुकता हो जाए। ऐसे में सोचने वाली बात यह है कि आखिरकार इन बेबस और लाचार ठेकेदारों की गलती क्या थी । वाताअनुकूल दफ्तरों में बैठे बाबू एवं ऑडिटर इन बेबस एवं लाचार ठेकेदारों का दर्द समझेंगे या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता, परंतु इतना अंदाजा अवश्य लगाया जा सकता कि निगम में ठेकेदारों की परेशानियां कम होने वाली नहीं है। ठेकेदारों ने दुख वक्त करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि चंडीगढ़ शहर का कोई वाली वारिस नहीं है, यहां पर कब कौन सा अधिकारी बदल जाए, कब नया कानून आ जाए कुछ नहीं कहा जा सकता, बार-बार अधिकारी के बदलने से इसका दुष्प्रभाव शहर के विकास कार्यों पर तो पड़ता ही है साथ में इसका खामियां ठेकेदारों को भी उठाना पड़ता है। समस्या यहीं समाप्त नहीं होती, ठेकेदारों के साथ-साथ पेंशनर्स भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। वे भी अपने बिल को क्लियर करवाने के लिए दफ्तर के दिनों दिन इधर से उधार चक्कर काट रहे हैं । सबसे बड़ी हैरानगी की बात यह है कि लोग निगम की कार्य शैली से बहुत दुखी है। वह अपनी समस्या का समाधान तो जल्द से जल्द चाहते हैं परंतु सामने कोई नहीं आना चाहता। उनका कहना है कि अगर वह सामने आकर विरोध करते हैं तो उनके काम में और भी विलंब हो सकता है, वह पहले से ही आर्थिक संकटों से जूझ रहे हैं ऐसे में उनकी परेशानी और भी बढ़ सकती है। इस संदर्भ में जब चंडीगढ़ सेक्टर 11 में ऑडिटर विजय से बातचीत की गई तो उन्होंने उपरोक्त समस्या से पल्ला झाड़ने हुए कहा कि वे पेंडेंसी क्लियर करने में जुटे हुए हैं। कार्य सिस्टम के अनुसार हो रहा है वैसे दूसरी तरफ अगर सही मायने में देखा जाए तो इन लोकल ऑडिटर्स की निगम को क्या आवश्यकता है, जबकि हर साल निगम का ऑडिट ए जी ऑफिस द्वारा किया जाता है। जब निगम के कार्यालयों का ऑडिट लोकल ऑडिट करता है तो ए जी ऑडिट की क्या आवश्यकता है। ये भी एक विचारणीय विषय है और इसका समाधान भी होना चाहिए, जिस से पहले से आर्थिक तंगी झेल रहे निगम का कुछ सुधार हो सके।

NAME CHANGE

I, SHAKTI SINGH SEHRAWAT S/O JOGIMDER SINGH R/O HOUSE NO.G-125, NEAR RADHA KRISHNA MANDIR, BESIDE CHOTI CHOUPAL, MAHIPALPUR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110037 have changed the name of my minor daughter DRISHTI aged 13 years and she shall hereafter be known as DRISHTI SEHRAWAT.

NAME CHANGE

I, D MAHANANDA mother of No. 6500010X Rank- SEP Name - DAHIPHALE MANESH TUKARAM R/o Village-KHADGAON, PO & TEH-GANGAKHED' DISTT-PARBHANI, MAHARASHTRA -431514 have changed my name from D MAHANANDA to DAHIPHALE MAHANANDA TUKARAM and my date of birth from 01/01/1964 to 01/01/1961 (in the service records of my son) for all future purposes. Vide affidavit dated 14.10.2024 public Notary Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, JC-442037W SUB MANOJ PRASAD YADAV R/o VILL-SHIVANAGARI, PO-GURUKUL MAHIYA, PS-MUPHASIL, DISTT-CHAPRA(SARAN), BIHAR-841301 have changed my Minor daughter's (SIMRAN KUMARI) date of birth from 30/01/2012 to 30/01/2014 for all future purposes vide Affidavit Dated 18/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD MUKIM S/O MOHAMMAD ISLAM residing at E-1820, J J COLONY, BAWANA, DELHI-110039 have changed my name to MUKIM all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHANTANU KUMAR SUMAN S/o RAMNARESH SINGH SUMAN R/o Flat No. 103, Plot No. 126, Jain Colony Part-III, Matiala, Delhi, Uttam Nagar, Delhi-110059, declare that name of my father has been wrongly written as SUMAN in my Aadhaar Card No. 8107 8373 0641 and PAN Card No. CFGPS9674K. And also name of my father has been wrongly written as SRI SUMAN in my CBSE 10th class educational documents. The actual name of my father is RAMNARESH SINGH SUMAN, which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

NAME CHANGE

I, D TUKARAM father of No. 6500010X, Rank- SEP Name DAHIPHALE MANESH TUKARAM R/o VILL - KHADGAON, PO & TEH- GANGAKHED, DTSTT _ PARBHANI, MAHARASHTRA-431514 have changed my name from D TUKARAM to DAHIPHALE TUKARAM YASHWANTRAO. And my date of birth from 01/12/1959 to 01/01/1953 (in the service records of my son) for all future purposes. Vide affidavit dated 14.10.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Shailee W/o Naresh R/o House No-157/8, Ward No-8, Near Laxmi Dharam Kanta, Rasulpur Chowk, Palwal, Haryana-121102, Have Changed My Name To Shailee Saini For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, SHANMUGAM Father of NO-17010170W, Rank-NK, Name-DHAMODHARAN S, residing at 13, KOLATHU MUTTU STREET, ALLIVARAM, KATTUPUTHUR, VELLORE, TAMIL NADU-632058 have changed my name from SHANMUGAM to SHANMUGAM MUNUSAMY for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/04/1960 instead of my correct date of birth as 22/04/1960 Vide Affidavit dated 18/10/2024 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

मैं धर्मेंद्र कुमार सोनी पुत्र स्व श्री जय प्रकाश नारायण सोनी पता हाउस न.- 23 ए, डी ब्लॉक, कुतुब विहार, फेस-1, नियर प्रधान चौक, नई दिल्ली-110071 ने अपने पुत्र और पुत्र बधू प्रीति सोनी पत्नी श्री रवि सोनी और रवि सोनी पुत्र श्री धर्मेंद्र कुमार सोनी को उनके अवज्ञाकारी एंव उद्दण्ड स्वभाव होने के कारण मैं और मेरा परिवार उनसे संबंध-विच्छेद कर, अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किसी भी कार्य के लिए मैं और मेरा पूरा परिवार किसी भी कार्य के लिए जवाबदेह, जिम्मेदार एंव उत्तरदायी नहीं होंगे। अगर वह किसी से कर्ज लेते हैं, या गैर कानूनी कार्य में लिप्त होती है तो उसका जिम्मेदार/ उत्तरदायित्व वह स्वयं होंगे।

NAME CHANGE

I, SUSHIL KUMAR YADAV S/O KEHARI SINGH YADAV R/O Salook Nagar, Barnahal,Mainpuri, Uttar Pradesh 205261 have changed my name to Sushil Kumar and father's name to KEHARI SINGH for all purposes

NAME CHANGE

I, NO-2894926H Rank-HAV Name-SARAGADA SREENU residing at VILL-CHIPPADA, PO-CHIPPADA, TEH-BHEEMUNI PATNAM, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531162 have changed my father's name from SARAGADA POTHI REDDY to SARAGADA POTHAYYA REDDY for all future purposes vide affidavit dated 18/10/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री ललित कुमार और श्रीमती विधि रानी स्वर्गीय श्री हरि राम अग्रवाल के कानूनी उत्तराधिकारी श्री अंकित कुमार (एचयूएफ) से फ्रीहोल्ड आवासीय डीडीए एमआईजी फ्लैट नंबर 399, तीसरी मंजिल, मेट्रो अपार्टमेंट, जहांगीर पुरी, नई दिल्ली -110033 में खरीद रहे हैं। और उसने उक्त संपत्ति दिनांक 11.04.2017 के कन्वेयेंस डीड के माध्यम से दस्तावेज़ संख्या 4305, पुस्तक संख्या I, खंड संख्या 6288, पृष्ठ संख्या 86-89, दिनांक 11.04.2017, एसआर-VII दिल्ली से खरीदी थी। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा रोहिणी दिल्ली द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I AJAY DUTTA S/O LATE PRABHAS CHANDRA DATTA R/O NOWATOLI, MOHESHRAM, BHAGALPUR, BIHAR, 813209 Have changed my name to AJAY KUMAR DATTA for All future purposes

NAME CHANGE

I, Naveen S/o Ashok Kumar R/o H.No-41, 3rd Floor, Gupta Colony, Palam Vihar, Cartarpuri Alias, Daulatpur Nasirabad (63), Farrukhnagar, Gurgaon, Haryana-122017, Have Changed My Name To Naveen Agarwal For All Future

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री अमेया इंगले पुत्र स्वर्गीय श्री प्रकाश इंगले दिल्ली के कोंडली घरोली मयूर विहार फेज-III में स्थित पॉकेट-ढ्ढ में 84.72 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले फ्रीहोल्ड आवासीय डीडीए एमआईजी जनता फ्लैट बेयरिंग नंबर 1-सी के दूसरे तल पर मालिक हैं। -110093. त्याग विलेख दिनांक 13.05.2019 के आधार पर पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 9240 में पृष्ठ संख्या 78-83 एसआर-आठवीं नई दिल्ली में दस्तावेज़ संख्या 3001 के रूप में नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री बृज किशोर शर्मा का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी और श्री प्रकाश इंगले पुत्र श्री प्रह्लाद आर इंगले के एसएमसी अब हमारे ग्राहक घोषणा कर रहे हैं कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती इंदिरा रावत के नाम से बिकने जा रही है और पीरामल द्वारा वित्त भी किया गया है। कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा कालकाजी, दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, RASHMI BATRA W/O TARUN BATRA residing at WARD NO-10, FEROZEPUR JHIRKA, MEWAT NUH, HARYANA-122104 have changed my minor son name from TANUSH to TANUSH BATRA all future purposes.

NAME CHANGE

I, KRISHNA VENI mother of NO-17010170W, Rank-NK, Name-DHAMODHARAN S, residing at 13, KOLATHU MUTTU STREET, ALLIVARAM, KATTUPUTHUR, VELLORE, TAMIL NADU-632058 have changed my name from KRISHNA VENI to KRISHNAVENI SHANMUGAM for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 Vide Affidavit dated 18/10/2024 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, KALAIYARASI V wife of NO-17010170W, Rank-NK, Name-DHAMODHARAN S, Presently residing at 45/13, SATHUPALAYA, MAIN ROAD, ALLIVARAM, KATTUPUTHUR, VELLORE, TAMIL NADU-632058 have changed my name from KALAIYARASI V to KALAIYARASI D for all future purposes vide Affidavit dated 18/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SUSHAMA VERMA wife of NO-17008365H, Rank-HMT, Name-HARISHANKAR CHAURASIYA, residing at VPO-NATWA JUNGLE, TEHSIL-SADAR, DISTT-MAHARAJGANJ, U.P-273306 have changed my name from SUSHAMA VERMA to SUSHMA VERMA for all future purposes vide Affidavit dated 18/10/2024 before Notary Public, Delhi

NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Sh. Rajeev Bhatia is the owner of Shop Bearing no. 02 area Measuring 14.625sq. mtrs. Situated in the Layout Plan of CSC at Madangir Opposite Khanpur Depot New Delhi . vide Conveyance deed dated 18.03.2005 executed by POI through DDA (Doc no. 20472) That Original (1) Allotment letter Dated 29.04.1988 executed by DDA in favour of Madhu Kant & Sh. Anita Sapra (2) Possession letter executed by DDA in favour of Madhu Kant & Sh. Anita Sapra (3) Original ATS executed by Sh. Anita Sapra on the First Part and Sh. Rajeev Bhatia on the Second Part (4) Original GPA, Will dated 09.08.1996 executed by Anita Sapra in favour of Rajeev Bhatia (5) Original Agreement to Sell executed by Madhu kant Sapra on the First Part and Rajeev Bhatia on the Second to sell his shares of property on his behalf in his name. Was lost on 20.06.2018 which has been duly reported to police as per FIR dated 04.07.2018 in Crime Branch Delhi with LR No. 1634005/2018. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for his bona fide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 18/10/2024

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE

I, Divayani/Divyani/Kanika/Kanika Devi W/o Rajiv Bansal R/o House No-1706 P, Sector-46, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Divyani Bansal For All Future Purpose

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती पिंकी और श्रीमती रेनू शर्मा, खसरा नंबर 1037 में से 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित भूखंड की मालिक हैं, जो महेंद्र एन्क्लेव, ग्राम रजापुर, परगना डासना, तहसील और जिला में स्थित है। गाजियाबाद यू.पी. सदाचार द्वारा, बिक्री विलेख दिनांक 03.01.2024 को एसआर-वी, गाजियाबाद के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत, दस्तावेज़ संख्या 93, खंड संख्या 10666, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ 57-86 पर, दिनांक 03.01.2024। और सेल डीड दिनांक 21.08.2023 को एसआर-I, गाजियाबाद के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत, दस्तावेज़ संख्या 8368, खंड संख्या 20213, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ 395-430, दिनांक 21.08.2023 पर। आज तक और अपना सेल डीड दिनांक 01.07.2020 को खो दिया है/गुम कर दिया है, जो एसआर- I, गाजियाबाद के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, डॉक नंबर 1642, वॉल्यूम नंबर 8238, बुक नंबर 1, पेज 273-316, दिनांक 01.07.2020 पर। इसे श्रीमती मानसी अग्रवाल पत्नी श्री राहुल अग्रवाल के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और दूसरी मंजिल बिना छत के अधिकार श्री बाबू राम के नाम बिकने जा रही है । आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड शाखा राजिंदर प्लेस दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

एचएयू में 24 कर्मचारियों की हुई पदोन्नति, कुलपति ने दी बधाई

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने 23 कर्मचारियों के क्लर्क से सहायक के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। इसी प्रकार एक कर्मचारी को सीनियर स्केल स्टेनोग्राफर बनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सभी पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पदोन्नत सूची में क्लर्क से सहायक बने कर्मचारियों में राकेश, शकुंतला, आनंद, पूजा, विक्रम पाल, सुभाष, मंजु बाला, कुलदीप, सुरेन्द्र सिंह, मंदीप, अंकुश, अनिल, विकास, बजरंग, शिक्षा देवी, मनीषा, अनिल, हनुमान सिंह, पिंकु कुमार, उदेश कुमार, अजय कुमार, सुमित व मनीष पूनिया शामिल हैं। साहिल नरूला को जूनियर स्केल स्टेनोग्राफर से सीनियर स्केल स्टेनोग्राफर के पद पर पदोन्नती मिली है। एचएयू प्रशासन के इस कदम की प्रत्येक गैर-शिक्षक कर्मचारी ने प्रशंसा की। पदोन्नत कर्मचारियों ने विश्वास दिलाया कि वे अपनी पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने नए पद के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि समयानुसार पदोन्नति होने से कर्मचारियों में खुशी की लहर है व उनके बचे सेवाकाल में इस पदोन्नति से उन्हें लाभ होगा।

गेहूं व सरसों सहित छह रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाना स्वागत योग्य : अशोक सैनी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने केन्द्र सरकार द्वारा गेहूं, सरसों सहित छह रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों के लिए राहत भरा बड़ा कदम उठाया है। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि जब से केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी है, तब से लगातार किसानों के हित में फैसले लिए जा रहे हैं। उन्होंने केन्द्र के फैसले का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य 150 रुपये बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसी तरह जौ के समर्थन मूल्य में 130 रुपये बढ़ाकर 1980 रुपये, चना का समर्थन मूल्य 250 रुपये बढ़ाकर 5650 रुपये, सरसों का समर्थन मूल्य 300 रुपये बढ़ाकर 5950 रुपये, मसूर का समर्थन मूल्य 275 रुपये बढ़ाकर 6700 रुपये व कुसुम का समर्थन मूल्य 140 रुपये बढ़ाकर 5940 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के इस फैसले से देशभर के किसानों को भारी आर्थिक लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि इस फैसले के बाद किसानों का जीवन और आसान होगा। किसानों वर्ग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार बड़े फैसले लेने में लगे हैं।

बंदरों से भरी पिकअप गाड़ी पकड़ी

जींद। जींद के बीड़ बड़ा वन में नगर परिषद के अधिकारियों ने बंदरों से भरी पिकअप गाड़ी को पकड़ा है। इसमें बंदरों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। भिवानी जिले के दो लोग इन बंदरों को बीड़ बड़ा वन में छोड़ने की फिराक में थे। जींद सदर थाना पुलिस ने दोनों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि जींद शहर में पहले से ही बंदरों का आतंक है और यहां से बंदरों को पकड़कर नगर परिषद द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कलेसर के जंगलों में भेजा जाता है। पुलिस को दी शिकायत में दनौदा कलां निवासी अनिल नैन ने बताया कि वह नगर परिषद में चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर के तौर पर कार्यरत है। बुधवार शाम को उसे सूचना मिली कि जींद शहर में बीड़ के पास एक पिकअप गाड़ी में काफी संख्या में बंदर भरे हुए थे और इन बंदरों को बीड़ में छोड़ने के लिए गाड़ी को खड़ा किया गया था। सूचना मिलने के बाद वह सफाई कर्मियों सुपरवाइजर के साथ मौके पर पहुंचा तो चालक उन्हें देखकर भिवानी रोड की तरफ फरार हो गया। उसका पीछा कर ईक्कस पुल के पास गाड़ी को पकड़ लिया। चालक से पूछताछ में उसकी पहचान भिवानी जिले के गांव धनाना निवासी राजेश पुत्र वजीर के रूप में हुई। उसके साथ कृष्ण पुत्र होशियार सिंह भी था।

शिक्षक से न्यायाधीश की जिम्मेदारी निभाएंगी नीतू खोखर

सोनीपत। इनेलो नेता प्रीतम खोखर की पुत्रवधु नीतू खोखर ने एचसीएच (हरियाणा सिविल सर्विस) ज्यूडिशियल ब्रांच में चयनित हुई है। नीतू पेशे से शिक्षक हैं और वर्तमान में कुंडली के राजकीय विद्यालय में अर्थशास्त्र की शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। अब उनके चयन के बाद वे ज्यूडिशियल सेवा में न्यायाधीश के रूप मेंनई जिम्मेदारी निभाएंगी। नीतू के चयन की खबर मिलते ही परिवार और समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। बधाई देने वालों का उनके घर पर तांता लग गया है।

नीतू ने इस अवसर पर कहा मेरी प्राथमिकता समाज के वंचित और कमजोर वर्ग को न्याय दिलाना रहेगा। प्रीतम खोखर ने भी अपनी पुत्रवधु की इस उपलब्धि पर कहा कि नीतू ने पूरे परिवार, थाना कलां गांव के साथ ही पूरे खरखौदा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नीतू का यह सफर मेहनत, समर्पण और संघर्ष का प्रतीक है, जिससे उन्होंने शिक्षक से न्यायाधीश तक की यात्रा पूरी की है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ आंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा में बहुत ताकत है, जिसके बूते पर कामयाबी मिलती है। आज उनकी पुत्रवधू ने शिक्षा के बल पर ही यह कामयाबी हासिल की है।

बैठक में अधिकारियों की गैरमौजूदगी से नाराज हुए अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। भाजपा शासित हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज अपने विधानसभा क्षेत्र अंबाला कैंट पहुंचे। यहां पर मीटिंग के दौरान कई अधिकारियों के अनुपस्थिति पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की।

दरअसल, हरियाणा सरकार कैबिनेट मंत्री अंबाला कैंट पहुंचे, जहां पर पार्टी कार्यकर्ता और उनके समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां पर अनिल विज को अधिकारियों के साथ एक मीटिंग थी, लेकिन इस मीटिंग में एडीसी और एसडीएम के अलावा कुछ ही अधिकारी मौके पर मौजूद थे, जिस पर भाजपा नेता गुस्सा हो गए। अनिल विज ने अधिकारियों से इसका जवाब मांगा है। पत्रकारों से बात करते हुए अनिल विज ने कहा कि बैठक में नहीं शामिल होने के लिए अधिकारियों से जवाब मांगा गया है, अगर इसमें किसी तरह की लापरवाही मिली, तो कार्रवाई भी होगी। अनिल विज ने आगे कहा कि

वो चाहते थे कि अधिकारी बैठक में मौजूद रहे, ताकि काम की बात हो सके। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन को मिलकर विकास का पहिया चलाना है। बता दें कि हरियाणा में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बन गई है। नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी बार शपथ ली। वहीं, अनिल विज ने मंत्री पद की शपथ ली है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनके अलावा अलावा भाजपा विधायक कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

पंचकूला के सेक्टर 5 स्थित दशहरा मैदान में हुए शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और अन्य सीएम, डिप्टी सीएम, केंद्रीय मंत्री और एनडीए के तमाम नेता मौजूद रहे। हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव हुए थे। इसमें भाजपा ने 90 में से 48 सीटों पर जीत हासिल की थी, वहीं कांग्रेस ने 37 सीट पर जीत दर्ज की थी।

26 साल की उम्र में गृह राज्य मंत्री बनने का रिकॉर्ड राव नरबीर सिंह के नाम

एजेंसी

गुरुग्राम। अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार किसी विधानसभा से दोबारा चुनाव लडक़र हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बने विधायक राव नरबीर सिंह के नाम सबसे कम उम्र में गृह राज्य मंत्री बनने का रिकॉर्ड है। वर्ष 1987 में उन्होंने रेवाड़ी जिला की जाटूसाना सीट से अपना पहला चुनाव लड़ा और जीता था। इस दौरान वे मात्र 26 साल की उम्र में गृह राज्य मंत्री बने थे। राव नरबीर सिंह का राजनीतिक सफर सरपंच बनने से शुरू हुआ था। वर्ष 1983 में वे गैरतपुर बास गांव के सरपंच बने थे। इसके चार साल बाद वर्ष 1987 में वे रेवाड़ी जिला की जाटूसाना विधानसभा से पहली बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे थे। 2 अप्रैल 1961 को गुडग़ांव में जन्में राव नरबीर सिंह की पृष्ठभूमि राजनीतिक है। उनके दादा राव मोहर सिंह यादव वर्ष 1942 में पंजाब राज्य में एमएलसी थे। उनके पिता राव महावीर सिंह यादव हरियाणा में कैबिनेट मंत्री थे। राव नरबीर सिंह के राजनीतिक सफर की बात करें तो उन्होंने वर्ष 1987 में रेवाड़ी जिला की जाटूसाना विधानसभा सीट से पहला विधानसभा का चुनाव लड़ा था। अपने पहले चुनाव में ही ना केवल जीत दर्ज की, बल्कि गृह राज्य मंत्री भी बन गए। वर्ष 1996 में 9वीं विधानसभा के लिए उन्होंने चौधरी बंसीलाल की हरियाणा विकास पार्टी की टिकट पर गुडग़ांव जिला की सोहना विधानसभा से चुनाव लड़ा। यहां से उन्होंने जीत दर्ज की। इस बार वे जीत दर्ज करके हरियाणा सरकार में परिवहन, खाद्य एवं आपूर्ति और सहकारिता मंत्री बनें। वर्ष 1996 में खेल, मुद्रण और स्टेशनरी विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार राव नरबीर सिंह के पास रहा। राव नरबीर सिंह ने वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में जीत दर्ज की। उन्हें सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री बनाया गया। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने उनकी टिकट काट दी।

केमिकल फैक्टरी में लगी आग, अन्य दो फैक्टरियां भी आई चपेट में

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ स्थित एक केमिकल फैक्टरी में भीषण आग लग गई है। इस आग ने आसपास की दो अन्य फैक्टरियों को भी चपेट में ले लिया है। बहादुरगढ़ के अलावा रोहतक, झज्जर व दिल्ली से भी दमकल गाड़ियां आग पर काबू करने में लगी हैं। बुलानी पड़ी। हादसे में करोड़ों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। बताया गया कि बहादुरगढ़ के एचएसआईआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर 16 स्थित प्लॉट नंबर 152 में एक फैक्टरी में कई प्रकार के केमिकल बनते हैं। गुरुवार दोपहर को फैक्टरी परिसर में अचानक आग लग गई। अतिशीघ्र ज्वलनशील केमिकल की वजह से कुछ ही मिनट में आग ने विकराल रूप ले लिया। तेजी से बढ़ती आग ने साथ वाली अन्य दो और फैक्टरियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग के फैलते ही आसपास की फैक्टरियों के कामगारों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और काफी सामान निकाल कर दूसरे स्थान पर पहुंचाया गया। फैक्टरी में आग बुझाने के लिए रेत और फॉम

का इस्तेमाल भी किया गया, लेकिन अधिक कारगर नहीं हुआ। इस आग में फैक्टरी परिसर में खड़े कई वाहन भी जल गए। बहादुरगढ़ फुटवियर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र छिकारा ने बताया कि आग केमिकल फैक्टरी से शुरू हुई और कुछ ही देर में साथ वाली एक फुटवियर फैक्टरी और एक डब्बा बनाने की फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए बहादुरगढ़ के अलावा रोहतक, झज्जर व दिल्ली से भी दमकल गाड़ियां मौके पर बुलानी पड़ी। घटना में तीनों फैक्ट्रियों में करोड़ों का नुकसान होने का अनुमान है।

छह बार के पूर्व विधायक अजययादव ने छोड़ी कांग्रेस

एजेंसी

चंडीगढ़। पिछले कई दशकों से हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव ने गुरुवार की शाम कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। छह बार रेवाड़ी से विधायक रह चुके अजय सिंह यादव दक्षिण हरियाणा में कांग्रेस का बड़ा चेहरा रहे हैं। अजय राजद नेता लालू प्रसाद यादव के समधी हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी हाईकमान तथा हरियाणा की लीडरशिप की अनदेखी किए जाने को लेकर वह आहत चल रहे थे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े को भेजे अपने इस्तीफा की जानकारी अजय यादव ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। उनके बेटे एवं पूर्व विधायक चिरंजीव राव ने इसे पिता का व्यक्तिगत फैसला बताते हुए पार्टी में जीवनभर बने रहने की बात कही है। अजय यादव सोनिया गांधी, राजीव गांधी के साथ भी काम कर चुके हैं। अजय राहुल गांधी की कार्यप्रणाली, चुनाव के दौरान हरियाणा कांग्रेस कार्यालय में केंद्रीय कंट्रोल रूम नहीं बनाए जाने तथा उनके हलके में घोषणा के बावजूद हुड्डा के दबाव में राहुल गांधी के नहीं जाने के कारण आहत चल रहे थे। इस संबंध में उन्होंने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में भी आरोप लगाए थे।

माना जा रहा है कि अहीरवाल में राव इंद्रजीत सिंह के बाद सबसे कद्दावर नेता रह चुके कैप्टन अजय सिंह यादव की भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ पटरी नहीं बैठ पा रही थी। उनके हुड्डा के साथ मतभेद वर्ष 2011 में ही उस समय शुरू हो गए थे, जब मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए हुड्डा ने उनसे वित्त विभाग वापस ले लिया था। इसके बाद कई बार कैप्टन हुड्डा की आलोचना करते नजर आए, तो कई बार सराहना करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। कैप्टन रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र से लगातार छह बार विधायक बने थे। लोकसभा चुनाव से पहले उनकी हुड्डा से तल्खियां बढ़ गई थीं। वह गुरुग्राम लोकसभा सीट से चुनाव लडऩा चाहते थे, परंतु हुड्डा ने अपने प्रभाव से उनकी टिकट का रास्ता रोक दिया था। ओबीसी सेल का राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के बावजूद कांग्रेस में उन्हें सम्मान नहीं मिल रहा था। विधानसभा चुनाव में पार्टी के पोस्टरों में भी कैप्टन के फोटो तक नहीं लगाए गए थे, जिस पर कैप्टन ने बाद में खुलकर आपत्ति दर्ज कराई थी। कैप्टन के बेटे चिरंजीव राव के चुनाव प्रचार में कांग्रेस की ओर से पार्टी के स्टार प्रचारकों को रेवाड़ी नहीं भेजा गया था।

हरियाणा के दस जिलों से नहीं बना कोई मंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नवगठित नायब सैनी सरकार में प्रदेश के दक्षिणी हिस्से के विधायकों को सबसे अधिक प्रतिनिधित्व मिला है। राव इंद्रजीत सिर्फ अपनी बेटी आरती राव को मंत्री बनवाने में कामयाब रहे हैं। वहीं राज्य के दस जिलों के प्रतिनिधियों को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में राव और गुर्जर की पसंद के जितने भी उम्मीदवारों को टिकट दिए थे, अधिकतर चुनाव जीते हैं लेकिन माना जा रहा है कि मंत्री बनाने में मुख्यमंत्री सैनी ने अपनी स्वयं की पसंद-नापसंद का ख्याल रखा। नायब मंत्रिमंडल में दक्षिण हरियाणा से सबसे अधिक छह मंत्री शामिल किए गए हैं, जबकि उत्तर हरियाणा से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत कुल पांच मंत्रियों ने शपथ ली है। सबसे कम तीन मंत्री मध्य हरियाणा से बने हैं। लोकसभावार मंत्रियों के प्रतिनिधित्व का आकलन किया जाए तो रोहतक को छोड़कर बाकी सभी नौ संसदीय क्षेत्रों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिला है, जबकि प्रदेश के 22 जिलों में 10 जिले ऐसे हैं, जिनको मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। इन 10 जिलों में नूंह, सिरसा, फतेहाबाद, रोहतक और झज्जर ऐसे जिले हैं, जहां विधानसभा चुनाव में भाजपा का खाता ही नहीं खुल पाया। पंचकूला के कालका से भाजपा की शक्ति रानी शर्मा, कैथल के पूंडरी से भाजपा के सतपाल जांबा विधायक बने हैं। करनाल की पांचों सीटों पर भाजपा विधायक चुनाव जीते हैं, लेकिन यहां से एक भी मंत्री नहीं बना है। पहली बार भाजपा ने दादरी जिलों की दोनों सीटों दादरी व बाढ़डा में जीत हासिल की लेकिन यह जिला भी मंत्री पद से वंचित रह गया है। रेवाड़ी जिले की तीनों सीटों पर इस बार कमल का फूल खिला है, लेकिन किसी भी विधायक को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है।

सैनी सरकार पांच साल जनता के हित में करेगी काम, विकास हमारी प्राथमिकता : डॉ. कृष्ण कुमार

एजेंसी

पंचकूला। नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी बार शपथ ली। उन्हें राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

हरियाणा में नई सरकार के गठन को लेकर रेवाड़ी जिले के बावल विधानसभा से भाजपा विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि हमारी सरकार पूरे पांच साल तक जनता के हित में काम करेगी।

उन्होंने कहा कि शपथ के बाद प्रदेश में नई सरकार का गठन हो चुका है। इसमें मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी ने 13 मंत्रियों के साथ शपथ ली है। नई सरकार पूरे पांच साल तक अच्छे तरीके से काम करेगी और प्रदेश का चहुंमुखी विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार कभी भी आरोप प्रत्यारोप से घबराएगी नहीं और निडर होकर और

ईमानदारी से जनता के हित में काम करेगी। नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र की लाडवा सीट से कांग्रेस के मेवा सिंह को मात देकर चुनाव जीता है। नायब सिंह सैनी के अलावा अनिल विज ने मंत्री पद की शपथ ली है। अनिल विज अंबाला कैंट से विधायक हैं।

इसके अलावा भाजपा विधायक कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल ने भी मंत्री पद की शपथ ली। सोनीपत सीट की गोहाना सीट से विधायक अरविंद कुमार शर्मा को भी नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। भाजपा विधायक श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण कुमार बेदी, श्रुति चौधरी और आरती सिंह राव ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

पंचकूला के सेक्टर 5 स्थित दशहरा मैदान में हुए नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और अन्य सीएम, डिप्टी सीएम, केंद्रीय मंत्री और एनडीए के तमाम नेता मौजूद हैं।

अग्रोहा धाम टीले की खुदाई का काम जल्दी शुरू करवाने के प्रयास होंगे : सुभाष चंद्रा

एजेंसी

अग्रोहा। अग्रोहा धाम में शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर शक्ति सरोवर स्नान, भव्य भजन संध्या, छप्पन भोग, सवामणि व भंडारे का कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एक्सल ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर सुभाष चंद्रा ने भाग लिया और मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर डॉक्टर सुभाष चंद्रा ने कहा कि समाज के सहयोग से अग्रोहा धाम में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं हमारी यही कोशिश है कि जल्दी अग्रोहा धाम टीलें की खुदाई का काम शुरू हो जिसके लिए हम लगातार सरकार के संपर्क में हैं। जबकि अग्रोहा धाम के वार्षिक सम्मेलन में सरकार के केंद्रीय मंत्रियों द्वारा अग्रोहा धाम टीलें की खुदाई करने की घोषणा की थी और अग्रोहा को रेलवे लाइन से जोड़ने की भी घोषणा की थी। अग्रोहा को रेलवे लाइन से जोड़ने व टीलें की खुदाई होने से अग्रोहा में तेजी से विकास कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि अग्रोहा के विकास के लिए किसी प्रकार की धन की कमी नहीं आने दी जाएंगी।

इस अवसर पर अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा धाम में करोड़ों रुपए की लागत से निर्माण कार्य व सौंदर्यकरण हो रहा है।

अग्रोहा धाम में ठहरने, खाने के साथ-साथ यात्रियों के लिए हर प्रकार की व्यवस्था की गई है। गर्ग ने कहा कि आज अग्रोहा धाम में प्रातः 6:00 बजे से ही हजारों भक्तों ने शक्ति सरोवर में स्नान करके पूजा-अर्चना की है। अग्रोहा धाम देश का पांचवा धाम है जिसके साथ देशवासियों की आस्था जुडी हुई है। आज का छप्पन भोग संजय बंसल के परिवार द्वारा लगाया गया है।

इस अवसर पर भजन कलाकार मोहन तनेजा आदि कलाकारों ने भजनों की बौछार करके भक्तों का मन मोह लिया। इस अवसर पर प्रकाश चंद्र अग्रवाल मध्य प्रदेश, गौशाला प्रधान राजेंद्र केडिया, भट्टू प्रधान ब्रह्मानंद गोयल, जिला प्रधान एनके गोयल, पंजाब प्रधान रतन मित्तल, अग्रोहा ब्लॉक प्रधान ईश्वर गोयल, शहरी प्रधान अनिल गोयल, राष्ट्रीय महासचिव चूड़ियां राम गोयल, राष्ट्रीय युवा संयोजक अनंत अग्रवाल, फतेहाबाद जिला प्रधान सुरेंद्र मित्तल आदि प्रतिनिधि भारी संख्या में मौजूद थे।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने घोषित किया ग्रुप सी व डी का परीक्षा परिणाम, 24800 युवाओं को मिली नौकरी

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश के युवाओं के साथ किया अपना वादा आज पूरा कर दिया। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ही हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप सी व डी की नौकरियों भर्ती परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। इन परिणामों में 24 हजार 800 युवाओं को नौकरी दी गई है। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नायब सिंह ने कहा था कि जनता से किए सभी वादों को निभाएंगे। नायब सैनी के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ समय बाद ही हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप-सी और डी की भर्ती परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया है। नतीजे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए गए हैं। भर्ती परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन नंबर और रोल नंबर की मदद से अपने नतीजे चेक कर सकते हैं। विभिन्न विभागों में कुल 24,800 पदों पर भर्तियों के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि कुछ बच्चों के रिजल्ट कमीशन की तरफ से तैयार हो चुके थे। जैसे ही कमीशन उन्हें जारी करने लगा तभी विपक्षी दल चुनाव आयोग के पास पहुंच गए। मामला हाई कोर्ट में चला गया और उस पर रोक लग गई। सैनी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान ऐलान किया था कि सबसे पहले उन बच्चों को जॉइनिंग लेटर देंगे। आज भाजपा ने युवाओं के साथ किए गए वादे को पूरा कर दिया है।

नरवाना की समस्याओं का जल्द होगा समाधानः मंत्री कृष्ण बेदी

एजेंसी

जींद। नरवाना के विधायक कृष्ण बेदी के बतौर राज्य मंत्री मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मंत्रिमंडल में शामिल किये जाने पर पूरे इलाके के लोगों ने हर्ष जताया। कृष्ण बेदी 20 साल से भाजपा से जुड़े हैं और दूसरी बार भाजपा सरकार में मंत्री बने हैं। इससे पहले वे मनोहर लाल की सरकार में भी मंत्री थे। 57 वर्षीय कृष्ण बेदी ने 1992 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से भूगोल में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री ली थी। बेदी पिछले 20 वर्ष से अधिक समय से भाजपा से जुड़े हुए हैं और उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से पार्टी में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। वर्ष 2014 में कुरुक्षेत्र के शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने जाने के बाद उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। हालांकि 2019 के विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था लेकिन पार्टी ने उनके राजनीतिक कौशल को देखते हुए उन्हें लगातार महत्वपूर्ण भूमिकाएं सौंपी है। बेदी पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के करीबियों में

से एक हैं। वर्ष 2024 में भी वह शाहबाद विधानसभा से भाजपा से टिकट मांग रहे थे लेकिन इस बार भाजपा ने उनको नरवाना विधानसभा से अपना प्रत्याशी बनाया और यहां पर उन्होंने जीत हासिल की। कृष्ण बेदी भाजपा के प्रदेश महामंत्री भी रह चुके हैं। इसके साथ ही वह पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के राजनीतिक सलाहकार का दायित्व भी निभा चुके हैं। वर्ष 2014 की तरह ही 2024 में भी उनको विधायक बनने के बाद मंत्री पद दिया गया है। वो एससी समाज के भाजपा के बड़े नेताओं में शामिल हैं और पहले भी वह मंत्री रह चुके हैं। कृष्ण कुमार बेदी पिछले 20 वर्ष से भाजपा से जुड़े हुए हैं। अब भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्ण कुमार बेदी को नायब सैनी सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले वे मनोहर लाल सरकार में भी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। मंत्रिपद की शपथ लेने के बाद राज्यमंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि नरवाना का विकास ही उनका मूल उद्देश्य है। जो मूलभूत समस्याएं नरवाना झेल रहा है, उनका जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। विकास कार्य भी ज्यादा से ज्यादा करवाया जाएगा। जिससे नरवाना ने जो सूखा 15 साल तक झेलना पड़ा है, उसको नरवाना हलका निवासी भूल जाएंगे। बेदी ने कहा कि जिस तरह से मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दो माह में ही प्रदेश की जनता के लिए अनेक फैसले लिए हैं, अब उन्हें आगे बढ़ाते हुए प्रदेश की जनता की भलाई के लिए काम किया जाएगा।

इमरजेंसी के दौर में श्याम सिंह राणा राजनीति में आए

एजेंसी

यमुनानगर। श्याम सिंह राणा रादौर विधान सभा से हाल ही मे (2024) मे बीजेपी के विधायक निर्वाचित हुए और उन्हें नायब सरकार में राज्यमंत्री बनाया गया है।श्याम सिंह राणा गांव चनालहेडी जिला कुरुक्षेत्र के मूल निवासी एवं एक बड़े राजपूत जमींदार हैं। इनका राजनैतिक सफर इमरजेंसी के दौरान वर्ष 1975 में शुरू हुआ जब कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर के मार्ग दर्शन में जनता पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान जनता पार्टी ने उन्हें पेहवा का मंडल अध्यक्ष, कुरुक्षेत्र का जिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय सचिव व पंजाब, हिमाचल व जम्मू काश्मीर का प्रभारी बनने का गौरव प्राप्त हुआ। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर व पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के नेतृत्व में जनता दल का गठन हुआ। जिसमें उन्हें अहम पदों पर कार्य करने का मौका मिला। बाद में जनता दल दो फाड़ हो गये और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर द्वारा अपनी अलग समाजवादी पार्टी बना ली। जिसमें श्याम सिंह राणा ने चंद्रशेखर के साथ मिलकर मई 2007 तक काम किया। वर्ष 1991 में कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से जनता पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ा और 1,82,758 मत प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। सिर्फ 30 हजार के मामूली अन्तर से हार गए। 1996 में करनाल लोकसभा का चुनाव लड़ा 1,26,606 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे।बाद में जनता दल दो फाड़ हो गया और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर द्वारा अपनी अलग समाजवादी पार्टी बना ली। 1998 में एक बार फिर कुरुक्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन कामयाबी नही मिली। लेकिन हिम्मत नही हारी और स्व. चंद्रशेखर के साथ मिलकर मई 2007 तक जनता के बीच रहकर काम किया। जून 2007 में समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। वर्ष 2009 से 2014 तक लगातार छह वर्ष तक भाजपा के यमुनानगर के जिला अध्यक्ष रहे। भाजपा में इन्हें प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य होने का भी गौरव मिला। वर्ष 2009 में भाजपा ने उन्हें रादौर विधानसभा का टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा। मगर उस समय रादौर में पार्टी का संगठन कमजोर होने की वजह से उन्हें कुल 13 हजार 750 वोट मिलें और वह चुनाव हार गए। मगर संघर्ष जारी रखा और रादौर में संगठन को मजबूत किया। भाजपा ने उन्हें दूसरी बार रादौर वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में चुनाव मैदान में उतारा। इस चुनाव में श्याम सिंह राणा को 66 हजार 700 मत प्राप्त कर विधायक निर्वाचित हुई । बाद में उन्हें हरियाणा सरकार के मुख्य संसदीय सचिव के पद पर आसीन किया गया।

भारत की मदद से मॉरीशस में बदलेगी पाइपलाइन, पहली बार किसी देश को रुपये में ऋण सहायता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने जल पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना के वित्तपोषण के लिए मॉरीशस सरकार को 487.60 करोड़ रुपये की नई ऋण सहायता प्रदान की है। इस परियोजना में मॉरीशस में लगभग 100 किलोमीटर पुरानी जल पाइपलाइन को बदलने का प्रावधान है। यह भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना (आईडीईएएस) के तहत किसी भी देश को परियोजना वित्तपोषण के लिए भारत द्वारा दी गई पहली ? मूल्यवर्ग की ऋण सहायता है।भारत सरकार द्वारा समर्थित ऋण सहायता का वित्तपोषण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रियायती शर्तों पर किया जाएगा। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपने मॉरीशस समकक्ष मनीष गोबिन को औपचारिक प्रस्ताव दिया, जिसे अब मॉरीशस सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

फेबी डॉट एआई ने जुटाए 20 लाख डॉलर

नयी दिल्ली। फ़ेबी डॉट एआई ने अपनी प्री-सीरीज़ ए फंडिंग राउंड में 20 लाख डॉलर जुटाने की घोषणा की है। फेबी डॉट एआई को 2022 में चार्टर्ड अकाउंटेंट और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों की टीम के द्वारा बनाया गया था । अपनी एआई क्षमताओं के माध्यम से, यह मैन्युअल डेटा प्रविष्टि और लेखांकन करते समय मैन्युअल त्रुटियों को समाप्त करता है, और चालान का सत्यापन करता है, दस्तावेज़ीकरण प्रबंधन को स्वचालित करता है, कर अनुपालन को स्वचालित करता है और संस्थापकों और उद्यमियों को उच्च आत्मविश्वास के साथ अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने के लिए वास्तविक समय की व्यावसायिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। फेबी डॉट एआई के सीईओ अमित जिंदल ने आज यहां यह घोषणा करते हुए कहा यह चार्टर्ड अकाउंटेंट समुदाय द्वारा बनाया गया है और यह उद्यमियों और सीए समुदाय को लेखांकन और कर अनुपालन कार्यों को प्रबंधित करने के लिए वास्तविक समय की अंतर्दृष्टि और प्रभावी तरीकों से सशक्त बनाएगा।

सीतारमण पहुंची मैक्सिको

मैक्सिको सिटी । केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण का आज मैक्सिको की पहली आधिकारिक यात्रा पर ग्वाडलजारा हवाई अड्डे पर पहुंची जहां मैक्सिको में भारत के राजदूत पंकज शर्मा ने उनका स्वागत किया। इससे पहले मैक्सिको में भारत की उप-प्रमुख दीप्ति गंजी ने मैक्सिको सिटी के इंटरनेशनल बेनिटो जुआरेज़ हवाई अड्डे पर पहुंचने पर केंद्रीय वित्त मंत्री का स्वागत किया। यात्रा के दौरान श्रीमती सीतामरण ग्वाडलजारा और मैक्सिको सिटी में विभिन्न क्षेत्रों के राजनीतिक और व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करेंगी, जिसका उद्देश्य व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और डीआईपी में आगे सहयोग की संभावनाओं को तलाशना है, जिससे भारत-मेक्सिको के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके।

सेबी ने लिक्विडिटी विंडो फैसिलिटी शुरू करने का ऐलान किया, 1 नवंबर से शुरू होगी सुविधा

नई दिल्ली।मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने स्टॉक एक्सचेंज मेकैनिज्म के जरिए डेट सिक्योरिटीज में लिक्विडिटी विंडो फैसिलिटी शुरू करने का ऐलान किया है। लिक्विडिटी विंडो फैसिलिटी 1 नवंबर से शुरू हो जाएगी। इसकी शुरुआत होने से लिस्टेड डेट सिक्योरिटीज रखने वाले इन्वेस्टर्स पहले से तय तारीखों पर पुट ऑप्शन का इस्तेमाल करके इन सिक्योरिटीज को वापस बेच सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि इससे लिक्विडिटी सुनिश्चित होगी और ये विशेष रूप से खुदरा निवेशकों (रिटेल इन्वेस्टर्स) के लिए काफी मददगार साबित होगी। इसके साथ ही डेट सिक्योरिटीज में खुदरा निवेशकों का निवेश बढ़ाने में भी मददगार होगी।

सेबी की जांच में ये बात सामने आई थी कि कई इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कॉर्पोरेट बॉन्ड्स को उनकी मैच्योरिटी तक बचाए रखते हैं, जिसके कारण उनमें ट्रेडिंग एक्टिविटी काफी कम होती है। यही वजह है कि इन बॉन्ड्स को इलिक्विड भी माना जाता है। ऐसी स्थिति में इनकी लिक्विडिटी को सुधारने के लिए इसमें छोटे और खुदरा निवेशकों का पार्टिसिपेशन बढ़ाना आवश्यक समझ गया। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एक स्पेशल फ्रेमवर्क तैयार किया है, जिसके तहत लिक्विडिटी विंडो फैसिलिटी दी जा सकेगी।

न्यूजीलैंड ने हरित व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत से किया करार

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने हरित व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ समझौता किया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ग्रीन प्रो और इको चॉइस न्यूजीलैंड ने यह साझेदारी बुधवार को नई दिल्ली के ली मेरिडियन में आयोजित सातवें वार्षिक ग्रीनप्रो शिखर सम्मेलन में की। इस बीच सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। सीआईआई के इस सम्मेलन में सिंगापुर और जर्मनी सहित कई देशों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। कार्यक्रम में बताया कि साल 2015 से अब तक ग्रीन प्रो ने करीब 480 निर्माता कंपनियों से भी ज्यादा के 9500 से अधिक उत्पादों को प्रमाणित किया है।

सीआईआई सोहराबजी गोदरेज ग्रीन बिजनेस सेंटर के अध्यक्ष जमशेद एन. गोदरेज ने उद्घाटन सत्र में कहा, हमें भारत में हरित आंदोलन की तीव्र प्रगति को देखकर गर्व है। इस प्रगति में अब तक 12 अरब वर्गफुट से अधिक रेटेड हरित इमारतें हैं और ग्रीनप्रो जैसी इको-लेबलिंग को अपनाने का सिलसिला काफी तेजी से बढ़ भी रहा है। यह एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए उद्योग, सरकार और समुदायों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हालांकि इन प्रयासों को बढ़ाने के साथ-साथ हरित प्रथाओं को आदर्श बनाने की एक चुनौती भी बनी हुई है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि नेट-शून्य की दिशा में हमारी प्रगति को तेज करने और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने में यह सहयोग महत्वपूर्ण होगा। ÷नेट जीरो, कम कार्बन सामग्री और प्रौद्योगिकियों की ओर आगे बढ़ने÷ पर केंद्रित इस सम्मेलन में इको-लेबल वाले उत्पादों, सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जो प्रदर्शन-परीक्षण और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ हैं। उद्घाटन सत्र में सीआईआई सोहराबजी गोदरेज ग्रीन बिजनेस सेंटर के अध्यक्ष जमशेद एन. गोदरेज के अलावा हरित उत्पाद और सेवा परिषद के अध्यक्ष उन्नीकृष्णन, सिंगापुर पर्यावरण परिषद की अध्यक्ष इसाबेला हुआंग-लोह और जर्मनी के संघीय पर्यावरण मंत्रालय के सतत, उपभोक्ता संरक्षण प्रभाग के प्रमुख डॉ. उल्फ डी जैकेल मौजूद रहे।

सम्मेलन में सीआईआई ने बताया कि इस वर्ष के फोकस क्षेत्रों में सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना शामिल है जो आर्थिक लचीलेपन व नवाचार को बढ़ावा देते हुए वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहुत जरूरी है। इस सम्मेलन में ग्रीन प्रोक्योरमेंट - नीतियों और वकालत पर भी ध्यान केंद्रित किया जो स्थिरता को बढ़ावा देने के साथ साथ पर्यावरण की रक्षा करने और आर्थिक व सामाजिक लाभ दोनों को चलाने में मदद करता है। सार्वजनिक खरीद हरित उत्पादों, सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों की मांग पैदा करके कम कार्बन अर्थव्यवस्था में संक्रमण को तेज कर सकती है। इस बीच हरित उत्पाद और सेवा परिषद के अध्यक्ष उन्नीकृष्णन ने कहा, ग्रीनप्रो समिट 2024 एक ऐसा मंच है, जहां टिकाऊ प्रथाओं में अंतर्दृष्टि साझा की जाती है, जो ज्यादा से ज्यादा कंपनियों को हरित आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है। 450 से अधिक कंपनियां पहले से ही ग्रीनप्रो इकोलेबल को अपना रही हैं। यह शिखर सम्मेलन नवाचार को बढ़ावा देने के साथ साथ उसे प्रोत्साहित करने के वातावरण को बढ़ावा भी देता है। इसके माध्यम से हम उद्योग जगत के शीर्ष नेतृत्व को एक साथ लाकर पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों और समाधानों के भविष्य पर चर्चा करते हैं। इससे एक हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य को आकार देने में मदद मिलेगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.50 प्रतिशत की तेजी लेकर 70.74 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.50 प्रतिशत चढ़कर 74.59 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

अदानी एंटरप्राइजेज ने क्यूआईपी से जुटाये 50 करोड़ डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से 50 करोड़ डॉलर लगभग 4200 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि उसने एईएल के 1 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयरों का क्यूआईपी के माध्यम से 2,962 प्रति शेयर के इश्यू मूल्य पर कुल 1,41,79,608 इक्विटी शेयर आवंटित कर यह राशि जुटायी है। यह क्यूआईपी 9 अक्टूबर 2024 को बाजार बंद होने के बाद खुला और 15 अक्टूबर 2024 को बंद हुआ। क्यूआईपी में भारी मांग देखी गई, वैश्विक लॉन्ग-ओनली निवेशकों, प्रमुख भारतीय म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियों सहित निवेशकों के एक विविध समूह से सौदे के आकार के लगभग 4.2 गुना अभिदान मिला। एईएल के वर्तमान पोर्टफोलियो में परिवहन , हवाई अड्डे और सड़कें, नई ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र (सौर और पवन विनिर्माण सहित) और ऊर्जा और उपयोगिता क्षेत्र में डेटा केंद्र शामिल हैं। तांबा, पीवीसी, रक्षा और विशेष विनिर्माण सहित एईएल के अन्य व्यवसाय आयात पर केंद्रित हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन ने की साझेदारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में महिला सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

बैंक ने बयान जारी कर बताया कि एयू उद्योगिनी कार्यक्रम के विस्तार से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की 1300 से अधिक युवा महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे वे अपने कारोबारी बनने के सपनों को वास्तविकता में बदल सकेंगी। इस कार्यक्रम के द्वारा महिलाओं को वित्तीय मदद, क्षमता-निर्माण के लिए ट्रेनिंग और लगातार सपोर्ट मिलेगा, जिससे वे अपने कारोबार को सफलतापूर्वक चला सकें। एयू उद्योगिनी कार्यक्रम ने पहले ही लगभग 1100 से अधिक महिला कारोबारियों को सहायता प्रदान की है, जिससे ग्रामीण समुदायों में सामाजिक और आर्थिक प्रगति देखने को मिली है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय अग्रवाल ने कहा, ÷हमारा मानना है कि जब हम एक महिला को सशक्त बनाते हैं, तो हम पूरे समुदाय को सशक्त बनाते हैं। एयू उद्योगिनी कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता से बदलाव तक की यात्रा है। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के ग्लोबल मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयंत रस्तोगी ने कहा, ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण चालक है। हमारे महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम खुद के और लीडरशिप डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करके एक स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।÷

इस कार्यक्रम से मध्य प्रदेश और राजस्थान की महिलाओं को अपने कारोबारी बनने के सपनों को वास्तविकता में बदलने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपने परिवार और समुदाय के जीवन को बेहतर बना सकें।

बढ़ी हुई कीमत पर नियंत्रण के लिए ट्रेन से मगाई जा रही प्याज़

एजेंसी

नई दिल्ली।प्याज़ की बढ़ी किमत को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारिता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा खरीदे गये 1,600 मीट्रिक टन प्याज़ को ट्रेन से दिल्ली लाने का फैसला किया गया है. उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि, त्योहार के सीजन में कम दाम पर प्याज़ मिल सके इसके लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत एनसीसीएफ द्वारा खरीदे गए 1,600 मीट्रिक टन प्याज को पहली बार रेल परिवहन के माध्यम से मंगाया गया है. प्याज़ की यह खेप 20 अक्टूबर तक दिल्ली पहुंच जाएगी उसके बाद इसे आम लोगों को कम दाम पर उपलब्ध कराया जाएगा. उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में लखनऊ और वाराणसी के लिए रेलवे के माध्यम से प्याज़ की आपूर्ति की जाएगी. इसके अलावा रेलवे से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जलपाईगुड़ी, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और चांगसारी तक प्याज को पहुँचाने के लिए अनुमति मांगी गई है जिससे देश के इस हिस्से में प्याज़ की व्यापक उपलब्धता हो और लोगों कम दाम पर प्याज़ मिल सके.निधि खरे ने बताया कि सरकार ने इस वर्ष 4.7 लाख टन रबी प्याज की खरीद की थी. जिसे 5 सितंबर से खुदरा में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से देश भर में बेचा जा रहा है. इसके साथ ही इसे देश की प्रमुख मंडियो में थोक में भेजा गया है. अब तक लगभग 92,000 मीट्रिक टन प्याज नासिक और अन्य जगहों से ट्रकों के माध्यम से उपभोग केंद्रों तक भेजा जा चुका है. खुदरा उपभोक्ताओं को 35 रुपये प्रति किलोग्राम पर प्याज के वितरण के लिए सफल, केंद्रीय भंडार और रिलायंस रिटेल के साथ भी साझेदारी की है. इसके अलावा खुदरा वितरण के लिए 9 राज्य सरकारों/सहकारी समितियों को 86,500 मीट्रिक टन प्याज आवंटित किया गया है. टमाटर के बढ़े दाम को लेकर निधि खरे ने कहा कि, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख टमाटर उत्पादक क्षेत्रों में अधिक बारिश और उच्च नमी के कारण फसल को नुकशान हुआ है. आने वाले दिनों में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से आवक बढ़ने से आपूर्ति की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है जिससे टमाटर की कीमतों में कमी आएगी.

वीआईपी नंबर के लिए चुकाना पड़ सकता है 28 प्रतिशत तक जीएसटी, ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में होगा विचार

एजेंसी

नई दिल्ली। अपनी गाड़ी के लिए वीआईपी नंबर लेने के शौकीन लोगों पर अब भारी भरकम जीएसटी का बोझ भी पड़ सकता है। गाड़ियों के वीआईपी नंबर पर जीएसटी लगाने का सुझाव उत्तर प्रदेश की सरकार ने जीएसटी दरों की समीक्षा करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने के लिए गठित ग्रुप आफ मिनिस्टर्स (जीओएम) को दिया है। जीओएम की बैठक 20 अक्टूबर को होने वाली है। माना जा रहा है कि इस बैठक में वीआईपी नंबर लेने पर 18 से 28 प्रतिशत तक जीएसटी लगाया जा सकता है। गाड़ियों को स्पेशल या वीआईपी नंबर रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस से जारी किए जाते हैं। इसके लिए गाड़ी खरीदने वाले को अलग से पैसा देना होता है। रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस कुछ विशेष नंबरों के लिए नीलामी भी करता है, जिसमें कई बार लाखों रुपये की बोली लगती है। फिलहाल गाड़ियों के वीआईपी या स्पेशल नंबर के लिए नीलामी की राशि के अतिरिक्त और कोई पैसा नहीं देना होता है और न ही इस पर किसी तरह का टैक्स लगाया जाता है। वीआईपी या स्पेशल नंबर के लिए नीलामी में लगने वाली रकम की बात है तो 0001 से लेकर 0009 जैसे नंबर के लिए 20 से 30 लाख रुपये तक की बोली लग जाती है। इसी तरह से 0786, 1008 जैसे धार्मिक मान्यता वाले नंबरों के लिए भी 10 से 15 लाख तक की बोली लगती है। सीरीज वाले नंबर जैसे 1111, 2222, 3333 से लेकर 9999 तक के लिए भी 3 से 5 लाख तक की बोली लगती है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दिए गए सुझाव में कहा गया है कि चुनिंदा वीआईपी या स्पेशल नंबर के लिए लाखों रुपये खर्च करने वाले लोग आसानी से इस पर 18 से 28 प्रतिशत तक जीएसटी भी चुका सकते हैं, जिससे सरकार की आय में इजाफा हो सकता है।

इन्वेस्टर्स के ठंडे रिस्पॉन्स के साथ बंद हुआ ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई का आईपीओ

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ रिटेल इन्वेस्टर्स के ठंडे रिस्पॉन्स के साथ आज बंद हो गया। ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया का 27,870.16 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। पहले दो दिन में इस आईपीओ को इन्वेस्टर्स के फीके रिस्पॉन्स के कारण सिर्फ 43 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल सका था। आज सब्सक्रिप्शन के तीसरे और आखिरी दिन क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के जमकर पैसा लगाने की वजह से ये आईपीओ शाम 5:30 तक ओवरऑल 2.41 गुना सब्सक्राइब हो गया था। आईपीओ सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन आज क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने बड़े पैमाने पर बोलियां लगाई।

सीबीडीटी ने टीसीएस व टीडीएस के आयकर नियमों में संशोधनों को अधिसूचित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं पर कर का बोझ घटाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीबीडीटी ने आयकर नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया है। इन बदलाव से स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) या काटे गए टीडीएस के लिए केवल भुगतान करने वाले व्यक्ति के बजाय कोई अन्य व्यक्ति क्रेडिट का दावा कर सकता है।

वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि सीबीडीटी ने वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए एकत्रित टीसीएस अथवा काटे गए टीडीएस के लिए क्रेडिट का दावा करने में आसानी के लिए आयकर नियमों में संशोधनों को अधिसूचित कर दिया है। आयकर नियमों में इस बदलाव से माता-पिता के हाथों में मौजूद नाबालिगों के टीसीएस क्रेडिट का दावा करना भी संभव हो जाएगा।

सीबीडीटी की ओर से जारी अधिसूचना संख्या 112/2024 दिनांक 15 अक्टूबर, 2024 के तहत आयकर नियम, 1962 ('नियम') में संशोधन गया किया है, जिसमें अधिनियम की धारा 192 की उप-धारा (2बी) के तहत आवश्यक विवरणों के निर्धारित विवरण के रूप में फॉर्म संख्या 12बीएए को पेश किया गया है। कर्मचारियों को ये विवरण अपने नियोक्ताओं को प्रदान करने होंगे, जो धारा 192 की उप-धारा (1) के तहत भुगतान करने के लिए जिम्मेदार हैं। इसके बदले में नियोक्ता प्रस्तुत विवरणों को ध्यान में रखते हुए वेतन पर टीडीएस काट लेगा। आयकर विभाग के मुताबिक आयकर अधिनियम, 1961 ('अधिनियम') की धारा 192 की उप-धारा (2बी) को वित्त (सं. 2) अधिनियम, 2024 (एफए (सं. 2)) के तहत संशोधित किया गया है, ताकि वेतनभोगी कर्मचारियों के मामले में कर कटौती करने के उद्देश्य से अध्याय XVII-बी या अध्याय XVII-बीबी के प्रावधानों के तहत स्रोत पर काटे गए या एकत्र किए गए किसी भी कर को शामिल किया जा सके। इसके अलावा अधिनियम की धारा 06सी की उप-धारा (4) को एफए (सं. 2) के तहत भी संशोधित किया गया है, ताकि संग्रहकर्ता के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को टीसीएस का क्रेडिट दिया जा सके। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सीबीडीटी ने वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए एकत्रित टीसीएस अथावा काटे गए टीडीएस के लिए क्रेडिट का दावा करने में आसान बनाने के लिए आयकर नियमों में संशोधनों को अधिसूचित किया है। इसके तहत माता-पिता के द्वारा नाबालिगों के लिए टीसीएस क्रेडिट का दावा करने को सक्षम बनाया गया है। उदाहरण के तौर पर जैसे कि नाबालिग संग्रहकर्ता के मामले में माता-पिता-जब नाबालिग की आय माता-पिता की आय के साथ जोड़ दी जाती है। इसके लिए केंद्रीय प्रत?यक्ष कर बोर्ड की अधिसूचना संख्या 114/2024 दिनांक 16 अक्टूबर, 2024 के तहत नियमों के नियम 37-I को संग्रहकर्ता के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को स्रोत पर एकत्रित कर का क्रेडिट देने के लिए संशोधित किया गया है, जिसके हाथों में संग्रहकर्ता की आय कर योग्य है।

वॉलमार्ट ने अमेरिकी ग्राहकों के लिए भारतीय फूड ब्रांड की सोर्सिंग का विस्तार किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट ने त्योहारी सीजन में भारतीय बाजार के लिए बड़ा फैसला लिया है। कंपनी भारत में पॉपुलर ब्रांड के फूड और स्नैक्स प्रॉडक्ट्स की सोर्सिंग को बढ़ाने जा रही है। इसमें ब्रिटानिया, बिकानो, वाहदम, जयंती मसालों और हाइफन के प्रोडक्ट्स शामिल हैं। ये सभी प्रॉडक्ट्स दिपावली से पहले अमेरिकी बाजार में उपलब्ध होंगे।

कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि उसके इस कदम से अमेरिकी ग्राहकों को पसंदीदा स्नैक्स और फूड प्रोडक्ट्स की विविध रेंज मिलेगी। इस पेशकश में प्रीमियम चाय, रेडी टू ईट और फ्रोजेन फूड प्रोडक्ट्स, पारंपरिक स्नैक्स, मसाले और फेस्टिवल पैक शामिल हैं। वॉलमार्ट ने बताया कि ब्रिटानिया और बिकानो के प्रॉडक्ट्स इस दिवाली पर उपलब्ध होंगे, जबकि रीगल किचन और वाहदम जैसे ब्रांड के प्रॉडक्ट्स अमेरिका में ग्राहकों के लिए पहले से ही उपलब्ध हैं। कंपनी ने मुताबिक जयंती स्पाइसेस और हाइफन फूड्स के प्रॉडक्ट्स भी वॉलमार्ट के ग्रेट वैल्यू ब्रांड लेबल में मौजूद हैं। वॉलमार्ट में सोर्सिंग की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट आंद्रिया अलब्राइट ने कहा कि कंपनी अपने ग्राहकों को खास और अलग-अलग तरह के प्रॉडक्ट पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य साल 2027 तक भारत से निर्यात को 10 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। वॉलमार्ट रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है।

लगातार तीसरे दिन लुढ़का शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन लुढ़क गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 494.75 अंक की गिरावट लेकर 81,006.61 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 221.45 अंक कमजोर होकर 24,749.85 अंक रह गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 1.65 प्रतिशत टूटकर 47,844.59 अंक और स्मॉलकैप 1.42 प्रतिशत लुढ़ककर 56,589.05 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बीएसई में कुल 4064 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2690 में बिकवाली जबकि 1272 में लिवाली हुई वहीं 102 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 41 कंपनियों में गिरावट जबकि अन्य नौ में तेजी रही।

बीएसई में टेक और आईटी समूह की 1.13 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर अन्य 18 समूहों में भारी बिकवाली हुई। इससे रियल्टी 3.76, ऑटो 3.48, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.28, कमोडिटीज 1.77, सीडी 2.45, ऊर्जा 1.20, एफएमसीजी 1.61, वित्तीय सेवाएं 1.22, हेल्थकेयर 1.14, इंडस्ट्रियल्स 1.05, दूरसंचार 2.13, यूटिलिटीज 1.17, बैंकिंग 0.88, कैपिटल गुड्स 0.74, धातु 1.31, तेल एवं गैस 1.54, पावर 1.48 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.36 प्रतिशत लुढ़क गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.35 और जर्मनी का डैक्स 0.74 प्रतिशत उछाल गया जबकि जापान का निक्केई 0.69, हांगकांग का हैंगसेंग 1.02 और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 1.05 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 257 अंक की तेजी के साथ 81,758.07 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत 81,781.40 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लेकिन, इसके बाद शुरू हुई बिकवाली के दबाव में यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 80,905.64 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। अंत में पिछले दिवस के 81,501.36 अंक के मुकाबले 0.61 प्रतिशत की गिरावट लेकर 81,006.61 अंक रह गया। इसी तरह निफ्टी भी 56 अंक बढ़कर 25,027.40 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 25,029.50 अंक के उच्चतम जबकि 24,728.90 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,971.30 अंक की तुलना में 0.89 प्रतिशत गिरकर 24,749.85 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की जिन कंपनियों के शेयर गिरावट पर रहे उनमें नेस्ले इंडिया 3.35, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.34, अल्ट्रासिमको 2.70, बजाज फिन सर्व 2.28, टाइटन 1.99, टाटा स्टील 1.87, मारुति 1.86, भारती एयरटेल 1.77, एक्सिस बैंक 1.74, टाटा मोटर्स 1.70, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.59, एचडीएफ़सी बैंक 1.56, एनटीपीसी 1.20, एशियन पेंट 0.93, आईटीसी 0.89, आईसीआईसीआई बैंक 0.86, बजाज फाइनेंस 0.80, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.77, कोटक बैंक 0.62, अडानी पोर्ट्स 0.49 और सन फ़ार्मा 0.29 प्रतिशत शामिल रहे। वहीं, इंफ़ोसिस 2.58, टेक महिंद्रा 2.39, पावरग्रिड 1.30, एलटी 1.02, एसबीआई 0.63, टीसीएस 0.28, रिलायंस 0.20, एचसीएल टेक 0.18 और इंडसइंड बैंक के शेयर 0.10 प्रतिशत लाभ में रहे।

आटा बन जाएगा अमृत, मिलाएं 5 औषधीय चीजों से तैयार ये पाउडर, खाएंगे ये पौष्टिक रोटी तो पेट होगा साफ, वजन और शुगर रहेगा कंट्रोल

कुछ लोगों को खाना खाते ही पेट फूलने की समस्या शुरू हो जाती है. कब्ज, गैस से परेशान रहते हैं. ऐसे में आप आटा गूंथते समय पांच औषधिय गुणों से भरपूर नेचुरल चीजों को पीसकर आटे में मिक्स कर दें. इस आटे की बनी रोटी खाएं और फिर देखें कैसे पाचन संबंधित समस्याओं के साथ ही ब्लड शुगर लेवल, कोलेस्ट्रॉल लेवल सब कंट्रोल में रहता है. आप इस आटे की बनी रोटियां खाकर लंबी उम्र तक स्वस्थ रह सकते हैं.

आजकल लोग कम उम्र में उन शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त हो जाते हैं, जो बुजुर्गावस्था में होती है या फिर जेनेटिक्स के कारण. इसमें हड्डियों की समस्या, डायबिटीज, हार्ट डिजीज आदि. साथ ही अनहेल्दी खानपान की आदत से पचान तंत्र भी खराब बना रहता है. अगर आपकी जीनवशैली, खानपान, शारीरिक एक्टिविटी सही रहेगी तो आप लंबी उम्र तक स्वस्थ लाइफस्टाइल जी सकते हैं. काफी लोगों को खाना जल्दी नहीं पचता है. खाने के बाद घंटों पेट फूला-फूला सा रहता है. अपच, बदहजमी, ब्लोटिंग, गैस, खट्टी डकार, डायबिटीज, हृदय रोग आदि से बचाव के लिए आप अपने आटे को गूंथने का तरीका बदल लें. आटा को सादा नहीं बल्कि इसमें कुछ हेल्दी मसालों को पीसकर डाल दें. फिर इसकी रोटी खाएं.

इस औषधीय आटे की जानकारी 40 प्लस मॉम नाम के फेसबुक अकाउंट पर शेयर की गई है. चलिए जानते हैं, इन्होंने आटे को पौष्टिक बनाने के लिए कौन-कौन सी 5 चीजें ली हैं. सबसे पहले आप एक किलो आटा लें. फिर 5 तरह की औषधीय हर्ब्स लें. ये सभी हर्ब्स आपके किचन में उपलब्ध होंगे. एक अलग बर्तन में 2 चम्मच अजवाइन, 2 चम्मच अलसी के बीज, एक कप राजगिरे का आटा, सफेद तिल, 2 चम्मच साबुत धनिया लें. अब एक पैन में ये पांचों साबुत चीजों को डालकर ड्राई रोस्ट करें. 2-3 मिनट के लिए इसे भूनें. हल्का ठंडा होने पर इसे मिक्सी में डालकर पीस लें. इस पाउडर को आप किसी कंटेनर में डालकर रख सकते हैं और जब भी आटा गूंथे इसमें आधा चम्मच ये पाउडर मिला दें. आप यदि चक्की से गेहूं को पिसवाकर आटा की रोटी खाते हैं तो गेहूं में ही ये भुने हुए हर्ब्स को डाल दें. यदि आपको चार रोटी बनानी है तो आप इसमें आधा चम्मच ये पौष्टिक पाउडर डाल दें और आटा गूंथ कर रोटी बनाएं. इस पौष्टिक और हेल्दी रोटी को खाकर आप लंबी उम्र तक स्वस्थ रहेंगे. पेट संबंधित समस्याएं नहीं होंगी. खाने के बाद आने वाली समस्याएं जैसे पेट दर्द, अपच, ब्लोटिंग, गैस से बचाव होगा.

अजवाइन के फायदे- अजवाइन पेट की समस्याओं के लिए बेहद फायदेमंद है. गैस, बदहजमी, ब्लोटिंग, अपच, पेट दर्द से राहत दिलाता है. इसमें कई तरह के औषधिय गुण होते हैं, जो स्किन पर ग्लो लाता है. पाचन में सुधार करता है. हार्ट के लिए हेल्दी है.

अलसी के फायदे- फ्लैक्स सीड्स ज्वाइंट पेन करे कम, शुगर लेवल कंट्रोल करे. फाइबर होने के कारण पेट साफ रखे. साथ ही इसमें एंटी-कैंसर तत्व, ओमेगा 3 फैटी एसिड, हेल्दी फैट्स भी होते हैं. ये वजन घटाता है. हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा होता है. डायबिटीज के रोगियों को अलसी का सेवन जरूर करना चाहिए, क्योंकि ये शुगर लेवल को कंट्रोल करता है.सफेद दिल- यह कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है. एनर्जी का शानदार सोर्स होता है सफेद तिल. माइक्रोन्यूट्रिएंट्स और मैक्रोन्यूट्रिएंट्स शरीर के लिए जरूरी है. आप सफेद तिल से इसकी पूर्ति कर सकते हैं. इसमें कैल्शियम होता है. मेनोपॉज के लक्षण कम करते हैं. दिन भर बिना काम किए भी थकान, कमजोरी, आलसपन आदि को दूर करता है.राजगिरा या अमरंथ- यह भी आपको किसी भी राशन के दुकान पर आसानी से मिल जाएगा. आटे में राजगिरा का आटा मिलाने से ये डायबिटीज में ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करता है. इसमें प्रोटीन होता है. ऐसे में शाकाहारी खाने वाले लोगों के लिए प्रोटीन की ये पूर्ति करता है. कोलेस्ट्रॉल लेवल घटाए, हड्डियों को मजबूत बनाए. इसमें ढेर सारे मिनरल्स, विटामिंस, फाइबर होते हैं. ये शरीर में होने वाले सूजन को कम करने में मदद करता है. बालों को जड़ से मजबूती देता है.

क्रियान्वयन के 19 वर्षों के बाद आरटीआई अधिनियम के रिकॉर्ड पर एक नजर

आम तौर पर,सार्वजनिक अभिलेखों में अधिकांश जानकारी सार्वजनिक गतिविधि से उत्पन्न होती है। जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) को यह तय करना होता है कि क्या यह निजता का उल्लंघन है। निजता का संबंध घर के भीतर के मामलों, व्यक्ति के शरीर, यौन वरीयताओं आदि से है। यह संविधान के अनुच्छेद 19(2) के अनुरूप है।सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम ने 12 अक्टूबर, 2024 को 19 वर्ष पूरे कर लिये। जब इसे पहली बार लागू किया गया था, तो इसने नागरिकों में बहुत उत्साह पैदा किया था, जिन्होंने अपनी सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की संभावना देखी थी।हम भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं, लेकिन इसका आम नागरिकों के लिए कल्याण और सुशासन में परिवर्तन अभी तक नहीं हुआ है। लोकतंत्र को %लोगों द्वारा लोगों के लिए लोगों का शासन% के रूप में परिभाषित किया जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि जब कोई आम नागरिक किसी सरकारी कार्यालय में जाता है, तो वह अक्सर आहत, अपमानित और निराश महसूस करता है।

पहली बार, हमारे पास ऐसा कानून था जो व्यक्तिगत नागरिक की संप्रभुता को मान्यता देता था और नागरिक की सरकार और सभी लोक सेवकों पर सर्वोच्चता को भी स्वीकार करता था।

इसने इस तथ्य को भी मान्यता दी कि सरकार के पास नागरिकों की ओर से सभी जानकारी होती है। सशक्त नागरिक अपनी शिकायतों के निवारण और भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आरटीआई का इस्तेमाल करते थे।आरटीआई अधिनियम में ऐसी सूचनाओं की सूची नहीं है, जिन्हें नागरिक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि इसमें ऐसी सूचनाओं की एक छोटी नकारात्मक सूची है, जिन्हें नागरिक को देने से मना किया जा सकता है। बाकी सभी सूचनाओं को नागरिकों के साथ साझा किया जाना था।

यह दुनिया के सबसे बेहतरीन पारदर्शिता कानूनों में से एक था, लेकिन यह वायदा किये गये परिणाम और बेहतर शासन नहीं दे रहा है, क्योंकि विभिन्न उपाय और उन्हें लागू करने वाले अनेक अधिकारी कानून का पालन नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसे विकृत कर रहे हैं।यह अधिनियम मानता है कि सभी मौजूदा सूचनाएं किसी नागरिक को मांगे जाने पर दी जानी चाहिए और अगर कोई लोक सेवक बिना उचित कारण के 30 दिनों के भीतर सूचना देने से मना करता है, तो उस पर व्यक्तिगत जुर्माना लगाया जा सकता है।असंतुष्ट नागरिकों के लिए, यह विभाग के भीतर एक वरिष्ठ अधिकारी के पास अपील करने का प्रावधान करता है और यदि यह संतोषजनक नहीं है, तो कानून सूचना आयोग के रूप में एक दूसरा अपीलीय प्राधिकरण बनाता है। इसने आयोगों को अपने आदेशों को लागू करवाने के लिए पर्याप्त अधिकार दिये।सूचना आयुक्तों का चयन प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और केंद्रीय आयोग के लिए एक अन्य मंत्री और राज्य आयोगों के लिए मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और एक अन्य मंत्री वाली समिति द्वारा किया जाना था।यह आरटीआई अधिनियम की कमजोर कड़ी बन गयी। आयुक्तों का चयन बिना किसी पारदर्शी प्रक्रिया के किया गया और, ज्यादातर मामलों में, पद ऐसे लोगों को दिये गये जो नौकरशाही और राजनीतिक नेटवर्क में काम कर सकते थे। नतीजतन, बड़ी संख्या में ऐसे आयुक्तों का चयन किया गया, जिन्हें न तो पारदर्शिता के प्रति कोई झुकाव था और न ही इसके प्रति कोई प्रेम। उनमें से कई ने इन पदों को सेवानिवृत्ति के बाद की नौकरी या सेवा में रहते हुए किए गये उपकारों के पुरस्कार के रूप में देखा।

वे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) से उत्पन्न होने वाले मौलिक अधिकार के रूप में सूचना के अधिकार के महत्व को नहीं पहचानते या समझते थे। कानून में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि सूचना मांगने के लिए कोई कारण बताने की आवश्यकता नहीं है।

आयुक्तों और न्यायालयों ने आवेदकों से यह पूछना शुरू कर दिया कि वे सूचना क्यों चाहते हैं। यदि उत्तर उन्हें संतुष्ट नहीं करता, तो वे आवेदकों को सूचना देने से इनकार कर देते हैं।यह इस तथ्य से और भी बढ़ गया है कि देश में कई आयुक्त किसी भी गंभीरता से काम नहीं करते हैं। उनमें से कई सप्ताह में 40 घंटे भी काम नहीं करते हैं। अधिकांश मामलों में मामलों का निपटारा बिल्कुल अस्वीकार्य है।कई आयुक्त एक महीने में 50 से 100 मामलों का निपटारा करते हैं। उन्हें प्रति माह लगभग 400 से 500 मामलों का निपटारा करना चाहिए, जैसा कि कुछ करते हैं। एक बेंचमार्क के रूप में, मैं उल्लेख कर सकता हूं कि भारतीय उच्च न्यायालयों में मामलों का औसत निपटान, जो अधिक जटिल हैं, प्रति माह 200 मामलों से अधिक है।सूचना आयोगों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और आयोगों में आरटीआई मामलों में छह महीने से चार साल तक की देरी हो रही है। नागरिकों की कानून को लागू करने में रुचि कम हो रही है और लोक सेवक कानून में उल्लिखित अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने लगे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि नागरिकों का कानून में विश्वास खत्म हो रहा है।आरटीआई को एक और बड़ा झटका आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(जे) की घोर गलत व्याख्या है। इस धारा का उद्देश्य ऐसी सूचना को छूट देना था जो किसी व्यक्ति की निजता पर आक्रमण करती हो।इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि निजता को परिभाषित करना कठिन हो सकता है, भारतीय संसद ने इस धारा को सावधानीपूर्वक और कुशलता से तैयार किया था।यह धारा %ऐसी सूचना को छूट देती है जो व्यक्तिगत सूचना से संबंधित है, जिसके प्रकटीकरण का किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है, या जो व्यक्ति की निजता पर अनुचित आक्रमण करेगी जब तक कि केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी या राज्य लोक सूचना अधिकारी या अपीलीय प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, संतुष्ट न हो कि व्यापक सार्वजनिक हित ऐसी सूचना के प्रकटीकरण को उचित ठहराता है।%बशर्ते कि वह सूचना, जिसे संसद या राज्य विधानमंडल को देने से इनकार नहीं किया जा सकता है, किसी भी व्यक्ति को देने से इनकार नहीं किया जायेगा।%आम तौर पर,सार्वजनिक अभिलेखों में अधिकांश जानकारी सार्वजनिक गतिविधि से उत्पन्न होती है। जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) को यह तय करना होता है कि क्या यह निजता का उल्लंघन है। निजता का संबंध घर के भीतर के मामलों, व्यक्ति के शरीर, यौन वरीयताओं आदि से है।यह संविधान के अनुच्छेद 19(2) के अनुरूप है। फिर पीआईओ को अपना व्यक्तिपरक निष्कर्ष दर्ज करना चाहिए कि वह संसद या राज्य विधानसभा को मांगी गयी जानकारी नहीं देगा।दुर्भाग्य से कई लोक सेवक, आयुक्त और अदालतें केवल यह कहकर सूचना देने से इनकार कर देती हैं कि यह व्यक्तिगत जानकारी है। यह कानून या संविधान के अनुरूप नहीं है। यह अनुच्छेद 19 (1)(ए) के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकारों के लिए एक बड़ा नुकसान हो सकता है।नागरिकों और मीडिया को सूचना के अपने अधिकार की रक्षा करनी चाहिए, ऐसा न करने पर आरटीआई अधिनियम सूचना देने से इनकार करने के अधिकार में बदल जायेगा।

संपादकीय

मणिपुर में फिर चूकी भाजपा

बीते 17 महीनों से मणिपुर में चल रहे भयावह जातीय संघर्ष को सुलझाने के लिए पहली बार दिल्ली में बैठक बुलाई गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निमंत्रण पर मणिपुर से मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे। इसमें भी मात्र 4 या 5 कुकी विधायक ही पहुंचे। पहले यह बैठक गृह मंत्रालय में होनी थी, लेकिन बाद में इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी के दफ्तर में यह बैठक हुई, ऐसी खबर है। बताया जा रहा है कि बैठक में आईबी के पूर्वोत्तर के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले, पूर्वोत्तर में भाजपा के समन्वयक संबित पात्रा, केंद्र के सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा मौजूद थे। पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बात की गई। सभी ने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के समक्ष रखीं। इसके बाद सभी को एक हॉल में एकत्रित कर संकल्प दिलाया गया कि आज की बैठक के बाद मणिपुर में न तो एक भी गोली चलेगी और न ही किसी व्यक्ति की जान जाएगी। तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति दी। इसके बाद प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए।जो समुदाय पिछले 17 महीनों में परस्प खून के प्यासे हो गए हों, जिनके बीच अविश्वास की खाई इतनी बढ़ गई हो कि उनका एक-दूसरे के इलाकों में जाना वर्जित हो गया हो और अगर कोई गलती से सीमा को पार कर जाए तो फिर उसे सीधे मौत के घाट उतारा जाए, उन लोगों के बीच क्या एक-दूसरे से हाथ मिलाकर दोस्ती करवाई जा सकती है। इस बात से तो ऐसा ही प्रतीत होता है कि या तो मोदी सरकार ने मणिपुर के मामले को बच्चों का खेल समझा है, या फिर मणिपुर को अपने खेल का मैदान बनाकर एक प्रयोग कर लिया है। भारत के कई राज्यों में अलगाववाद की आग पहले सुलग चुकी है, चाहे भाषा के नाम पर या धर्म के नाम पर। कई बार आंचलिक विशेषता के कारण पृथक राज्यों की मांगे भी उठीं। लेकिन दो समुदायों के बीच इतना गहरा संदेह कभी नहीं देखा गया जैसा मणिपुर में बन चुका है। इसकी क्रूर परिणिति कई भयावह घटनाओं के तौर पर सामने आई है, दो महिलाओं की नग्नावस्था में परेड और उनके साथ अनाचार एक उदाहरण है, ऐसे मामले की निंदा अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी हुई। फिर भी मोदी सरकार का दुस्साहस ही है कि वह दावा कर रही है कि बैठक के बाद हाथ मिलाकर सब ठीक करने का आश्वासन ले लिया गया है।श्रीमान मोदी का एक और दुस्साहस यह है कि अब तक मणिपुर तो वे नहीं गए, दिल्ली में हुई बैठक में शामिल होना भी उन्होंने जरूरी नहीं समझा। यहां तक कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। जबकि बैठक गृहमंत्रालय ने ही बुलाई थी। एक खबर में बताया गया कि श्री शाह इस बैठक की मिनट टू मिनट जानकारी ले रहे थे। जब इतनी ही फिक्र मणिपुर की थी और पल-पल की जानकारी लेने का वक्त था, तो दस-पंद्रह मिनट की उपस्थिति दर्ज कराने में क्या हर्ज था। क्या हरियाणा में विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी का निर्विरोध चुने जाने का मुद्दा मणिपुर के मुद्दे से अधिक गंभीर था।भाजपा को याद रखना चाहिए कि मणिपुर में भी भाजपा की ही सरकार है, उसकी भाषा में कहें तो डबल इंजन की सरकार है। फिर भी मणिपुर के लिए इतनी उपेक्षा का भाव क्यों रहा, यह एक अनसुलझा सवाल है। हालांकि इस बैठक के बाद यह सवाल भी उठ रहे हैं कि कहीं इसका असल मकसद राज्य में शांति बहाली से अधिक सत्ता को बचाए रखना तो नहीं है। क्योंकि बैठक में कुकी समुदाय के विधायकों ने सीधे सवाल किये कि जब सरकार एक समुदाय के साथ खड़ी है, तो दूसरे समुदायों को सुरक्षा और न्याय कैसे मिलेगा। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के खिलाफ अविश्वास इस बैठक में साफ-साफ नजर आया और फिर से उनकी बर्खास्तगी की मांग की गई। जबकि केंद्र की सत्ता एन बीरेन सिंह और उनकी सरकार को बचाने के लिए प्रयासरत दिख रही है।दरअसल मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास बहुमत के आंकड़े से एक ज्यादा 32 सीटें हैं और एनडीए के सहयोगी दलों को मिलाकर कुल 37 विधायक हैं। लेकिन भाजपा की टिकट पर जीते 7 कूकी विधायकों ने सरकार से खुद को अलग कर लिया है। इस तरह भाजपा अल्पमत की तरफ बढ़ चुकी है। इसके अलावा एनडीए में भी अब फूट पड़ रही है। भाजपा की सहयोगी कुकी पीपुल्स अलायंस के दोनों विधायकों ने बीरेन सिंह सरकार से पिछले अगस्त में ही समर्थन वापस ले लिया था।

सत्ता का इकबाल कायम करें मोदी

नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए इस समय आंतरिक और विदेश मामलों में कठिन परीक्षा की घड़ी चल रही है

अमेरिका का यह रवैया बता रहा है कि फिलहाल वह भारत की अपेक्षा कनाडा की दोस्ती को तवज्जो दे रहा है। इन हालात में अब नरेन्द्र मोदी को सोचना है कि वे अमेरिकी धरती पर मोदी-मोदी के नारे सुनकर गदगद होते रहें, ओबामा से लेकर ट्रंप और बाइडेन तक सबको अपना करीबी मित्र बताते रहें या फिर भारत के हितों के बारे में सोचकर कोई कड़ी टिप्पणी इन मामलों पर करें।नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए इस समय आंतरिक और विदेश मामलों में कठिन परीक्षा की घड़ी चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी से अपेक्षा है कि चुनाव में जीत-हार की फिक्र से ऊपर उठकर इस समय वे गंभीरता से हालात का मुआयना करें, विशेषज्ञों की राय लेकर फैसले करें और देश को आश्वस्त करें कि हर हाल में जनता के हितों की रक्षा होगी। मुंबई में दशहरे के दिन भीड़ भरे इलाके में अजित पवार गुट एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई।

इस हत्या की जिम्मेदारी गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने ली। कायदे से गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों, गृहमंत्रियों के साथ-साथ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी कि उनकी निगरानी में जेल से एक बड़े अपराध को अंजाम दिया गया। लेकिन फिलहाल इस मामले में आरोपियों की कितनी जल्दी धर-पकड़ हो गई है इसी बात का श्रेय लूटा जा रहा है।मुमकिन है 20 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले इस मामले में कुछ लोगों को अपराधी साबित करने के सरकार की सख्ती का दावा भी ठोंका जाए। लेकिन क्या लारेंस बिश्नोई का सच सामने आ पाएगा, ये सवाल कानूनी उलझनों में फंसा हुआ है। बता दें कि लारेंस बिश्नोई को गुजरात की साबरमती जेल में रखा गया है, जो हाईप्रोफाइल मुजरिमों के लिए बनी है। इसमें किसी आरोपी से पूछताछ के लिए सख्त नियम बने हैं। लारेंस बिश्नोई पर सीआरपीसी की धारा 268 के तहत, अगस्त 2023 तक के लिए जेल से बाहर निकलने पर रोक लगी हुई थी। अब नये आदेश के मुताबिक, बीएनएसएस की धारा 303 के तहत यह पाबंदी अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई है। अगर कोई भी पुलिस टीम, अधिकारी या एजेंसी लॉरेंस बिश्नोई से किसी मामले में पूछताछ करना चाहती है, तो उन्हें एक न्यायिक आदेश लेकर आना होगा। साथ ही उसके खिलाफ चल रही किसी भी जांच को जेल परिसर के भीतर ही अंजाम दिया जाएगा। वैसे साबरमती जेल प्रशासन का कहना है कि लारेंस बिश्नोई जेल के भीतर से कोई गिरोह नहीं चला रहा है, उसके पास कोई मोबाइल फोन या ऐसा जरिया नहीं है, जिससे वो बाहरी दुनिया से संपर्क रख सके। मगर सिद्दीकी हत्याकांड की शुरुआती जांच में अगर लारेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया तो इसे क्या केवल साबरमती जेल प्रशासन के बयान के आधार पर नजरंदाज किया जा सकता है, यह विचारणीय है।यह तय है कि लारेंस बिश्नोई को अब पूछताछ के लिए गुजरात से बाहर नहीं लाया जाए, इसका कानूनी इंतजाम कर लिया गया है। लेकिन इसी साबरमती जेल में यूपी का माफिया डॉन अतीक अहमद भी 2019 से बंद था और पिछले साल मार्च में उसे गुजरात से यूपी शिफ्ट किया गया, इसके बाद अप्रैल में किस तरह उसे और उसके भाई को पुलिस सुरक्षा के बीच ही मार दिया गया, यह दृश्य पूरे देश ने देखा है। इस तरह की घटनाओं पर कुछ तालियां बज सकती हैं कि एक माफिया को मिट्टी में मिलाने की हिम्मत सरकार ने दिखाई, लेकिन वहीं सवाल भी उठते हैं कि जब अतीक अहमद को बाहर लाया जा सकता है तो लारेंस बिश्नोई से गुजरात के बाहर पूछताछ क्यों नहीं की जा सकती।

बाबा सिद्दीकी की हत्या की घटना को केवल पैसों के लिए किए गए अपराध की तरह नहीं देखा जा सकता, क्योंकि लारेंस बिश्नोई सीधे-सीधे लोकतांत्रिक सरकार की सत्ता को चुनौती दे रहा है, ठीक वैसे ही जैसे एक वक्त में दाऊद इब्राहिम का रवैया था। दाऊद इब्राहिम तो भारत के प्रमुख वांछित अपराधियों में शामिल है, वह आतंकवादी है। लेकिन लारेंस बिश्नोई को आतंकवादी कहने की जगह भारत के कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर उसका महिमामंडन हो रहा है। उसे बॉलीवुड के लोगों, खालिस्तानियों, हिंदुत्व का विरोध करने वालों के लिए काल की तरह बताया जा रहा है। उसकी तस्वीर इस अंदाज में पोस्ट की जा रही हैं, मानो उसने बड़ी जांबाज़ी का काम किया है। एक अपराधी को नायक बनाने की यह भूल समाज को विनाश की तरफ ले जाने वाली है, क्योंकि इस तरह युवाओं को भटकाना और आसान हो जाता है। वैसे ही इस समय हमारे युवाओं का भविष्य दांव पर लगा हुआ है।

रोजगार और अच्छी शिक्षा की तलाश में हर बरस लाखों युवा विदेश जा रहे हैं और इनमें बड़ी संख्या कनाडा जाने वालों की है। लेकिन इस वक्त कनाडा और भारत के संबंध सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। 14 अक्टूबर को दोनों देशों ने एक-दूसरे के छह-छह राजनयिकों को निष्कासित किया है। दरअसल पिछले वर्ष कनाडाई नागरिक और सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा ने इसमें भारत की भूमिका पर सार्वजनिक तौर पर सवाल उठाए थे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में इस बारे में बयान दिया था। तब भारत ने इन आरोपों को ख़ारिज कर दिया था और साथ ही कनाडा को भारत-विरोधी शक्तियों को शरण न देने की सलाह दी थी। लेकिन भारत की सलाह का कोई असर कनाडा पर नहीं हुआ और अभी जस्टिन ट्रूडो ने फिर कह दिया कि भारत सरकार के अधिकारी पिछले जून में सरे में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल थे। इसके बाद कनाडाई प्रशासन ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह कहा कि भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गिरोह या उसके एजेंट कनाडा में इस हत्या के पीछे हैं। इस तरह कनाडा ने सीधे-सीधे भारत सरकार पर एक गैंगस्टर के साथ मिलकर काम करने का गंभीर आरोप लगाया।

यह वैश्विक स्तर पर भारत का अपमान है। वहीं अमेरिका में भी अब भारत के खिलाफ इसी तरह की बातें हो रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अगस्त में कनाडा के दौरे पर कहा था कि अमेरिका कनाडा के साथ हर स्तर पर सहयोग कर रहा है ताकि निज्जर हत्याकांड मामले की तह तक पहुंचा जा सके। उन्होंने निज्जर की हत्या को एक त्रासदी बताया था। वहीं इस मंगलवार को अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि जब कनाडाई मामले की बात आती है, तो हमने स्पष्ट कर दिया है कि आरोप बेहद गंभीर हैं और उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। हम चाहते थे कि भारत सरकार कनाडा को उसकी जांच में सहयोग दे। उन्होंने (भारत) वह रास्ता नहीं चुना है।

अमेरिका का यह रवैया बता रहा है कि फिलहाल वह भारत की अपेक्षा कनाडा की दोस्ती को तवज्जो दे रहा है। इन हालात में अब नरेन्द्र मोदी को सोचना है कि वे अमेरिकी धरती पर मोदी-मोदी के नारे सुनकर गदगद होते रहें, ओबामा से लेकर ट्रंप और बाइडेन तक सबको अपना करीबी मित्र बताते रहें या फिर भारत के हितों के बारे में सोचकर कोई कड़ी टिप्पणी इन मामलों पर करें। बेशक भारत का विदेश मंत्रालय अपनी तरफ से सख्ती दिखाने की पूरी कोशिश कर रहा है। उसके प्रवक्ता भारत पर लग रहे आरोपों पर कड़ा जवाब दे रहे हैं। लेकिन ये वक्त पं.नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी की तरह पश्चिमी ताकतों, खासकर अमेरिका को जवाब देने का है। अगर कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों से प्रेरणा लेने में श्री मोदी को असुविधा हो तो पोरस की मिसाल भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। 340 ईसा पूर्व से 315 ईसा पूर्व तक झेलम से लेकर चिनाब तक फैले पंजाब-सिंध प्रांत में पोरस का साम्राज्य फैला था और विश्वविजय पर निकले सिकंदर के अभियान को पोरस की कड़ी चुनौती मिली थी।

ऐतिहासिक कथा के मुताबिक दोनों के बीच हुए युद्ध के बाद जब पोरस को बंदी बनाकर सिकंदर के सामने पेश किया गया, तब पोरस ने सिकंदर से कहा था कि उनके साथ वही सलूक करना चाहिए जो एक राजा, दूसरे राजा के साथ करता है। इस कथा में तथ्य कितना है, यह अलग पड़ताल का विषय है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संबंधों और राजनयिक शिष्टाचार में सम्मान और बराबरी का सबक इससे जरूर लिया जा सकता है।

कनाडा और अमेरिका से संबंधों में आ रही इस तल्खी और भारत के अपमान के बाद भारत सरकार के अधिकारियों को नहीं, खुद प्रधानमंत्री मोदी को आगे बढ़कर कनाडा और अमेरिका दोनों को सीधे जवाब देकर अपनी मजबूत स्थिति दिखाना चाहिए और बताना चाहिए कि भारत सरकार किसी गैंगस्टर के साथ मिलकर काम नहीं करती है। सत्ता का इकबाल ऐसे ही कायम किया जाता है।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए–पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई–न–कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफलेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी–बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे–धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

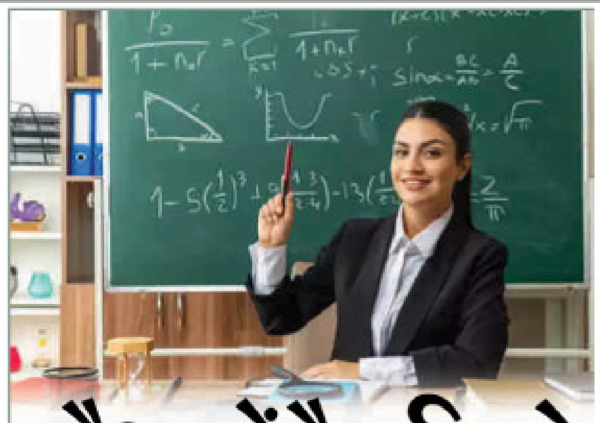

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत–लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

जानकारी

स्ट्रेच मार्क्स से पाना है छुटकारा तो यूं करें कॉफी का इस्तेमाल

शरीर में पड़े स्ट्रेच मार्क्स के निशान देखने में गंदे लगते हैं। अक्सर ऐसे निशान गर्भावस्था के दौरान, वजन घटाने से या वजन बढ़ने के कारण पड़ते हैं। इन निशानों की वजह से कई बार हम अपने मन पसंदीदा कपड़े भी नहीं पहन पाते। इन निशानों को मिटाने के लिए महंगी-महंगी क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं। कई बार इन कैमिक्ल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल करने से कई बार साइड-इफैक्ट हो जाते हैं। ऐसे में कुछ घरेलू चीजों को अपनाकर आसानी से ही स्ट्रेच मार्क्स के निशानों को दूर किया जा सकता है।

कोको बटर और कॉफी

स्ट्रेच मार्क्स को दूर करने के लिए कोको बटर और कॉफी का इस्तेमाल करें। 1 चम्मच कॉफी लें। अब इसमें 1 चम्मच पिघला हुआ कोको बटर मिलाएं। जब यह अच्छे से मिल जाए तो इस पेस्ट को प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। 10 मिनट के लिए इसको ऐसा ही रहने दें। फिर हल्के गर्म पानी से इसको धो लें। हफ्ते में कम से कम 4 बार इस प्रक्रिया को दोहराएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

बादाम पाउडर, नारियल तेल और कॉफी

1 चम्मच कॉफी ले इसको अच्छे से पीस लें। फिर इसमें आधा चम्मच बदाम पाउडर और 3 चम्मच नारियल तेल मिलाकर मिक्स करें। इस पेस्ट से 10 मिनट के लिए स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह पर लगाएं। हफ्ते में 2 बार ऐसा करें। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

जैतून तेल, नींबू और कॉफी

स्ट्रेच मार्क्स को साफ करने के लिए जैतून तेल, नींबू और कॉफी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच पीसी हुई कॉफी में, 1 चम्मच जैतून का तेल, आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस पेस्ट 20 मिनट के लगाने के बाद गर्म पानी से धो लें। लगातार ऐसा करने से कुछ ही महीनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

छोटे-छोटे बच्चों और युवाओं को इसलिए लग जाता है चश्मा

आंखें हमारे शरीर का एक अहम हिस्सा होती हैं। इसकी मदद से हम पूरी दुनिया को देखते हैं। इनका स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है, लेकिन आजकल लोगों की गलत आदतों का प्रभाव उनकी आंखों पर पड़ा है। जिसके कारण छोटे-छोटे बच्चों को चश्मा लगाने से लेकर समय से पहले अंधेपन या कम दिखाई देना जैसी समस्याएं होती हैं, लेकिन आपको ऐसी किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं-

आहार का ख्याल: आपके बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि आपका आहार पौष्टिक एवं संतुलित हो। फिर चाहे बात आंखों की ही क्यों न हो। आहार आपकी आई हेल्थ पर भी अपना प्रभाव डालता है। बहुत से अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि एंटी-ऑक्सीडेंट युक्त आहार का सेवन करने से मोतियाबिंद होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। इसलिए आप अपने आहार में मौसमी फल एवं सब्जियां अवश्य शामिल करें। इसके अतिरिक्त खट्टे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और मछली आपकी आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं।

नजर रखें स्क्रीन टाइम: आजकल चाहे बच्चे हों या बड़े, अपना अधिकतर समय टीवी, कंप्यूटर या फोन के सामने ही बिताते हैं, जिसके कारण उनकी आंखों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए अपनी आंखों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए आप अपने स्क्रीन टाइम पर भी पैनी नजर रखें। कोशिश करें कि आप घंटों टीवी, कंप्यूटर या फोन के सामने न रहें। वहीं अगर आपका काम ऐसा है कि आपको घंटों कंप्यूटर के सामने बैठना होता है तो एकटक स्क्रीन को न देखें, बल्कि बीच-बीच में अपनी पलकें झपकते रहें।

आई वियर भी है जरूरी: जिस तरह आप घर से बाहर निकलते समय अपनी स्किन की रक्षा करने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। ठीक उसकी तरह, आंखों की रक्षा करने के लिए आई वियर यानी सनग्लासेज भी अवश्य पहनें। बहुत लंबे समय तक आपकी आंखों के सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के संपर्क में आने से मोतियाबिंद होने की संभावना काफी हद तक बच जाती है। इसलिए आप एक अच्छे सनग्लासेज पहनकर अपनी आंखों की रक्षा तो कर ही सकते हैं।

व्यायाम का सहारा

आपकी लाइफ चाहे कितनी भी बिजी क्यों न हो, लेकिन अपनी दिनचर्या में कुछ वक्त व्यायाम को अवश्य दें। दरअसल, जब आप व्यायाम नहीं करते तो आपका वजन बढ़ने लगता है। साथ ही इससे आपको टाइप 2 डायबिटीज और कार्डियोवेस्कुलर बीमारी होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। यह बीमारियां आगे चलकर अंधेपन का कारण बनती हैं। इसलिए आप प्रतिदिन व्यायाम के जरिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। इसके अतिरिक्त आप कुछ विशेष प्रकार की आई एक्सरसाइज भी कर सकते हैं और अपनी आंखों को तंदुरूस्त रख सकते हैं।

आंखों के बचाव के तरीके

- लगातार रोजाना दो से तीन घंटे कंप्यूटर पर कार्य करने से व्यक्ति में कंप्यूटर विजन सिंड्रोम के लक्षण देखने को मिल सकते है। कुछ सावधानियां बरतकर कंप्यूटर विजन सिंड्रोम से बचाव किया जा सकता है।
- आंखों को सुरक्षित रखने के लिए कंप्यूटर, आईपैड, स्मार्टफोन से दूरी के साथ ही लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। तभी अधिकतर सीवीएस के लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है।
- जिस कमरे में कंप्यूटर हो उसमें उचित प्रकाश होना जरूरी है, ज्यादा तेज रोशनी भी नहीं होनी चाहिए एवं प्रकाश व्यक्ति के पीछे से होना चाहिए, सामने से नहीं।
- जब भी कंप्यूटर के पास बैठें तो हर 20 मिनट के गैप में 20 सेकंड के लिए स्क्रीन से नजरें हटा लें और 20 फुट दूर किसी फिक्स्ड प्वाइंट पर फोकस करें।
- आइज मूवमेंट आंखों को बेहतर करने में लाभकारी है। ऑफिस या घर पर मॉनिटर को कुछ इस तरह सेट करें कि आंखें मॉनिटर के टॉप लेवल पर हों।
- कंप्यूटर डिवाइस का कंट्रास्ट या ब्राइटनेस लेवल को सेट करें या एंटीग्लेयर कवर और कंप्यूटर ग्लास फिट कराएं।
- बेहतर लेंस का प्रयोग करें या एंटी ग्लेयर (चौंध रहित) चश्मा पहने एवं चौंध रहित स्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए।
- जब कभी भी स्क्रीन के सामने घंटे भर से अधिक बैठे हों तो ड्राई आईज से बचने के लिए पलकें, धीरे-धीरे झपकाएं। साथ ही, सीवीएस से बचने के लिए स्मॉल ब्रेक्स और हेल्दी लाइफस्टाइल भी जरूरी है।
- आंखों के लिए कंप्यूटर विजुअल चैलेंज हो सकता है पर जब परहेज के साथ इस्तेमाल किया जाए तो पर्मानेंट डैमेज कभी नहीं होने देता। आंखों में जब भी अच्छा सा महसूस न हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

सुझाव

गायब हो जाएंगे मस्से

ये करें उपाए

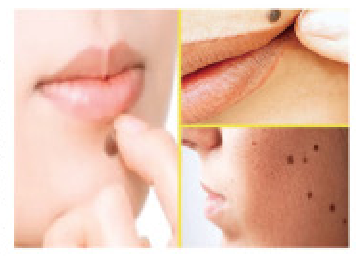

बदसूरती पर दाग की तरह होते हैं मस्से। पर, इन मस्सों से छुटकारा पाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप कॉस्मेटिक सर्जन के क्लीनिक के ही चक्कर लगाएं। कुछ बेहद आम बातों को ध्यान मे रखकर भी आप इन मस्सों से छुटकारा पा सकती हैं। कोई खूबसूरत चेहरे की कामना करता है, लेकिन इस खूबसूरत चेहरे पर जब कोई दाग, मुहांसे या मस्से इत्यादि हों तो चेहरा एकदम बिगड़ सा जाता है। मस्सों से निजात पाने के लिए आज युवा हर उपाय अपनाने को तैयार रहते हैं। हालांकि मस्से सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, बल्कि गर्दन, हाथ, पीठ, चिन, पैर इत्यादि कहीं पर भी हो सकते है। मस्सों को दूर करने के लिए कई तरह की क्रीम भी बाजार में मिल जाती हैं, लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस तरह की क्रीम्स बहुत ज्यादा असरकारक नहीं होती।

ऐसे होते हैं मस्से

दरअसल, मस्से पिगमेंट कोशिकाओं के समूह होते हैं, जो काले-भूरे रंग के होते हैं। आमतौर पर यह नुकसानदायक नहीं होते, लेकिन समय पर इनका इलाज न कराया जाए तो ये कैंसर का रूप ले सकते हैं। कुछ मस्से आनुवांशिक होते हैं तो कुछ अधिक धूप में रहने के कारण हो जाते हैं। कुछ मस्से ऐसे होते हैं, जो उत्पन्न होकर अपने आप समाप्त हो जाते हैं। मस्से के काटने या फोड़ने पर इनके शरीर के अन्य हिस्सों में होने की आशंका बनी रहती है। कभी-कभी मस्से का वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति की त्वचा पर आकर उसकी त्वचा पर भी मस्से बना देते हैं।

यह है उपचार

- बी कॉम्पलेक्स, विटामिन ए, सी, ई युक्त आहार के सेवन से मस्सों को दूर किया जा सकता है।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए और किसी दूसरे का तौलिया आदि इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए।
- मस्से पर आलू की फांक रगड़ें या केले के छिलके के भीतरी भाग को रगड़ें।
- मस्सा खत्म करने के लिए एक अगरबत्ती जला लें और अगरबत्ती के जले हुए गुल को मस्से का स्पर्श कर तुरंत हटा लें। ऐसा 8-10 बार करें, इस उपाय से मस्सा सूखकर झड़ जाएगा।
- कुछ खट्टे सेब लेकर उनका जूस निकालें और उसको दिन में कम से कम तीन बार मस्से की जगह पर लगाएं। नियमित रूप से लगाने पर आप पाएंगे कि मस्से धीरे-धीरे झड़ रहे हैं और तीसरे सप्ताह तक यह बिल्कुल खत्म होते दिखेंगे।
- एक प्याज को लेकर उसके रस को दिन में एक बार नियमित रूप से लगाना प्रभावकारी होगा।
- बेकिंग सोडा और अरंडी के तेल को रात में मस्सों पर लगाकर सोने से मस्सों को दूर करने में मदद मिलती है।
- हालांकि मस्सों के इलाज की तकनीक हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होती है, लेकिन आमतौर पर होने वाले मस्सों पर यदि लहसुन का रस हर दिन लगाया जाए तो मस्से दूर हो जाते हैं। आप फूलगोभी के रस को प्रतिदिन मस्सों पर लगा सकती हैं।
- हर सुबह और रात मस्सों पर शहद लगाएं।
- मस्सों से छुटकारा पाने के लिए पोटैशियम बहुत लाभदायक है। पोटैशियम सेब, केला, अंगूर, आलू, मशरूम, टमाटर, पालक आदि में होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2621

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 / 24	1	2	3	4	5
7					
8					
9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2620 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 2621

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या है?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरुख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरुद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2620

सूडोकु -2621

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2620 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 2621

बाएँ से दाएँ

1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला,जाम-2
11. टोंटी,नलका-2
12. आनंद,जूस-2
13. प्रतिज्ञा,शपथ-3
16. सिमरन,सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन,लेखनी-3
22. कमल,जलज-3
23. क्रोध,गुस्सा-2
24. पाश,फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव,प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1. उर्वरक-2
2. विशाल,श्रेष्ठ-3
3. धनवान,संपन्न-3
4. प्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5. दैत्य,असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार,पार लगाना-3
10. शरण,आश्रय-3
14. चूर-चूर,ढहा-5
15. टोंटी,नलका-2
17. युद्ध,संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र,दोस्त,मीत-2
27. हूर,अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर,नैहर-3
34. युक्तिवाद,पैरवी-3
35. टब,परात,तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत,तह-2
41. कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -2620 का हल

यूपी में एनकाउंटर नहीं, हत्याएं हो रही हैं – अखिलेश यादव

एजेंसी

बाराबंकी,। उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बहराइच एनकाउंटर पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस को बिगाड़ दिया गया है। सपा ने पुलिस को बेहतर करने के लिए डॉयल 100 समेत कई सुविधाएं दी, कई कार्यालय दिए। उन्होंने कहा कि जब भी जांच होगी, तो उस पर कार्रवाई भी होगी और दोषी जेल भी जाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि सबने देखा था कि इस सरकार के पहले डीजीपी ने कहा था कि पुलिस जो आज एनकाउंटर कर रही है, कल इनके साथ कोई खड़ा नहीं दिखाई देगा। इनकी सरकार के पहले डीजीपी इन पर सवाल खड़े रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस सरकार में जितने भी एनकाउंटर हो रहे हैं, वो एनकाउंटर नहीं, बल्कि हत्या है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के बहराइच स्थित महाराजगंज में हुए हत्याकांड में शामिल पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसमें दो लोगों को मुठभेड़ के दौरान पैरों में गोली लगी है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बताया कि 13 अक्टूबर को महाराजगंज में एक युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में बहराइच पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया। उनके नाम मोहम्मद फहीन (नामजद), मोहम्मद तालीम उर्फ सबलू, मोहम्मद सरफराज (नामजद), अब्दुल हमीद (नामजद) और मोहम्मद अफजल हैं।

उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ अग्निकांड पीड़ितों को और राहत देने का किया वादा

जम्मू। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ जिले के सुदूरवर्ती वारवान इलाके का दौरा किया और अग्नि पीड़ितों को और अधिक राहत देने का वादा किया। किश्तवाड़ जिले के सुदूरवर्ती वारवान इलाके में मंगलवार को लगी भीषण आग में 70 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। इलाके में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा केंद्र न होने के कारण आग ने 70 से अधिक आवासीय घरों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। राहत की बात यह रही कि इससे, इस आग में किसी की जान नहीं गई और न ही कोई घायल हुआ। भीषण सर्दी के मौसम में आग लगने से 100 से अधिक परिवार बेघर हो गए हैं और भारी बर्फबारी के कारण कई महीनों तक इलाका कटा रहेगा। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के साथ उमर ने नुकसान का जायजा लिया और आग पीड़ितों से बातचीत की। गांव में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों तक पहुंचना और उन्हें यह बताना मेरी जिम्मेदारी है कि इस मुश्किल समय में वे अकेले नहीं हैं। उनकी मदद करना और उनका पुनर्वास करना हमारी जिम्मेदारी है।

हम सभी सीटों पर दर्ज करेंगे जीत, यूपी उपचुनाव पर बोले अजय राय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने यूपी की सभी सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव में कांग्रेस की जीत का दावा किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में दो टूक कहा कि आप लोग देखिएगा कि हम लोग सभी सीटों पर जीत दर्ज करेंगे। वो एक कार्यक्रम में शिरकत करने हापुड़ पहुंचे थे। इस दौरान, उनका जोरदार स्वागत किया गया। अजय राय के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और यूपी के प्रभारी अविनाश पांडे भी मौजूद थे। उनका भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार तरीके से स्वागत किया। सभी नेताओं को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया और उन्हें भगवान परशुराम का फरसा भेंट किया गया। इस दौरान उनके साथ रामपुर खास से विधायक आराधना मिश्रा मोना और राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, सुनील शर्मा भी थे। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर संविधान बचाओ संकल्प रैली का आयोजन कर रही है। इस रैली का उद्देश्य दलित समुदाय के लोगों को बाबा साहब भीम राव आंबेडकर द्वारा दिए गए अतुलनीय योगदान के बारे में बताना है और हम इस काम को लगातार पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं।

शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में हुआ कृषि विभाग का सत्यानाश : दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भोपाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर हमला बोला। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि 1993 से 2003 तक प्रदेश में कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन एक भी बार हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी बोरी खाद्य की कालाबाजारी नहीं हुई। 2004 के बाद राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बने और खुद को किसान का बेटा बोलने वाले शिवराज के राज में कृषि विभाग का सत्यानाश हो गया। कृषि विभाग में पहले कभी कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ था, लेकिन शिवराज सरकार के 18 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार देखने को मिला। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार ने कृषि विभाग के झूठे आंकड़ें देकर हजारों करोड़ का घपला किया है। कांग्रेस के समय व्यवस्था थी कि 100 फीसद खाद सहकारी गोदामों में बंटेगी, लेकिन इन्होंने सरकार में आने के बाद इसे पूरी तरह से बदल दिया और उसे प्राइवेट सेक्टर के लोगों को सौंप दिया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पूर्वजों की पद्धति की ओर लौटने की आवश्यकता : डॉ मोहन भागवत

एजेंसी

सूरत। शहर के वेसू स्थित भगवान महावीर यूनिवर्सिटी की ओर से पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में 'हरित' कार्यक्रम के अंतर्गत 'वाइस चांसलर कॉनक्लेव' का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से वाइस चांसलर उपस्थित रहे। आयोजन में जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य महाश्रमण और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी मौजूद रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में पर्यावरण पर बात तो बहुत हो रही है, उसके लिए कुछ करने लायक बातों को आगे बढ़ाने का प्रयास हो। मनुष्य को विज्ञान नामक हथियार मिलने बाद वह अपनी कामनाओं के वशीभूत होकर

मर्यादा का लंघन कर स्वयं को दुनिया का मालिक मान बैठा था लेकिन आज विज्ञान भी मानने लगा है कि कोई ऐसी शक्ति है जो सृष्टि का संचालन कर रही है। प्रकृति के साथ चलने के बात बहुत पहले शंकराचार्यजी ने बताई थी। हमारे ऋषि, महर्षि ने इतनी सुन्दर व्यवस्था बनाई थी, उस ओर हमें पुनः धीरे-धीरे तर्कसंगत रूप में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। आप सभी गुरुजन यहां उपस्थित हैं तो बच्चों को उन पुरातन तथ्यों से अवगत कराएं और प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर चलने के लिए प्रेरित करें। आचार्य महाश्रमण ने कहा कि हमारे यहां पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि, वनस्पति आदि सभी को जीव माना गया है। इसलिए इन सभी तत्त्वों के प्रयोग में संयम और अहिंसा की चेतना हो तो पर्यावरण की समस्या से बचा जा सकता है। शिक्षा विभाग की इतनी विभूतियों का एक साथ मिलना विशिष्ट बात है। शिक्षा से जुड़े हुए लोग विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कार के प्रति भी जागरूक करें।

उनके मानसिक और भावात्मक विकास के लिए योग, ध्यान का भी अभ्यास हो, अहिंसा और संयम की चेतना का विकास हो तो पर्यावरण और समाज की सुरक्षा हो सकती है। यहां एक अहिंसा का सूत्र दिया गया है कि प्राणी जगत की समस्त आत्माएं समान होती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का 20 को वाराणसी दौरा, देश को देंगे कई परियोजनाओं का तोहफा

एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 अक्टूबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सुरक्षा के अभेद्य किलेबंदी के बीच छह घंटे प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री वाराणसी सहित पूरे देश को दीपावली के पहले 3254.03 करोड़ की परियोजनाओं की बड़ी सौगात भी देंगे। इसमें 380.13 करोड़ की 15 परियोजनाओं का लोकार्पण व 2874.17 करोड़ की दो परियोजनाओं का शिलान्यास होना है। वाराणसी प्रवास में प्रधानमंत्री मोदी सिगरा खेल स्टेडियम में जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए जिले में प्रशासनिक सरगर्मी बढ़ गई है। अफसर और भाजपा के काशी क्षेत्र के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। सिगरा स्टेडियम में तैयारियां अन्तिम दौर में है। एसपीजी टीम भी शहर में पहुंच गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से ही छह अन्य जिलों को एयरपोर्ट की सौगात देंगे। इसमें बागडोगरा, दरभंगा, आगरा एयरपोर्ट में नए सिविल एन्क्लेव का निर्माण का शिलान्यास करेंगे। इनकी लागत 3041 करोड़ रुपये हैं। इसके अलावा रीवा एयरपोर्ट में नए टर्मिनल भवन का निर्माण, मां महामाया एयरपोर्ट अंबिकापुर में नए टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य और सरसावा एयरपोर्ट में ए सिविल एन्क्लेव का निर्माण परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इनका निर्माण 255.18 करोड़ से होगा।

मेरी आस्था न्यायालय में नहीं, मथुरा में बने भव्य श्रीकृष्ण मंदिर : उमा भारती

एजेंसी

मथुरा। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती मथुरा पहुंची। यहां उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मामला न्यायालय में है। लेकिन, मेरी आस्था न्यायालय में नहीं है। मेरी इच्छा है कि मथुरा में भगवान श्री कृष्ण का भव्य मंदिर बनना चाहिए।

गुरुवार को तीर्थ नगरी वृंदावन पहुंची फायर ब्रांड नेता साध्वी उमा भारती पूरी तरह अध्यात्म के रंग में रंगी नजर आई।

सर्वप्रथम उन्होंने शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में जग प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में पूजन अर्चन किया। इसके बाद वह अपनी आराध्य प्राचीन राधा बाग स्थित कात्यायनी मंदिर पहुंची। यहां उन्होंने मां भगवती का आराधना कर देश में सुख शांति की कमाना की। इसके बाद वह अपने काफिले के साथ यमुना के केशीघाट पर पहुंची। जहां मोक्ष दायिनी मां यमुना महारानी का पूजन अर्चन कर देश में सुख शांति की प्रार्थना की। इस दौरान पत्रकारों से रूबरू हुई साध्वी उमा भारती ने कहा कि धार्मिक नगरी वृंदावन से उनका एक अलग ही नाता है। उन्होंने अपने राजनैतिक केरियर की शुरुआत मां कात्यायनी के आशीर्वाद से की थी। आज वह पार्लियामेंट में इस मुद्दे को पूर्व में ही उठा चुकी हैं। उनकी दिली इच्छा है, कि कृष्ण जन्म भूमि पर भगवान श्री कृष्ण का भव्य मंदिर बने और भगवान कृष्ण अपने भव्य मंदिर में बिराजमान होकर भक्तों को दर्शन दें।

जिस मुकाम पर हैं, वह उनकी आराध्य मां कात्यायनी का आशीर्वाद है। वहीं उन्होंने कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बनाए जाने के सवाल पर कि उन्होंने कहा कि वह इस दौरान सेवायतों गोस्वामियों द्वारा उन्हें प्रसादी व अंग वस्त्र भेंट किए गए। वहीं सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए।

किसानों के हित में काम कर रही है केंद्र सरकार : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने 2025-26 के लिए रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्र सरकार के इस फैसले पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिक्रिया दी।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के नेताओं को आमंत्रित किया गया था, उनसे किसान और खेती से संबंधित कई विषयों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा हुई। अब तक किसानों के लिए जो प्रयास किए गए हैं, उस पर भी चर्चा हुई है। इसमें रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का निर्णय भी शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लगातार किसानों के हितों में काम कर रही है। इस बारे में आज की बैठक में भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के नेताओं को जानकारी भी दी गई। किसानों से संवाद बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है। उनकी तरफ से कहा गया कि कृषि को लेकर एक मॉडल बनाया जाना चाहिए, इसमें छोटे किसानों को खेती की आधुनकि तकनीक की जानकारी देनी चाहिए। इसके अलावा बैठक में किसानों ने खेतों में पानी पहुंचाने, उर्वरकों का इस्तेमाल करने, मिट्टी के स्वास्थ्य बनाए रखने और प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान से जुड़े विषयों रखा। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि किसान नेताओं ने श्री अन्न योजना को बढ़ावा देने का भी सुझाव दिया है। उनकी तरफ से अन्य कई विषयों पर सुझाव दिया गया है, जिस पर गंभीरता के साथ व?िचार कर काम किया जाएगा। कई विषय राज्य

सरकार से जुड़े हुए हैं, जिसे राज्य की सरकारों के पास भेजा जाएगा और केंद्र सरकार से जुड़े मुद्दों पर हम मिलकर कार्रवाई करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरियाणा में नई सरकार के शपथ ग्रहण पर नायब सिंह सैनी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं नायब सिंह सैनी और उनकी सरकार में शामिल सभी मंत्रियों को बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर को आधुनिक भारत का विकास इंजन मानते हैं : मार्गेरिटा

एजेंसी

अगरतला। केंद्रीय विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी त्रिपुरा समेत पूरे पूर्वोत्तर को आधुनिक भारत का विकास इंजन मानते हैं। वे बुधवार को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करने के लिए त्रिपुरा पहुंचे थे। उन्होंने त्रिपुरा के खोवाई जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट चांदनी चंद्रन के साथ समीक्षा बैठक की।

केंद्रीय मंत्री मार्गेरिटा आज अपने त्रिपुरा दौरे के दूसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का यह अनिवार्य नियम है कि सभी केंद्रीय मंत्रियों को पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा करना है। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वोत्तर राज्यों को हाशिये पर माना जाता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री

मोदी ने त्रिपुरा समेत पूर्वोत्तर को भारत के इस महान राष्ट्र के केंद्र में ला दिया है। यह दौरा और समीक्षा बैठक यह आकलन करने के लिए है कि ग्रामीण क्षेत्रों को किस तरह से लाभ मिल रहा है। राज्य और केंद्र सरकार समाज, देश और पूरे पूर्वोत्तर की बेहतरी के लिए किस तरह से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर वह आज त्रिपुरा आए हैं और खोवाई जिले का दौरा किया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी और शिक्षा समेत केंद्र सरकार के कई कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा, मैंने उनकी प्रगति और कार्यान्वयन की समीक्षा की है। उन्होंने कहा, मैं केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपूंगा और मोदी सरकार इसी तरह काम करती है। पहले केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर का दौरा बहुत कम करते थे, लेकिन अब वे बहुत बार दौरा कर रहे हैं। उन्हें हर क्षेत्र का दौरा करना, काम करना और उस पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर इस क्षेत्र का दौरा करते हैं, जो पूर्वोत्तर के प्रति उनके प्यार और सम्मान को दर्शाता है। वह पूर्वोत्तर को आधुनिक भारत के विकास इंजन मानते हैं और इसे %अष्टलक्ष्मी% कहते हैं। कल मैंने मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी मुलाकात की और सब कुछ ठीक चल रहा है।

त्रिपुरा में तीन बांग्लादेशी व चार दलाल गिरफ्तार

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा में अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों ने तीन बांग्लादेशी नागरिकों तथा चार भारतीय दलालों को गिरफ्तार किया है। त्रिपुरा पुलिस, रेलवे पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा अलग-अलग अभियानों के दौरान इन्हें गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले के रहीमपुर बॉर्डर आउटपोस्ट के इलाके में बीएसएफ के जवानों ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को उस समय पकड़ा, जब वे सीमा बाड़ को पार करके भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे। पकड़े गए दोनों बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश के ढाका के निवासी बताए गए हैं। पकड़े गए बांग्लादेशियों द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर सिपाहीजाला जिले के गुरंगोला गांव में बीएसएफ और त्रिपुरा पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर घुसपैठ में मदद करने वाले एक दलाल को गिरफ्तार किया। वहीं, एक अन्य अभियान में आज तड़के पश्चिम जिले के बॉर्डर आउटपोस्ट मोहनपुर के इलाके में एक अन्य बांग्लादेशी नागरिक को उस समय पकड़ा गया, जब वह सीमा बाड़ को पार करके भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। पकड़ा गया बांग्लादेशी बांग्लादेश के चपैनवाबगंज जिले का निवासी है। इनके अलावा, बीएसएफ द्वारा जीआरपी अगरतला और त्रिपुरा पुलिस के साथ दो अलग-अलग खुफिया जानकारी पर आधारित संयुक्त अभियानों में अवैध घुसपैठियों की मदद करने के आरोपित तीन भारतीय दलालों को गिरफ्तार किया गया।

कर्नाटक भाजपा ने आदिवासी बोर्ड घोटाले के लिए मांगा सिद्दारमैया का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से आग्रह किया कि वह महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर जनजातीय बोर्ड घोटाले के लिए प्रायश्चित करते हुए इस्तीफा दें। पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने न्यायमूर्ति गजानन भट्ट द्वारा जारी आरोप पत्र की एक प्रति दिखाते हुए कहा कि न्यायपालिका ने जमानत आदेश के माध्यम से दिखाया है कि एक व्यक्ति ने गलत काम किया है। उन्होंने दावा किया कि सीएम सिद्दारमैया ने अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और इस्तीफा देने के लिए बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं। ईडी के आरोप पत्र में उल्लेख किया गया है कि पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र ने एक कार खरीदने, पारिवारिक यात्राओं के लिए हवाई टिकट, पेट्रोल और डीजल खर्च तथा घरेलू कर्मचारियों के वेतन का भुगतान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के लिए निगम के फंड का इस्तेमाल किया।

तेलंगाना में टीएसपीएससी परीक्षा की मांग को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

हैदराबाद। बेरोजगार छात्रों एवं युवाओं ने तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) की ग्रुप-1 सेवाओं की मुख्य परीक्षा को फिर से आयोजित करने की मांग को लेकर अशोक नगर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार शिक्षित युवाओं के अधिकारों को पुलिस के जरिए कुचल रही है। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति ने प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस के व्यवहार पर चिंता जताई। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने उनसे मिलने का वादा किया। आंदोलनकारी लंबे समय से सरकार से परीक्षाओं को फिर से आयोजित करने की मांग कर रहे हैं। केटी रामाराव आज आंदोलनकारियों से मिलने के लिए अशोक नगर जाने वाले थे। इसके मद्देनजर वहां रात से ही भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था।

आंदोलनकारी छात्रों ने आज तेलंगाना भवन में रामाराव से मिलने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने कई छात्रों को हिरासत में ले लिया। रामाराव ने एक्स पोस्ट में छात्रों की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए उन्हें रिहा करने की मांग की है। बीआरएस नेता ने परीक्षाओं को फिर से नहीं कराने को लेकर राज्य सरकार की अनिच्छा पर भी सवाल उठाया।

जीवाश्म ईंधन के आयात को तत्काल कम करने की जरूरत : नितिन गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जीवाश्म ईंधन के आयात पर 22 लाख करोड़ रुपये खर्च होता है इसलिए जीवाश्म ईंधन के आयात को तत्काल कम करने की जरूरत है। मेथनॉल, इथेनॉल और बायो-सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधन के उपयोग से भारत की लॉजिस्टिक लागत कम हो सकती है। उन्होंने बायोमास के अधिक कुशल स्रोतों और बायोमास के लिए लागत प्रभावी परिवहन तरीकों पर अतिरिक्त शोध का भी आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय मेथनॉल सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर कहा कि भारत जैव ईंधन विशेषकर मेथनॉल के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। सस्ते और प्रदूषण मुक्त मेथनॉल के उपयोग में सफलता मिल रही है। कम

गुणवत्ता वाला कोयला जिन राज्यों में उपलब्ध है, उनका उपयोग मेथनॉल बनाने के लिए भी किया जा रहा है। गडकरी ने मेथनॉल पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार और एक्सपो आयोजित करने के लिए नीति आयोग की सराहना की। गडकरी ने कहा कि फसल अवशेषों के उपयोग की पहल देशभर में किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर रही है। अपशिष्ट से ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से चावल के भूसे से बायोसीएनजी का उत्पादन पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में पहले से हो रहा है। चावल के भूसे का बायोसीएनजी में रूपांतरण अनुपात लगभग 5ः1 टन है। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हम पुआल का पांचवां हिस्सा संसाधित कर सकते हैं लेकिन बेहतर योजना के साथ हम वैकल्पिक ईंधन के लिए कच्चे माल के रूप में पुआल का उपयोग करके पुआल जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन के आयात के महत्वपूर्ण मुद्दों से निबटने के लिए भारत को एक ऐसी नीति के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है जो लागत प्रभावी, स्थानीय, आयात-प्रतिस्थापन उन्मुख और रोजगार पैदा करने वाली हो।

सीवान में संदिग्ध परिस्थिति में 20 लोगों की मौत

एजेंसी

सीवान। बिहार में सीवान जिले के भगवानपुर हाट प्रखंड के माघर एवं कौडिया पंचायत में संदेहास्पद परिस्थिति में 20 लोगों की मौत हो गयी है। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कन्हैया कुमार ने आज यहां बताया कि माघर एवं कौडिया पंचायत में संदेहास्पद परिस्थिति में अबतक 20 लोगों की मौत हो गयी है। उन्होंने बताया कि 63 बीमार व्यक्तियों को सीवान सदर अस्पताल,बसंतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं गंभीर रूप से बीमार को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। 20 लोगों का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। बीमार व्यक्तियों में से गंभीर रूप से बीमार 13 व्यक्तियों को पीएमसीएच में रेफर किया गया। अब तक कुल 30 व्यक्तियों का सफलतापूर्वक इलाज कर अस्पताल से डिस्चार्ज कर वापस उनके घर भेज दिया गया है। जिला पदाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता ने बताया कि इस घटना के संबंध में पांच वरीय चिकित्सकों का मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है। सीवान सदर अस्पताल में 30 बेड ,सीएचसी बसंतपुर में 20 बेड एवं सब डिवीजन अस्पताल ,महाराजगंज में 30 बेड बीमार व्यक्तियों के इलाज के लिये सुरक्षित रखा गया है। सभी अस्पतालों में वरीय प्रशासनिक पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है, जिनके देखरेख में चिकित्सकों के द्वारा बीमार व्यक्तियों का त्वरित इलाज करवाया जा रहा है।प्रभावित पंचायत के सभी वार्डों में एएनएम ,आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेविका/ सहायिका जीविका दीदी, विकास मित्र तथा सभी पंचायत स्तरीय कर्मी को डोर-टू-डोर भ्रमण कर गंभीर लक्षण वाले व्यक्तियों की पहचान कर इलाज के लिये अस्पताल भेजने का जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया है। इन कार्यो का अनुश्रवण करने के लिये प्रशासनिक पदाधिकारी की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।जिलाधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर अपर समाहर्ता सिवान ,अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महाराजगंज लगातार कैंप कर रहे हैं।जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही इस संबंध में नियम अनुसार अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।सदर अस्पताल ,बसंतपुर स्वास्थ्य केंद्र एवं सब डिविजनल अस्पताल महाराजगंज को 24 घंटे अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है। प्रभावित पंचायत में अतिरिक्त एंबुलेंस की व्यवस्था कर दी गई है।घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

बिश्नोई गैंग के गिरफ्तार शॉर्प शूटर ने कहा, 'कोई भला आदमी नहीं था बाबा सिद्दीकी'

एजेंसी

मथुरा। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर योगेश को दिल्ली पुलिस और मथुरा की रिफाइनरी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गुरुवार तड़के गिरफ्तार किया। घायल योगेश को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने मीडिया से बात की। पिछले दिनों मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस बीच दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गैंग के शार्प शूटर योगेश को पकड़ लिया। उसने बताया कि पुलिस ने उसे बदायूं से गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगी है, जिसके इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है।योगेश ने बताया कि वह गरीब परिवार से है। उसे बेवजह सताया गया और झूठे मुकदमे लगाए, जिस कारण वह अपराध की दुनिया में आ गया। आरोपी ने खुद को हाशिम बाबा गैंग का बताया, जो लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करता है। बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर उसने कहा कि बाबा सिद्दीकी कोई भला आदमी नहीं था, उनके ऊपर मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) का केस लगा हुआ था और उनके दाऊद इब्राहिम के साथ भी संपर्क थे। उसने आगे बताया कि गैंग बहुत बड़ा है और भारत के बाहर तक फैला हुआ है। किसी की भी जानकारी आसानी से मिल जाती है। जिसकी रेकी करनी होती है, फोन और नेट के माध्यम से उसकी पूरी जानकारी निकाल लेते हैं।

शिशु को नहलाना भी एक कला है

नन्हा शिशु बहुत कोमल होता है। जरा-सी लापरवाही उसके लिए नुकसानदेह हो सकती है। इस कला में निपुण होने के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

- बच्चे को नहलाते समय आपकी यही कोशिश होनी चाहिए कि वह पानी से डरने की बजाय स्नान में आनंद व प्रसन्नता का अनुभव करे। बच्चे को टब में बिठा कर नहलाएं। पानी से कलोल करने में उन्हें आनंद आता है, जिसे वे अपनी किलकारियों से प्रकट करते हैं। उसके इस आनंद में आप भी शामिल हों और अपना व अपने बच्चे का आनंद बढ़ाएं।
- शिशु को नहलाना शुरू करने के पहले सभी आवश्यक सामान अपने पास पहले ही रख लें ताकि आपको बीच में उठना न पड़े।
- बच्चे को नहलाने से तभी निश्चित करें, जब आपके पास पर्याप्त समय हो। हड़बड़ी में नहलाने से बच्चा पानी से भय खा सकता है।
- नहलाने से पहले बच्चे के शरीर की तेल से मालिश करें। मालिश करते समय सावधानी बरतें कि हाथ कोमलता से चलें और बच्चों के नाजुक अंगों को कोई झटका न लगे।
- मालिश के कुछ समय बाद ही नहलाना ठीक रहता है। सर्दी में बच्चों को धूप-स्नान देने के बाद ही नहलाना चाहिए। मालिश के बाद नहलाने से बच्चे की त्वचा स्वस्थ होती है। बच्चे की मांसपेशियों को व्यायाम व विश्राम मिलता है और बच्चा तनाव-थकान मुक्त होकर आराम की नींद सोता है।
- नहलाते समय आपके हाथ एकदम साफ हों, नाखून कटे हुए हों। यदि आपके हाथ में चुभने वाली चूड़ी, घड़ी या अंगूठी है तो उसे उतार दें।
- शिशु को न तो दूध पिलाने के एकदम बाद नहलाएं और न ही जब वह बहुत भूखा हो या किसी कारणवश रो रहा हो। स्नान के बाद उसे भली-भांति पोंछ कर मौसम के अनुकूल वस्त्र पहना कर दूध की खुराक दें ताकि पेट भर जाने के बाद ताजगी व प्रफुल्लता से शांति व आराम से देर तक सोता रहे।
- इस प्रकार आपकी थोड़ी-सी सावधानी व सूझ-बूझ बच्चों को स्वस्थ व प्रसन्नचित रखने में सहायक होगी और आप भी अपने साफ-सुथरे लाडले को आराम से सोता, खेलता देख कर खुश रहेंगी।

नौकरी पर परिवार को वरीयता देती महिलाएँ

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था।

डॉक्टर की डिग्री लेकर जॉब कर रही 34 साल की निशा की जिंदगी तब आसान नहीं रह गई जब उनका पहला बच्चा हुआ। उनके इंजीनियर पति और उनके पढ़े लिखे परिवार ने निशा को नौकरी छोड़कर होममेकर बनने की सलाह दी। बच्चे व परिवार की देखभाल के लिए उसे यह कदम उठाना सही लगा। आजकल ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार और बच्चे की देखभाल के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। निशा की सैलरी 40 हजार रुपए होते हुए भी उसे यही लगा कि उसे यह फैसला करना पड़ेगा। क्योंकि उसे अपने आस-पास कोई मदद करने वाला नहीं दिखा। ज्यादातर घरों में महिलाएं तभी जॉब कर पाती हैं जब उनके परिवार में उनके बच्चे को संभालने वाला कोई होता है। चाहे वह सास हों या मां या फिर जेठानी-देवरानी। नेशनल सैंपल सर्वे आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार जहां 2009-10 में भारत में जहां 47 फीसद महिलाएं होममेकर थीं, वहीं 1999-2000 में इसमें करीब पांच से छह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब ज्यादातर भारतीय महिलाएं अपने परिवार की देखभाल के लिए अपना कॅरियर और जॉब को छोड़ रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है- एकल परिवार। एकल परिवार में महिलाओं को घर-परिवार और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारी अकेले ही उठानी पड़ती है। परिवार की जिम्मेदारी बखूबी निभाने में वे चौतरफा दबाव में रहती हैं। कहीं यह मजबूरी में है तो कहीं खुशी से। एक सर्वे के मुताबिक करीब 15 से 17 फीसद महिलाएं सामाजिक व पारिवारिक दबाव में होममेकर रहती हैं। वहीं लगभग सात से दस फीसद महिलाएं घरेलू काम इस वजह से करती हैं कि वे मेड का खर्च नहीं उठा सकतीं। अभी पिछले दिनों जापान से खबर आई है कि वहां भी महिलाएं नौकरी छोड़ कर होममेकर बनना चाहती हैं। यह एक बड़ा बदलाव है। शायद ग्लोबल भी।

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था। हालांकि होममेकर के काम को आजकल कोई महत्व नहीं दिया जाता। देश की छोड़िए घर की इकोनामी प्रॉफिट में भी कभी उनके काम को शामिल नहीं किया जाता। मगर देखा जाए तो आज महिलाओं की जब कोई मदद करने वाला नहीं होता, तो उनके पास कोई विकल्प नहीं बचता।

पिछले दिनों गृहणियों को पति की सैलरी का कुछ हिस्सा उनकी मेहनत के लिए दिए जाने की बात चली पर समय के साथ ठंडी पड़ गई। वैसे भी जिस घर और पति पर एक होममेकर का पूरा अधिकार है तो फिर मेहनताना किस बात का? और अपने इसी घर-परिवार को संभालने के लिए आज ज्यादातर महिलाएं होममेकर की भूमिका निभाना चाहती हैं। घर परिवार की जिम्मेदारी के साथ-साथ महिलाएं अब घर पर रहकर ही छोटे-छोटे काम कर अपनी पॉकेट मनी निकाल लेती हैं। ऐसे में परिवार के साथ-साथ उन्हें इस बात का भी मलाल नहीं रह जाता कि वह जॉब नहीं कर रही या उनकी शिक्षा बेकार जा रही है। आजकल की आधुनिक युवा महिलाएं शानदार पेंटिंग बना रही हैं तो घर पर फैशन डिजाइनिंग का काम भी कर रही हैं। कुछ महिलाएं टिफिन से लेकर पापड़-बड़िया तक का कारोबार कर रही हैं। यों काम कोई छोटा-बड़ा नहीं। सबसे अहम यह है कि परिवार पर आप ध्यान दे रही हैं और आप खाली भी नहीं हैं। कुछ न कुछ तो कर ही रही हैं।

पॉजीटिव एनर्जी भी जरूरी

किसी भी घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तु बहुत उपयोगी होता है। वास्तु यह सुनिश्चित करता है कि घर में पॉजीटिव एनर्जी प्रवेश करे और सारी नैगेटिव वेव्स भाग जाएं। जब बात दीवाली की आती है तो वास्तु का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है।

चीजों का स्थान बदल दें

वास्तु के अनुसार घर में रखी कुछ चीजों को इधर से उधर जरूर रखना चाहिए। यदि आप सोफे पर रखा कुशन भी एक सोफे से दूसरे सोफे पर रख दें तो भी आपका काम हो जाएगा। शो-पीस, फ्लावर पॉट या फिर सोफा इत्यादि को एक-दूसरे के स्थान पर बदल कर रख सकती हैं।

नमक के पानी का छिड़काव

यूं तो पोंछा लगाने वाले पानी में नमक डालने से नैगेटिव एनर्जी दूर होती है परंतु आप दीवाली की सफाई के दौरान पानी में नमक मिला कर इसे घर के हर कोने में छिड़कते हैं तो भी यह घर की नैगेटिव एनर्जी को सोख लेता है।

दीवाली हो मीठी-सी

इस दिन आपके घर में चीनी की बिल्कुल भी कमी नही होनी चाहिए। यह एक रस्म है जो सुनिश्चित करती है कि आप का पूरा साल मीठा बीते। घर आए मेहमानों का मुंह मिठाई, केक, बिस्कुट या चॉकलेट से अवश्य मीठा कराएं। इससे रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है।

मुख्य प्रवेश द्वार

आपके घर का मुख्य प्रवेश द्वार बेहतरीन अवसरों को आप तक पहुंचाने में मदद करता है। इसलिए मेन गेट के सामने कोई अवरोध नही होना चाहिए तथा मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दरवाजे के सामने खूबसूरत रंगोली अवश्य बनानी चाहिए।

धन के लिए उत्तर जाइए

घर में उत्तर दिशा को कुबेर का स्थान कहा जाता है। सुनिश्चित करें कि माता लक्ष्मी की मूर्ति यहीं रखी जाए और गणेश जी की मूर्ति उनके दाहिने ओर हो। इसके अलावा मूर्तियों को लाल रंग के वस्त्र पहनाएं तथा उनका पूरा श्रृंगार करें।

बहता हुआ पानी

बहता पानी घर की सारी नैगेटिव एनर्जी को अपने साथ बहा कर ले जाता है। आप भी इन दिनों अपने घर के नॉर्थ-ईस्ट साइड में कोई छोटा-सा झरना लगा सकती हैं।

फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स से स्टाईलिश बनाएं सपनों का घर

आपके घर को सुंदर और स्टाईलिश बनाने के लिए विश्व की सबसे बड़ी पेंट एवं कोटिंग कंपनी एक्जोनोबल के ब्रांड ड्यूलक्स ने एक ब्रांड कैंपेन के माध्यम से अपने नये ड्यूलक्स वेल्वेट टच कलेक्शन- 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' प्रस्तुत किया है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच-फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स फैशन से प्रेरित हाई-एंड इमल्शन (सजावटी पेंट) की पेशकश है जो आपके घर के वातावरण को फिर से ताजा करके इसे सुंदर, स्टाइलिश एवं 'सिंपली यू' बनाएगा। इस बारे जानकारी देते हुए निदेशक-विक्रय एवं विपणन सजावटी पेंट्स, एक्जोनोबल इंडिया राजीव राजगोपाल ने बताया, ''पिछले तीन दशकों से, ड्यूलक्स वेल्वेट टच भारत का अग्रणी इमल्शन ब्रांड बनकर उभरा है और होम डेकोर के क्षेत्र में इसने अलग जगह बनायी है। 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' ब्रांड पोजिशनिंग से कहीं बढ़कर है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच के ब्रांड एम्बेसडर व अभिनेता, निर्देशक, गायक फरहान अख्तर और प्रमुख फैशन डिजाइनर मनीष मलहोत्रा के मुताबिक, ''उनके लिए फैशन कार और कपड़ों से कहीं ज्यादा है। यह उस घर के विषय में भी हो सकता है, जिसमें हम रहते हैं और ड्यूलक्स पिछले कई वर्षों से अपनी वेल्वेट टच श्रृंखला के साथ घरों और उसमें रहने वाले लोगों को उनकी रचनात्मकता प्रस्तुत करने और स्टाइलिश बनने का माध्यम उपलब्ध करा रहा है। यह प्रमुख कारणों में से एक है कि उन्होंने ड्यूलक्स वेल्वेट टच का चयन किया।

ऐसे बनता है सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व

महिलाएं अपने सौंदर्य को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। लेकिन सौंदर्य सिर्फ त्वचा की देखभाल तक ही सीमित नहीं है। आचरण, आदतें और व्यवहार भी सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व के लिए जरूरी है। कुछ आदतें जो किसी महिला की छवि गलत बनाती हैं वह इस प्रकार हैं-

- सभ्य, सुसंस्कृत, फैशनेबल दिखने वाली स्त्री जिसका मुख खुलते ही बाह्य आवरण उड़ जाए यानी उसका गलत उच्चारण हो, गंदे और मैले दांत हों।
- खाते-पीते समय मुख की आकृति बेकाबू रहती हो।
- हंसने-मुस्कुराने के अंदाज का अभाव हो।
- बन-बनकर इठलाती-इतराती बोलती हो।
- व्यवहार में शिष्टाचार का अभाव हो। मौके-बेमौके सार्वजनिक स्थलों पर भी व्यवहार व बातचीत के तौर-तरीकों का अभाव हो।
- चपर-चपर कर खाती हो।
- शारीरिक अंग-प्रत्यंगों का संतुलन खोकर उच्छृंखल कदमों की बेताल चाल चलने वाली हो।
- वस्त्रों का सुरुचिपूर्ण चुनाव तथा पहनने-ओढ़ने की कला का अभाव हो।
- मौसम, आयु व अवसर के प्रतिकूल पहनावा हो।
- चेहरे पर उम्र की मार को नकारते हुए बालों को डाई किया हुआ हो।
- खूबसूरत साड़ी में बेजोड़ ब्लाउज को छिपाने का व्यर्थ प्रयास किया गया हो।
- किसी पार्टी में सबसे आगे भीड़ में घुसकर खाना ले रही हों।
- हाथ नचाकर या ताली पीटकर या किसी के कंधे या हाथ पर मारकर बातें कर रही हो।
- बातों में छिछोरे शब्दों का प्रयोग या गाली-गलौज से बातें करने वाली हो।
- ब्लाउज में हुक के स्थान पर पिन का प्रयोग या कंधे पर ढीले ब्लाउज से झांकता ब्रा का स्ट्रैप हो।
- मोटी थुलथुल कमर पर ऊंचा सा ब्लाउज तथा नाभिदर्शना साड़ी पहने हो।
- मोटी-मोटी बांहों पर स्लीवलेस ब्लाउज पहनकर सबके सामने बांहें उठाकर बैठी हो।
- कुर्सी पर एक टांग दूसरी पर रखकर ऐसे बैठी हो कि खुली टांगें भद्दी दिखें।
- जल्दी-जल्दी में लिपिस्टिक पोतने के प्रयासों में दांतों पर दाग लग गया हो।
- सांवले रंग पर बेमेल चटख रंगों के कपड़ों का चुनाव किया गया हो।
- ढलती उम्र में बहुत पतली नुची-खुची भवें रखी गई हों या झुर्रीदार आंखों पर मेकअप या प्रौढ़ावस्था में हैवी मेकअप हो।
- लम्बे नाखून मगर शेप रहित व गंदे मैल भरे हों।
- पुरुषों के बीच बैठकर बेवजह आकर्षण का केन्द्र बनने की कोशिश हो।
- शॉपिंग के समय दुकानदार से बेवजह बहस कर रही हो।
- फैशन की अंधी दौड़ में बहकर चेहरे के शेप के प्रतिकूल सज्जा की हो।

अर्जुन एरिगैसी ने जीता डब्ल्यूआर शतरंज मास्टर्स कप, फ्रांस के वचियर-लाग्रेव को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंड मास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव को हराकर 2024 डब्ल्यूआर शतरंज मास्टर्स कप जीत लिया है, जिसमें उन्हें 20,000 यूरो का शीर्ष पुरस्कार और 27.84 एफआईडीई सर्किट अंक मिले। हालांकि, जीत के बावजूद एरिगैसी 2800 का आंकड़ा पार नहीं कर सके, क्योंकि उनके फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी ने क्लासिकल खेलों में लगातार दो ड्रॉ कराए। एरिगैसी को पता था कि उन्हें अपने करियर में पहली बार 2800 अंक पार करने के लिए अंतिम दिन क्लासिकल शतरंज में जीत हासिल करनी होगी। वैचियर-लाग्रेव ने अपने सभी क्लासिकल गेम ड्रॉ किए थे, लेकिन तीन में से तीन आर्मगेडन जीते थे, अर्जुन ने अपनी रणनीति पर कहा, मूल रूप से, मुझे लगा कि मुझे इसे क्लासिकल में ही खत्म करना चाहिए! एरिगैसी, जो 2796.1 की लाइव रेटिंग के साथ दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी हैं, ने खिताब जीतने के रास्ते में हमवतन विदित गुजराती और आर. प्रज्ञानंद को हराया।

पीवी सिंधु ने चीन की हान यू को हराकर डेनमार्क ओपन के क्वार्टरफाइनल में

कोपेनहेगन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने डेनमार्क ओपन 2024 के राउंड ऑफ 16 में चीन की हान यू को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां खेले गये मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने 63 मिनट तक चले मैच में चीनी खिलाड़ी पर 18-21, 21-12, 21-16 से जीत दर्ज की। चीन की हान यू पर पीवी सिंधु की यह सातवीं जीत है।भारतीय शटलर पीवी सिंधु को पहले गेम में 18-21 से हारने के बाद वापसी की और दूसरे गेम में शानदार शुरुआत करते हुए बढ़त हासिल की और चीन की शटलर के खिलाफ ब्रेक से पहले तक 11-6 की बढ़त बनाते हुए गेम पर अपनी पकड़ मजूबत कर ली। ब्रेक के बाद भी सिंधु ने अपनी लय जारी रखते हुए विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी को 21-12 से स्कोर से हराकर मैच में 1-1 की बराबरी कर ली। तीसरा और निर्णायक गेम बेहद रोमांचक रहा। सिंधु ने 2-1 की बढ़त के साथ गेम का आगाज किया। इसके बाद चीन की शटलर ने भी वापसी करते हुए कुछ अंक जुटाए और गेम में 7-7 की बराबरी कर ली। यहां से भारतीय शटलर पर दबाव साफ दिख रहा था क्योंकि चीन की हान यू ने दो अंकों की अहम बढ़त हासिल कर ली थी।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड को जीत के लिए दिया 297 का लक्ष्य

मुल्तान। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में आगा सलमान के (63) अर्द्धशतक की मदद से 221 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 297 रनों का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में इंग्लैंड अपनी दूसरी पारी में 36 रन पर दो विकेट खोकर संकट में फंस गया है। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और पहले ओवर की तीसरी गेंद पर ही साजिद खान ने बेन डकेट को शून्य पर रिजवान के हाथों कैच आउट कराकर टीम को पहली सफलता दिला दी। चौथे ओवर में नौमन अली ने जैक क्रॉली (तीन) को रिजवान के हाथों कैच आउट करा इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया। उस समय टीम का स्कोर मात्र 11 रन था। तीसरे दिन का खेल समाप्ति पर ऑली पोप (21) तथा जो रुट (12) रनों पर नाबाद रहे।पाकिस्तान की ओर से साजिद खान तथा नौमन अली ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और छठें ओवर में शोएब बशीर ने अब्दुल्लाह शफीक (चार) को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान शान मसूद (11) भी बशीर का शिकार बने। सईम अयूब (22) के रूप में तीसरा विकेट पर भी बशीर को मिला। कामरान गुलाम (26) को जैक लीच ने पगबाधा आउट किया। मोहम्मद रिजवान (23) रन बनाकर पांचवें विकेट के रूप में आउट हुये। चायकाल तक पाकिस्तान ने 135 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिये।

स्टेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच का पद छोड़ा

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रैंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के गेंदबाजी कोच का पद छोड़ दिया हैं। स्टेन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आईपीएल में गेंदबाजी कोच के रूप में मेरे कुछ वर्षों के लिए सनराइजर्स हैदराबाद को बहुत-बहुत धन्यवाद, दुर्भाग्य से मैं आईपीएल 2025 के लिए वापस नहीं आऊंगा। उन्होंने कहा, हालांकि, मैं दक्षिण अफ्रीका में एसए-20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ काम करना जारी रखूंगा। एसए-20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप दो बार विजेता रहा है आइए इसे लगातार तीन बार विजेता बनाने का प्रयास करें। उल्लेखनीय है कि स्टेन को वर्ष 2021 के आखिर में हेड कोच टॉम मूडी के अधीन एसआरएच का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया था। इसके बाद 2023 में ब्रायन लारा ने मूडी से पदभार संभाला और 2024 सीजन से पहले, डेनियल विटोरी को नया हेड कोच के रूप में घोषित किया गया। विटोरी के नेतृत्व में एसआरएच ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हारने से पहले 2018 के बाद से अपना पहला फाइनल खेला था। स्टेन ने आईपीएल में एसआरएच, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और अन्य कई टीमों की फ्रैंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया है।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विएटेक के कोच बने विम फिसेट

एजेंसी

वारसॉ। बेल्जियम के विम फिसेट विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विएटेक के कोच बन गए हैं। डब्ल्यूटीए फाइनल्स की तैयारी कर रहीं स्विएटेक ने एक आधिकारिक बयान में उक्त जानकारी दी। अक्टूबर की शुरुआत में, स्विएटेक ने कोच टॉमस विक्टरोव्स्की से नाता तोड़ लिया था। उन्होंने वुहान ओपन से यह बताते हुए नाम वापस ले लिया था कि वह अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करने पर ध्यान केंद्रित कर रही थीं। स्विएटेक ने सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट भी मिस किए थे। उन्होंने आखिरी बार सितंबर की शुरुआत में खेला था, जब वह यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में जेसिका पेगुला से हार गई थीं। 23 वर्षीय स्विएटेक ने बयान में कहा,मैं विम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे लगता है कि उनका दृष्टिकोण, विजन बहुत अच्छा है, और उनकी अतिरिक्त संपत्ति टेनिस में उच्चतम स्तर पर विशाल अनुभव है। बेशक, एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानना हमेशा महत्वपूर्ण होता है, लेकिन हमारे सहयोग की शुरुआत बहुत अच्छी रही है। मैं प्रतिस्पर्धा में वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती। उन्होंने कहा,

मैं वर्तमान में डब्ल्यूटीए फाइनल की तैयारी कर रही हूं, लेकिन मेरे करियर के बारे में मेरा दृष्टिकोण हमेशा दीर्घकालिक रहा है। मैंने कई बार उल्लेख किया है कि यह मेरे लिए मैराथन है, स्प्रिंट नहीं। मैं इसी सोच को ध्यान में रखते हुए काम करती हूं और निर्णय लेती हूं। फिसेट ने पहले एंजेलिक कर्बर और कई अन्य शीर्ष खिलाड़ियों के साथ काम किया है। जर्मन ने 2018 में उनके मार्गदर्शन में विंबलडन जीता। 44 वर्षीय ने नाओमी ओसाका के करियर को विकसित करने में भी मदद की, जिन्होंने 2020 में यूएस ओपन और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता। फिसेट ने कहा, मैं इगा के साथ काम करने और उनकी टीम में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह जिस निरंतर तीव्रता के साथ खेलती है और काम पर ध्यान केंद्रित करती है, उसके कारण वह कई महिला खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श हैं। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों सुधार करेंगे और अपने खेल के सपनों को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया और सीरीज भी 2-1 से जीत

एजेंसी

दांबुला। कुसल मेंडिस (नाबाद 68) और कुसल परेरा (नाबाद 55) की शानदार अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत श्रीलंका ने तीसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली हैं। आज यहां वेस्टइंडीज के 162 रनों के जवाब में श्रीलंका ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 60 रन जोड़े। छठे ओवर में गुडाकेश मोती ने पथुम निसंका को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। निसंका ने 22 गेंदों में सात चौके एक छक्का लगाते हुए (39) रनों की पारी खेली। कुसल मेंडिस ने 50 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 68) रनों की पारी खेली। वहीं कुसल परेरा ने 36 गेंदो में सात चौके लगाते हुए (नाबाद 55) रन बनाये। श्रीलंका ने 18 ओवर में एक विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया है। इससे पहले कप्तान रोवमन पॉवेल (37), गुडाकेश मोती (32) और ब्रैंडन किंग (23) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 163 रनों का लक्ष्य दिया था। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खबरा रही और पहले ही ओवर में महीश तीक्षणा ने एविन लुइस (शून्य) को बोल्ड कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद शे होप और ब्रैंडन किंग ने पारी को संभाला। छठें ओवर में वानिंदु हसरंगा ने ब्रैंडन किंग को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। किंग ने 19 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (23) रन बनाये। रॉस्टन चेज (आठ) और शरफेन रदरफोर्ड (छह) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान रोवमन पॉवेल ने 27 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए (37) रनों की पारी खेली। गुडाकेश मोती ने 15 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए (32) रन बनाये। रोमारियो शेफर्ड ने 13 गेंदों में (18) रन बनाये।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले सप्ताह से शुरू होने वाले तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय माहिला क्रिकेट टीम की घोषणा हो गई है। टीम में चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका मिला है जबकि तीन वरिष्ठ साथी खिलाड़ी ऋचा घोष, आशा शोभना और पूजा वस्त्राकार श्रृंखला से बाहर रहेंगी।

बीसीसीआई विमेंस चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। महिला विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बावजूद चयनकर्ताओं ने हरमनप्रीत कौर पर भरोसा जताया है और उन्हें टीम की कमान सौंपी है। वहीं, स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। विकेटकीपर की भूमिका यास्तिका भाटिया या फिर उमा छेत्री में से कोई

India's squad for the three ODI series against New Zealand: Harmanpreet Kaur (C), Smriti Mandhana (VC), Shafali Verma, D Hemalatha, Deepti Sharma, Jemimah Rodrigues, Yastika Bhatia (wk), Uma Chetry (wk), Sayali Satgare, Arundhati Reddy, Renuka Singh Thakur, Tejal Hasabnis, Saima Thakor, Priya Mishra, Radha Yadav, Shreyanka Patil.

New Zealand Women's Tour of India

No.	Date	Day	Time	Match	Venue
1	24th Oct '24	Thursday	1.30 PM IST	ODI	Narendra Modi Stadium, Ahmedabad
2	27th Oct '24	Sunday	1.30 PM IST	ODI	Narendra Modi Stadium, Ahmedabad
3	29th Oct '24	Tuesday	1.30 PM IST	ODI	Narendra Modi Stadium, Ahmedabad

निभाएंगी। उमा छेत्री के अलावा टीम में तेजल हसबनिस, साइमा ठाकोर और प्रिया मिश्रा को पहली बार शामिल किया गया है। वहीं, तीन सीनियर खिलाड़ी टीम से बाहर हैं, उनमें ऋचा घोष 12वीं की बोर्ड परीक्षा देने की वजह से टीम से अलग हुई हैं। जबकि आशा सोभना चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पूजा वस्त्राकार को सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

अपने पैर की चोट को लेकर हीली ने कहा-मेरे पास केवल एक ही मैच था और शायद मैंने गलत जोखिम उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने खुलासा किया है कि टूर्नामेंट के बीच में उनके दोनों पैरों में प्लांटर फेशिआइटिस के फट जाने का मतलब है कि महिला टी20 विश्व कप 2024 के बाकी बचे मैचों में उनके पास केवल एक ही मैच बचा है, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल से बाहर होना उनके लिए गलत फैसला साबित हो गया। ऑस्ट्रेलिया की टी20 में बादशाहत, जो 2018 में कैरेबियाई देशों में खिताब जीतने के बाद से चली आ रही है, गुरुवार (17 अक्टूबर) को दुबई में पहले सेमीफाइनल में पिछले संस्करण की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका के हाथों 8 विकेट से हार के साथ खत्म हो गई।

हीली ने सेमीफाइनल से अपनी टीम के बाहर होने के बाद कहा, मेरे दोनों पैरों के प्लांटर फ़ेसिया फट गए, एक पूरी तरह से और दूसरा आंशिक रूप से फट गया। यह सिर्फ़ काम करने और दर्द का मामला था और आखिरकार, शायद, मेरे पास सिर्फ़ एक ही खेल बचा था। शायद दिन के अंत में मैंने ग़लत जोखिम उठाया। जब दोनों टीमें 2023 विश्व कप फाइनल के री-मैच के लिए दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पहुंचीं, तो हीली पहली खिलाड़ी थीं जो ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम से बाहर निकलीं और उन्होंने फुल प्लेइंग किट और स्पाइक्स पहनकर पिच का निरीक्षण किया। हालांकि, जैसे-जैसे उनकी ऑस्ट्रेलियाई टीम के और साथी डगआउट से बाहर निकले, यह स्पष्ट हो गया कि कप्तान ने नॉकआउट गेम से पहले टीम की तस्वीर के लिए ही सूट पहना था।

शुक्रवार को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने एकमात्र ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलिया के 83 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान चोटिल होकर और भयंकर दर्द के साथ मैदान से बाहर जाने के बाद, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान शारजाह में एहतियात के तौर पर बैसाखी के सहारे और अपने दाहिने पैर में मून-बूट पहनकर चल रही थीं। हीली की चोट की सटीक प्रकृति या सीमा का खुलासा न करने के बावजूद, यह तथ्य कि ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान के प्रतिस्थापन की मांग नहीं की, यह संकेत पर्याप्त था कि प्रबंधन नॉकआउट के लिए उनकी वापसी के लिए आशान्वित था। हीली ने सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर टीम के साथ प्रशिक्षण नहीं लिया, जबकि स्टैंड-इन उप-कप्तान एलिस पेरी ने कहा कि टीम उनकी उपलब्धता पर बाद में निर्णय लेने को तैयार थी। हीली ने कहा कि वह खुद भी निश्चित नहीं थी कि वह पूरी तरह से मैच के लिए तैयार होने के कितने करीब थी। उन्होंने कहा, मुझे वास्तव में नहीं पता - इसका उत्तर देना कठिन है, लेकिन उम्मीद है कि मुझे इसे आजमाने का पछतावा नहीं होगा। लेकिन, आप कभी नहीं जानते कि वहां क्या होने वाला था। डब्ल्यूबीबीएल के 10वें संस्करण से पहले ऑस्ट्रेलिया लौटने पर हीली के चोट और आगे के पुनर्वास पाठ्यक्रम का उचित आकलन किया जाएगा, जो अगले रविवार (27 अक्टूबर) से शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मैकग्राथ ने की दक्षिण अफ्रीका की तारीफ, कहा- उन्होंने अनुशासित गेंदबाजी की

एजेंसी

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली 8 विकेट से हार के बाद 2024 टी20 विश्व कप से बाहर होने पर ऑस्ट्रेलिया की कार्यवाहक कप्तान ताहलिया मैकग्राथ ने कहा कि उनकी टीम ने कुछ रन कम बनाए। छह बार की चैंपियन टीम दुबई में पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से 8 विकेट से हारकर 2024 टी20 विश्व कप से बाहर हो गई। ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वेयरहैम के जल्दी आउट होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने मजबूती से वापसी की और बेथ मूनी और मैकग्राथ ने सतर्क साझेदारी की। मूनी ने 42 गेंदों पर 44 रन बनाए जबकि मैकग्राथ ने 33 गेंदों पर 27 रन बनाए और दोनों ने मिलकर केवल तीसरे विकेट के लिए 55 गेंदों पर 50 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया पावरप्ले में केवल 35 रन और 10 ओवर में 53 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 134 रन बनाए। मैकग्राथ ने अपनी टीम को कम स्कोर पर रोकने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अनुशासित गेंदबाजी को श्रेय दिया। मैकग्राथ ने कहा, शुरुआती बल्लेबाजी में हमें लगा कि यह काफी मुश्किल विकेट है। दक्षिण अफ्रीका ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और स्टंप पर हमला किया और गति को कम कर दिया और हमारे लिए इसे मुश्किल बना दिया, या हमें वास्तव में जोखिम उठाने पर मजबूर कर दिया। इसलिए शायद बल्ले से कुछ शॉर्ट रन दिए और फिर भी हमने सोचा कि हम खेल में बने रहेंगे। फिर भी हमने सोचा कि अगर हमने अच्छी गेंदबाजी की तो यह एक प्रतिस्पर्धी स्कोर होगा। लेकिन हाँ, उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए इसे काफी अच्छा विकेट बना दिया और हम अपनी योजना से थोड़ा हट गए। हम हर तरफ से थोड़े

पीछे थे और एक ऐसी टीम के खिलाफ आए जिसने सब कुछ वास्तव में अच्छी तरह से अंजाम दिया। उन्होंने कहा, हमने पाया कि गेंद बल्ले पर उतनी अच्छी तरह से नहीं आ रही थी जितनी हम चाहते थे। दक्षिण अफ्रीका ने वास्तव में अच्छी गति से गेंदबाजी की और जैसा कि मैंने कहा, उन्होंने हमारे लिए बहुत सीधी गेंदबाजी की। हमें लगा कि थोड़ा सा मजबूत होना चाहिए, कोशिश करनी चाहिए और स्ट्राइक रोटेट करनी चाहिए, पारी को आगे बढ़ाना चाहिए और फिर खेल को आगे बढ़ाना चाहिए। लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। हमने लगभग हर चीज की कोशिश की और हम लगातार संवाद कर रहे थे, लगातार एक योजना बनाने की कोशिश कर रहे थे। बस, हाँ, यह हमारे हिसाब से नहीं हुआ और हां शायद कुछ खिलाड़ियों के बाहर रहने से भी नुकसान हुआ। इसके विपरीत, दक्षिण अफ्रीका ने एनेके बॉश की 48 गेंदों पर 74* रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की। लौरा वोल्वार्ड्ट (42) ने दूसरे विकेट के लिए बॉश के साथ 96 रनों की साझेदारी कर सहायक की भूमिका निभाई।

हेमंग बदानी बने दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच, वेणुगोपाल राव को बनाया क्रिकेट निदेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से पहले बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमंग बदानी को मुख्य कोच बनाया है। बदानी ने रिकी पोंटिंग की जगह ली है, जो हाल ही में टीम से अलग हो गए थे। इसी के साथ फ्रेंचाइजी ने वेणुगोपाल राव को क्रिकेट निदेशक बनाया है। फ्रेंचाइजी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस साल की आईपीएल मेगा नीलामी से पहले जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने अपने नए कोचिंग स्टाफ की नियुक्ति की घोषणा की है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमंग बदानी और वेणुगोपाल राव क्रमशः मुख्य कोच (आईपीएल) और क्रिकेट निदेशक (आईपीएल) के रूप में फ्रेंचाइजी में शामिल हुए

हैं। दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और सह-मालिक किरण कुमार ग्रांधी ने कहा कि हमें हेमंग और वेणु का दिल्ली कैपिटल्स में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। दोनों लंबे समय से हमारी टीम का अभिन्न अंग रहे हैं और हम उन्हें एक अलग भूमिका में पाकर उत्साहित हैं। हमें विश्वास है कि उनकी विशेषज्ञता हमारे उद्देश्यों को प्राप्त करने और दिल्ली कैपिटल्स को सफलता दिलाने में हमारी मदद करने में अमूल्य होगी।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में महिला भागेदारी पर वैलेरी ऑलमैन ने कहा- महिलाओं को सम्मानित होते देखना प्रेरणादायक

एजेंसी

नई दिल्ली। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2024 की अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर दो बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता वैलेरी ऑलमैन ने इस आगामी विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस में लोगों की जबरदस्त हिस्सेदारी को देखकर अपनी खुशी साझा की।

नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ऑलमैन ने कहा, मैं इस अविश्वसनीय आयोजन का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में 36,000 से अधिक प्रतिभागियों की ऊर्जा और समर्पण मुझे निश्चित रूप से प्रेरित और विस्मय में डाल देगा। 2024 पेरिस ओलंपिक में 69.50 मीटर की प्रभावशाली थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिकी डिस्कस थ्रो चैंपियन ने कहा, ये रोड रेस एक अनूठी चुनौती का प्रतिनिधित्व करती हैं जिसका मैं गहराई से सम्मान करती हूं। एक फील्ड एथलीट के रूप में, मैं धावकों की सहनशक्ति और दृढ़ संकल्प से चकित हूं। इतनी बड़ी संख्या में लोगों को देखना एक रोमांचक अनुभव होने वाला है। हाल ही में 2024 की महिला फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित ऑलमैन ने 71.46 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, जो खेल के इतिहास में 15वां सबसे लंबा थ्रो है।

भारत आने को लेकर उन्होंने कहा, दुनिया के इस हिस्से में होना रोमांचकारी है। मैं खुद को संस्कृति की भावना में डुबोने, भारत के मूल्यों का अनुभव करने और स्थानीय लोगों की तरह रहने के लिए उत्सुक हूं।

सड़कों की खोज करने से लेकर व्यंजनों का स्वाद चखने तक, मैं सभी तरह के सुखों के अनुभव चाहती हूं और इस खूबसूरत देश की गहरी समझ के साथ वापस लौटना चाहती हूं रेस और सस्टेनेबिलिटी पर इसके फोकस के बारे में अपने ऑलमैन ने कहा, वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन इस बात का उदाहरण है कि कैसे छोटे-छोटे विकल्प बड़े प्रभाव पैदा कर सकते हैं। मेट्रो में मुफ्त पहुंच, दोबारा इस्तेमाल की जा सकने वाली पानी की बोतलों को प्रमोट करना और स्मार्ट प्लास्टिक प्रबंधन जैसी पहलों के साथ, 36,000 प्रतिभागियों को जानबूझकर, टिकाऊ विकल्प चुनते देखना प्रेरणादायक है। इन सामूहिक कार्रवाइयों का वास्तव में वैश्विक प्रभाव हो सकता है। भविष्य के लिए ऐसे उपायों के महत्व पर ऑलमैन ने कहा, यह बिल्कुल जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों और रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग की तत्काल आवश्यकता के साथ, अब जिम्मेदारी लेने और बदलाव का हिस्सा बनने का समय है। हमारे ग्रह को इसकी सख्त जरूरत है, और उस बदलाव का हिस्सा बनना सशक्त बनाता है। उन्होंने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में महिलाओं की भागीदारी को लेकर भी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के इतिहास के बारे में जानना अविश्वसनीय है। 19 साल पहले सिर्फ़ 100 महिला प्रतिभागियों से लेकर अब 30त्न तक - यह उल्लेखनीय वृद्धि है। महिलाओं को अपने कम्फ़र्ट ज़ोन से बाहर निकलते हुए और इसके लिए सम्मानित होते हुए देखना वाकई प्रेरणादायक है। मैं रविवार की दौड़ में इसे देखने के लिए वास्तव में उत्सुक हूँ।

महाराष्ट्र की पूर्वा को हराकर उप्र की मानसी पहुंची क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। योनेक्स सनराईज डा. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में मेन ड्रा का दूसरा दौर और प्री क्वार्टर के कुल 72 मैच खेले गये, जिसमें खिलाड़ियों ने खूब उत्साह दिखाया। उप्र की मानसी सिंह ने सीधे सेटों में महाराष्ट्र की पूर्वा को 21-19, 21-13 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं पंजाब के अभिनव ठाकुर ने कड़े मुकाबले में तमिलनाडु के साइ बाला को 13-21, 21-15, 21-14 से मात देकर बढत बना ली। हरियाणा के गौतम अरोरा ने महाराष्ट्र के वरूण कपूर को 21-15, 10-21, 21-11 से हराया। उप्र के चिराग सेठ ने राजस्थान के हर्ष को 19-21, 21-12, 21-19 से हराकर आगे का

रास्ता बना लिया। हरियाणा के भरत राघव ने महाराष्ट्र के प्राज्वल को सीधे सेटों में 21-19, 21-16 से मात दे दी। वहीं महिला एकल मुकाबलों में राजस्थान के साक्षी फोगाट ने गुजरात की ऐशानी तिवारी को सीधे सेटों में 21-17, 21-9 से हराया। आंध्र प्रदेश की सूर्या चरिश्मा तामिरी ने गुजरात श्रेया को कड़े मुकाबले में 15-21, 21-13, 21-19 से हरा दिया। असम के इशरानी बारुहा ने हरियाणा की रिजुल सैनी को 13-21, 21-14, 21-12 से हरा दिया।

अर्जेंटीना के पेशेवर फुटबॉल क्लब सैन लोरेंजो के मैनेजर नियुक्त हुए मिगुएल रुसो

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के पेशेवर फुटबॉल क्लब सैन लोरेंजो ने मैनेजर के रूप में मिगुएल रुसो के साथ अनुबंध पूरा कर लिया है। उनका करार दिसंबर 2025 तक होगा। रूसो ने लिआंड्रो रोमाग्नोली की जगह ली है, जिन्होंने पिछले रविवार को खराब नतीजों के बाद पद छोड़ दिया था। ब्यूनस आयर्स क्लब ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, रूसो युग की शुरुआत हो चुकी है। क्लब ने 68 वर्षीय रूसो के पहले प्रशिक्षण सत्र का वीडियो फुटेज भी पोस्ट किया। रूसो, जो 2008 और 2009 में सैन लोरेंजो के ही मैनेजर थे, अगस्त में रोसारियो सेंट्रल से अलग होने के बाद से बेरोजगार थे। उनके नए कार्यकाल का पहला मैच रविवार को अर्जेंटीना

के प्राइमेरा डिवीजन में बैराकास सेंट्रल के खिलाफ घरेलू मुकाबला होगा।

दूसरे दिन का खेल खत्म, न्यूजीलैंड ने बनाई 134 रनों की बढ़त

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत एवं न्यूजीलैंड के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। पहली पारी में भारतीय टीम के 46 रनों पर ऑलआउट होने के बाद न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी कर खेल समाप्त होने तक 3 विकेट खोकर 180 रन बना लिए हैं। मेहमान टीम ने 134 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। रचिन रवींद्र 22 रन और डेरिल मिचेल 14 रन पर नाबाद हैं। पहली पारी में भारत को कम स्कोर पर समेटने के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड टीम को पहली पारी में सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे और कप्तान टॉम लैथम ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने टीम के स्कोर को 50 रन के पार पहुंचाते हुए भारतीय टीम पर बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड का पहला विकेट कुलदीप यादव ने झटका। उन्होंने कप्तान टॉम लैथम को एलबीडब्ल्यू किया। लैथम ने 15 रन बनाए। इसके बाद कॉनवे ने विल यंग के साथ पारी को आगे बढ़ाया। कॉनवे ने तेजी से रन बटारते हुए 54 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट विल यंग के रूप में गिरा। यंग 73 गेंदों पर 33

रन बनाकर पवेलियन लौटे। दूसरे छोर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक की ओर बढ़ रहे कॉनवे को रविचंद्रन अश्विन ने बोल्ड कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। कॉनवे ने 105 गेंदों पर 11 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। इसके बाद दिन का खेल खत्म होने तक मेहमान टीम का और कोई विकेट नहीं गिरा। टीम ने 3 विकेट पर 180 रन बना लिए हैं और उसकी बढ़त 134 रनों की हो गई है। भारतीय टीम की ओर से कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन और रविन्द्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले न्यूज़ीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की पहली पारी केवल 46 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 20 रन बनाए, जबकि पांच बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके और तीन बल्लेबाज तीन रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। पहला दिन बारिश के कारण धुल जाने के बाद, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे दिन टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि उनका यह फैसला गलत साबित हुआ। भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही। चिन्नास्वामी की पिच पर कीवी तेज गेंदबाजों की गेंद स्विंग भी कर रही थी और उछाल भी ले रही थी, जिसके कारण भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशानी हो रही थी।

पर्दे में रख वरना....

नेहा कक्कड़

और उनके पति को निहंग सिंह की तरफ से मिली धमकी

अपनी आवाज से लाखों लोगों को दीवाना बनाने वालीं मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ अक्सर चर्चा में रहती हैं. अब सिंगर एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं. दरअसल, नेहा कक्कड़ और उनके रोहनप्रीत सिंह को धमकी मिली है. कपल को ये धमकी निहंग बुड्ढा दल से ताल्लुक रखने वाले निहंग मान सिंह की तरफ से दी गई. उन्होंने कपल को सोशल मीडिया पर 'आपत्तिजनक कंटेंट' के लिए चेतावनी दी है.

बाबा बुड्ढा दल के निहंग मान सिंह ने अपने फेसबुक पेज पर लाइव होकर नेहा कक्कड़ और उनके पति रोहनप्रीत को सोशल मीडिया से अपनी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो डिलीट करने की चेतावनी दी. साथ ही कपल को अपने रिश्ते को पर्दे के पीछे रखने के लिए कहा है.

नेहा कक्कड़ को दिया ये मैसेज

कई सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निहंग मान सिंह ने अपने लाइव पर कहा कि जो लोग ऑनलाइन अश्लील कंटेंट पोस्ट करते हैं, उन्हें पहले प्यार से समझाया जाएगा कि ऐसा न करें. हालांकि, दूसरी बार ऐसा करने पर उन्हें 'सबक सिखाया जाएगा'. निहंग मान सिंह ने कपल को धमकी देते हुए कहा कि नेहा कक्कड़ लोगों के सामने पति संग आपत्तिजनक हरकतें करती हैं, वो सब बंद कर दें, नहीं माने तो सबक सिखाएंगे. वो इसके लिए जेल भी जाएंगे, लेकिन समाज में किसी भी तरह की गंदगी नहीं होने देंगे.

च्पत्नी को पर्दे में रखना चाहिए

वीडियो में आगे मान सिंह अकाली ने नेहा कक्कड़ का नाम लिया और कहा कि वो बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ तक उनका संदेश पहुंचाएं कि पति को अपनी पत्नी को पर्दे के पीछे रखना चाहिए. आप लोगों ने पंजाब को बर्बाद कर दिया है. कुछ शर्म करो. हम मानते हैं कि आप लोग फिल्म स्टार और अच्छे सिंगर हैं, इसलिए आप कुछ अच्छा काम करें और अपनी सोच भी अच्छी रखो.

निकिता पोरवाल ने जीता फेमिना मिस इंडिया का खिताब, इस फिल्म में आने वाली हैं नजर

16 अक्टूबर की रात को फेमिना मिस इंडिया 2024 का ग्रैंड फिनाले ऑर्गेनाइज किया. इंडिया की मोस्ट आईकॉनिक ब्यूटी पेजेंट की ये 60वीं एनिवर्सरी थी, जिसमें मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल को इस खिताब से नवाजा गया. यह इवेंट मुंबई के वर्ली में आयोजित किया गया था. निकिता एक एक्ट्रेस हैं, जो कि 18 साल की उम्र से एक्टिंग कर रही हैं. इस इवेंट में यूनियन टेरिटरी को रिप्रेजेंट करने वाली रेखा पांडे सेकेंड रनरअप रहीं.फेमिना मिस इंडिया 2023 की विनर नंदिनी गुप्ता ने निकिता के सिर पर ताज सजाया. इसके साथ ही नेहा धूपिया ने उन्हें मिस इंडिया सैश पहनाया. एक्ट्रेस संगीता बिजलानी ने इस इवेंट में परफॉर्म करने के साथ ही साथ रैंप वॉक भी किया. संगीता के अलावा इस इवेंट में एक्ट्रेस नेहा धूपिया और राघव जुयाल जैसे और भी कई सेलिब्रिटी रेड कार्पेट पर नजर आए, निकिता ने एक टेलीविजन एंकर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की है.

फिल्मों में कर चुकी हैं काम

फेमिना मिस इंडिया 2023 में 30 राज्यों के विनर ने पार्टिसिपेट किया. निकिता की बात की जाए तो उन्हें एक्टिंग के अलावा लिखने का भी शौक है, उन्होंने कई सारे नेशनल और इंटरनेशनल स्टेज ड्रामा लिखा हुआ है. निकिता के लिखे ड्रामा में 250 पेज की कृष्ण लीला भी है. निकिता होस्टिंग के अलावा फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं. उनकी अपकमिंग प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, फिल्म का टाइटिल 'चंबल पार' है.

सोशल मीडिया पर कम एक्टिव

निकिता पोरवाल सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं. उनके फॉलोअर्स की बात की जाए तो, इंस्टाग्राम पर उनके केवल 5 हजार फॉलोअर्स हैं. निकिता के अलावा ताडू लूनिया, जो फेमिना मिस इंडिया अरुणाचल प्रदेश 2024 हैं, उन्होंने टाइम्स मिस ब्यूटी विद अ परपज अवार्ड मिला. वहीं एंजेलिया मार्रवीन, जो कि फेमिना मिस इंडिया मेघालय 2024 को टाइम्स मिस मल्टीमीडिया अवार्ड से नवाजा गया.

एक तरफ सलमान खान की जान को खतरा, दूसरी तरफ उनकी एक्स गर्लफ्रेंड करना चाहती हैं लॉरेंस बिश्नोई से बात

हाल ही में महाराष्ट्र के एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई, बाबा सिद्दीकी सलमान खान के करीबी थे. उनकी मौत के बाद से सलमान खान पर खतरा मंडरा रहा है. बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है, इस गैंग ने सलमान खान को भी धमकी दी है. हालांकि, जहां मुंबई पुलिस की तरफ से उनकी सुरक्षा और बढ़ा दी गई है, तो वहीं अब सलमान का बचाव करने के लिए उनकी एक्स गर्लफ्रेंड भी सामने आ गई हैं.सलमान खान एक वक्त पर एक्ट्रेस सोमी अली के साथ रिलेशनशिप में थे. साल 1999 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था. रिश्ता खत्म होने के बाद सोमी ने कभी भी सलमान खान के खिलाफ कुछ भी नहीं कहा, बल्कि हर बार उनके बचाव में खड़ी रही हैं. अब हाल ही में उन्होंने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को जूम कॉल पर बात करने के लिए इनवाइट किया है. सोमी फिलहाल अमेरिका में रहती हैं और वूमेन राइट एक्टिविस्ट बन चुकी हैं.

लॉरेंस बिश्नोई के लिए लिखा मैसेज

फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई साबरमती जेल में हैं. सोमी अली ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर पोस्ट की है. इसके साथ ही सोमी ने लिखा, ये लॉरेंस बिश्नोई के लिए एक डायरेक्ट मैसेज है, नमस्ते, लॉरेंस भाई, सुना भी है और देखा भी है कि आप जेल से भी जूम कॉल कर रहे हो, तो मुझे आपसे कुछ बातें करनी हैं. कृपया करके मुझे बताएं कि ये कैसे हो सकता है ? हमारी पूरी दुनिया में सबसे पसंद की जगह राजस्थान है. हम आपके मंदिर आना चाहते हैं पूजा के लिए पर पहले आपसे जूम कॉल हो जाए और कुछ बातें तय हो जाएं पूजा के बाद, फिर यकीन मानिए की ये आपके फायदे की बात है. अपना मोबाइल नंबर दे दीजिए बड़ा एहसान होगा आप का. शुक्रिया.

सलमान की तरफ से मांगी है माफी

इसके पहले भी सोमी अली ने इस मुद्दे पर बिश्नोई समाज को अपना मैसेज दिया था. मई 2024 में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि अगर आप किसी को मारने की कोशिश कर रहे हैं या उस पर बंदूक चला रहे हैं, तो आप अपनी सीमा पार कर रहे हैं. मैं शिकार को किसी भी तरह के स्पोर्ट्स के तौर पर सपोर्ट नहीं करती हूं, लेकिन जो घटना हुई वो काफी समय पहले की बात है. सलमान 1998 में कम उम्र के थे, मैं बिश्नोई समाज के मुखिया से ये रिक्वेस्ट करती हूं कि वो ये भूलकर आगे बढ़े. मैं उनकी की हुई गलती की तरफ से आप सभी से माफी मांगती हूं, उन्हें माफ कर दें.

इंटरनेशनल स्टार

प्रियंका चोपड़ा

पहुंचीं मुंबई.... नई फिल्म नहीं इसलिए की वतन वापसी

इंटरनेशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा की वतन वापसी हो गई है. पीसी जब भी भारत आती हैं तो इस बात की चर्चा और तेज हो जाती है कि उनका अगला बॉलीवुड बिग प्रोजेक्ट क्या होगा. इस बार प्रियंका जब भारत आईं तो इस बात की चर्चा और तेज हो गई कि वह अपने नए प्रोजेक्ट के लिए यहां आई हैं हालांकि ऐसा नहीं है. प्रियंका हॉलीवुड में छाई रहती हैं. वह भले ही हॉलीवुड में काम कर रही हैं, लेकिन बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स से भी जुड़ी रहती हैं.प्रियंका बुधवार को अमेरिका से अपने देश वापस लौटीं. पीसी के एयरपोर्ट से बाहर आते ही उनको पैप्स ने स्पॉट कर लिया. प्रियंका ने पैप्स के सामने अपना नया बेली रिंग फ्लॉन्ट किया. प्रियंका ने काला चश्मा और नीली टोपी के साथ देशी अंदाज में मुंबई एयरपोर्ट पर एंट्री ली. एंट्री लेते ही प्रियंका ने बाहर खड़े फैन्स को झुककर नमस्ते भी किया.

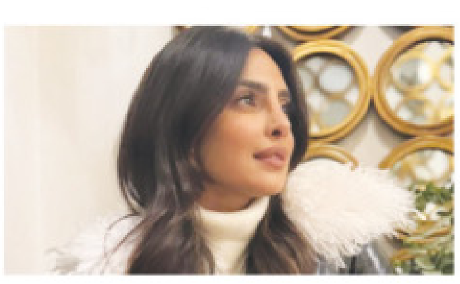

प्रियंका ने शेयर की बेटी की तस्वीर

देसी गर्ल प्रियंका अक्सर अपने फैन्स के साथ पोस्ट शेयर करते नजर आती हैं. कुछ दिन पहले प्रियंका चोपड़ा ने अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस की एक क्यूट फोटो शेयर की थी. इस फोटो में मालती अपने दोस्तों के साथ खेल रही थीं. फैन्स को मालती की ये पिक काफी हार्टवार्मिंग लगी. तस्वीर पोस्ट करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने लिखा था, 'प्ले डेट'.

'मैक्स फैक्टर' के इवेंट के लिए आई हैं पीसी

जब से प्रियंका के भारत आने की खबर सामने आई थी तो हर कोई इस बारे में यही सोच रहा था कि पीसी अपने नए प्रोजेक्ट पानी के लिए इंडिया आई हैं लेकिन असल में प्रियंका काफी स्पेशल रीजन से इंडिया वापस आई हैं. प्रियंका भारत एक मेकअप ब्रांड 'मैक्स फैक्टर' के लॉन्च इवेंट के लिए मुंबई आई हैं. ब्रांड का ये इवेंट 18 अक्टूबर को मुंबई में है. इस इवेंट को कवर करने के लिए ग्लोबल मीडिया भी इस वक्त मुंबई में हैं.